जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 14 मई, 2022

इतिहास में पहली बार

2000 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया वाली 5BHK कोठी सिर्फ 75 लाख में !

A Project By Kedia

THE KUNBA

बड़े परिवारों के लिए

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

FIXED PRICE

परिवार ही जिनकी पहचान है

NEAR MPS, PRATAP NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com
www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

*T&C Apply

विचार बिन्दु

सज्जनों की रीति यह है कि कोई अगर उनसे कुछ मांगे तो वे मुख से कुछ न कहकर, काम पूरा करके ही उत्तर देते हैं। –कालिदास

देश एवं प्रदेशों में पेंशन बचाओ आंदोलनों की अपरिहार्यता

राजकीय एवं अन्य पेंशन धारकों को पेंशन मिलना अति आवश्यक है, यह उनके सेवानिवृत पश्चात् एक सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह का सबसे बिश्वसनीय साधन होता है। रिटायरमेंट के पश्चात् कर्मी को पता नहीं कितने दिन जीवित रहना है और कितने दिन उसकी पत्नी को? ऐसी असाधारण परिस्तिथि में पूर्व की सरकारों ने अपने कर्मी को पेंशन देने का प्रावधान किया, यह सिलसीला ब्रिटिश हुकूमत में तो था ही, संभवत: उससे पहले मुग़ल कल में भी प्रचिलित हो? पेंशनकर्मी को उसके द्वारा दी गयी सेवाओं में योगदान के फलस्वरूप अर्जित विकास (भौतिक, सामाजिक, व् विद्या प्रचार व् प्रसार आदि) के एवज में दी जाती है।

30 से 35 वर्ष के कार्य काल का आंकलन सांख्यकीय मापदंडों से करना दुष्कर है अत: सरकारों ने पेंशन निर्धारण के लिए काफी विचार और मंथन करके कुछ नियम निर्धारित किये जिनमे समय-समय पर स्तिथि के अनुसार सुधारकर बदलाव भी किया जाता रहा। मोटे तौर पर वर्तमान में कर्मी को संतोषजनक सेवा के उपरांत आखिरी वेतन का आधा अंश (5 0 प्रतिशत) पेंशन देय होती है सेवा काल में निर्धारित अवधि में कमी होने पर पेंशन भी अनुपातिक हिसाब से कम निर्धारित होती है, इसके ऊपर मंहगाई भत्ता नियम के अनुसार और जुड़ जाता है, इस प्रकार कर्मी को अपने शेष जीवन निर्वाह के लिए एक संतोषजनक राशि प्रतिमाह उपलब्ध होती रहती है। कर्मी की मृत्यु होने पर उसकी पत्नी को शेष जीवन में पारिवारिक पेंशन मिलने का प्रावधान किया हुआ है, जो मूल पेंशन का लगभग 30 प्रतिशत होता है। इस प्रकार सामाजिक सिक्योरिटी की दृष्टि से यह अनुकूल ही है।

एकल परिवारों के चलते यदि ये व्यवस्था न हो तो बुजुर्ग किसके आगे हाथ फैलाएं? उधार लेकर, घर का सामान बेचकर या एक-दो घर झाड़ू-बर्तन सफाई और विकट स्तिथि में भीख मांग कर जीवन काटना पड़ता है। कुछ समय पूर्व तक तो यह सब कुछ ठीक ही चल रहा था परतु 2004 से केंद्र सरकार ने नयी पेंशन योजना लागू कर दी, जिस पर कोई सम्बाद अथवा बहस नहीं हुयी, फलस्वरूप सरकार द्वारा सरसब्ज बाग़ दिखाने से नयी पेंशन योजना का उस समय कोई प्रतिरोध नहीं हुआ। जिन संस्थानों में पेंशन नहीं थी वहां कर्मी को उसके द्वारा प्रतिमाह दिया प्रोविडेंट फण्ड और उतना ही अंशदान सरकारी जुड़ता रहता था जिस पर नियमानुसार ब्याज जुड़ता रहता था और सेवा निवृति पर कर्मी को पूरा प्रोविडेंट फण्ड दे दिया जाता था। इस पद्धति में अक्सर यह होता था कि कर्मी का पूरा धन घर के किसी कार्य में खर्च हो जाता था तत्पश्चात कर्मी और उसकी पत्नी को बेबस होकर जीना पड़ता था, बच्चे बहुधा माता-पिता से किसी बहाने पैसे खर्च करवा लिया करते और सामाजिक स्तर पर कर्मी बहुत कष्ट भोग कर मरता। कई तो विवश होकर आत्महत्या कर लेते, ऐसी स्तिथि में जिस व्यक्ति ने पेंशन की योजना सर्व प्रथम ईजाद कर लागू की हमें उसका शुक्रगुज़ार होना चाहिए।

नयी पेंशन के रचना कार के सोच को दाद देनी पडेगी कि उसने सभी पेंशन धारकों की जिंदगी को मटियामेट करने की ऐसी योजना बनाई जिसका लोग उस समय आंकलन नहीं कर सके। केंद्र सरकार में ऐसे अनेक वित्त मंत्री हुए जिन्होंने बजट से लेकर अन्य योजनाएं लागू की जो बाद में निवेशकर्ताओं को ले डूबी। ऐसी एक योजना थी यू एस 64, जिसमें सरकार ने दखल देकर लोगों का कुछ धन वापिस करवाया था, मैं भी उस योजना का एक छोटा भुक्तभोगी हूँ।

नयी पेंशन के रचना कार के सोच को दाद देनी पड़ेगी कि उसने सभी पेंशन धारकों की जिंदगी को मटियामेट करने की ऐसी योजना बनाई जिसका लोग उस समय आंकलन नहीं कर सके। केंद्र सरकार में ऐसे अनेक वित्त मंत्री हुए जिन्होंने बजट से लेकर अन्य योजनाएं लागू की जो बाद में निवेशकर्ताओं को ले डूबी।

अभी चार-पांच वर्ष पहले मोदी जी ने नोट बंदी की थी, सुना गया था तब के एक विख्यात मंत्री ने दो कंटेनर जाली करेंसी नोट छपवा कर अपने वोटरों में बटवा दिए थे। मेरे पास इसका कोई सबूत नहीं है, ऐसी स्तिथि में धर पकढ़ या रेड से कुछ होना नहीं था क्योंकि जब पता चला तब तक राशि बट चुकी थी। मोदी जी संभवत: इस बात को छिपाकर आनन्-फानन में नोट बंदी कर दी। यही एक तरीका बचा था उन जाली नोटों को चलन में न आने देने का क्योंकि बाद में यह कहा गया कि रिज़र्व बैंक द्वारा जारी लगभग सभी नोट बापिस आ गए। अब वो जाली नोट बैंक में कैसे आते?

खैर, सरकार में ऐसे नाटकीय कार्य होते रहे हैं और जनता मूर्ख बनकर उसी पार्टी की सरकार को पुन: चुनती रही है। तो बात पेंशन की हो रही थी लिहाजा पुरानी पेंशन ही अभी तक सेवा निवृत कर्मिओं के लिए अनुकूल रही है और अभी है। इसमें महंगाई भत्ता आदि जुड़ते जाय तो कर्मी का जीवन संतोष से कट जाता है। राजस्थान सरकार ने पहल कर नयी पेंशन स्कीम 2004 को हटा कर पुरानी पेंशन स्कीम पिछले बजट में पास करा कर फिर से लागू कर दी। इसमें अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि 2004 और इस वर्ष घोषणा की तिथि की अवधि में पुरानी पेंशन लागू होगी अथवा नहीं? कुछ भी हो मुख्यमंत्री ने जो सदा सहता दिखाई है इस अवधि का भी वे कोई तोड़ निकाल इसे हल कर देंगे।

राज्य सरकार कई प्रकार की पेंशन लोगों को देती है परतु अभी उनमे विषमता विध्यमान है जैसे विश्वविद्यालयों के कर्मिओं को नियमित पेंशन न देना.... इसमें कुछ विश्वविद्यालय छात्रों की अधिक संख्या के कारण कर्मिओं को पेंशन देने में सक्षम हो सकते हैं लेकिन कुछ ही वर्षों में वे भी पेंशन देने में सक्षम नहीं होंगे। प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालय पेंशन की अनियमिता और अनिश्चितता से परेशान हैं। लगभग 12 वर्ष से कर्मी न्यायलय की शरण में जाकर कुछ राहत पा लेते हैं, अभी तक 13 माह की पेंशन फिर बाकी हो गयी जो नहीं दी गयी है। न्यायालय ने दखल देकर 22 माह की बाकी पेंशन घटवा कर 10 माह जनवरी 2022 में करवा दी थी जो अब फिर बढ़ कर 13 माह हो गयी, कब तक पेंशनर्स कोर्ट के फेरे लगाते रहेंगे?

मुख्य मंत्री जी का कहना है कि यदि सरकार इनको पेंशन देगी तो अन्य लोग भी डिमांड करेंगे। ये केसा कथन है? दूसरे कौन? निश्चित रूप से वे पाकिस्तानी नहीं होंगे और यदि देश के नागरिक डिमांड करते हैं तो उनकी समस्या भी सरकार को ही सुलझानी पडेगी। उत्तर प्रदेश राज्य अपने सभी सेवा निवृत कर्मिओं को पेंशन दो दशक से अधिक सालों से प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय तक और वो भी सरकारी कोषालय से और सरकारी कर्मिओं की पेंशन समान सभी सरकारी और प्राइवेट विद्यालओं, विश्वविद्यालयों के कर्मिओं को दे रही है, वहां पेंशन धारकों की संख्या अपेक्षाकृत राजस्थान से कई गुना अधिक है। वहां किसी प्रकार का कोई विवाद आज तक नहीं सुना गया।

मुख्य मंत्री यदि विवेक से सोचे तो उनके एक निर्णय से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालओं की पेंशन समस्या सुलझ सकती है। वे स्वयं कई प्रकार की वित्तीय सहायता/पेंशन लोगों को देते हैं, जिनका खुलासा करना यहाँ उचित नहीं। कृषि विश्विद्यालयों का स्थापना खर्च सरकार ने स्वयं बढ़ाया जो प्रतिवर्ष 10 से 12 करोड़ बैठता है। एक कृषि विश्व विद्यालय उत्तर में बीकानेर था दक्षिण में 1999 में उदयपुर ने बन गया, फिर जोधपुर, जोबनेर और कोटा में तीन और कृषि विश्वविद्यालय स्थापित कर संख्या पांच कर दी। इनका औचित्य क्या था? समझ से परे है। उदयपुर के समान यदि बाकि तीनो के लिए सम्बाद भी करवाते तो हो सकता था एक केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय बन जाता, और सरकार अनेकों खर्चों से बच जाती। लेकिन जब बात वोट बैंक की हो तो उस स्तिथि में लेख में कोई बात लिखना करना उचित नहीं मानता।

पेंशन पेमेंट के लिए एक संस्था गठित की जावे जिसमे केंद्र, प्रदेश व अन्य अपनी साझेदारी से उसमे अंशदान कर फण्ड निर्मित कर उससे सभी को पेंशन समान रूप से समान नियमों के तहत दी जा सके। सरकार से यह जिम्मेदारी अलग होनी चाहिए, भले ही सरकारी तंत्र से संचालित हो। अभी भी समय है प्रदेश का एक कृषि विश्वविद्यालय केंद्र के अधीन कर दिया जावे इसी प्रकार अन्य विषयों के विश्वविद्यालय भी यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन, सी एस आई आर केन्द्रीय उपक्रमों को सौंप कर वित्तीय भार से कुछ निजात पाई जा सकती है। कृषि विश्व विद्यालय से सम्बंधित और भी ऐसे सुझाव हो सकते हैं जिनसे वित्तीय भार कम किया जा सके। इन सबके बावजूद पेंशन पर सम्बाद/आंदोलन होते रहने चाहिए लेकिन ऐसे आंदोलन रचनात्मक हों और सरकार से तालमेल रख ही निर्णय होकर लागू हों किसी कवि ने कहा है **''जेते पैर पसारिये जित्ती लम्बी सौर''**। सरकार अपने खर्चे भी कम करके पेंशन फण्ड में योगदान कर सकती है, वर्तमान स्तिथिओं में भी में ऐसे कई सुझाव दे सकता हूँ जिससे चार-पांच करोड़ की बचत हो सकती है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर)

अब कांग्रेस में पैराशूट से नहीं उतरेंगे नेता, पार्टी में पांच साल काम करने वालों को ही टिकट मिलेगा : अजय माकन

उदयपुर, (का.स.)। झीलों की नगरी में शुक्रवार से कांग्रेस के नवसंकल्प चिंतन शिविर का आगाज हो चुका है। गांधी परिवार के तीनों प्रमुख सदस्यों के साथ तमाम कांग्रेस के नेता उदयपुर पहुंच चुके हैं।

उदयपुर में कांग्रेस के चिंतन शिविर में कांग्रेस महासचिव व राजस्थान के प्रभारी अजय माकन ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

- **कांग्रेस का इंटरनल पब्लिक इनसाइड डिपार्टमेंट होगा जिसमें लोग जनता के बीच से फीडबैक लेंगे।**
- **कांग्रेस पार्टी के ढांचे में अब बूथ लेवल से लेकर ऊपर तक बदलाव किया जा रहा है**

शिविर के पहले दिन शुक्रवार को कांग्रेस के महासचिव व राजस्थान प्रभारी अजय माकन ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी के ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन होने जा रहा है। उन्होंने एक परिवार एक टिकट के फार्मूले के जवाब में कहा कि यह बात तय है। किसी भी नेता का रिश्तेदार, बेटा या बेटी को टिकट तभी मिलेगा जब वह पांच साल पार्टी में काम करेगा। यानी पैराशूट से कोई नेता नहीं उतारा जाएगा।

होटल अरावली ताज में कांग्रेस नेता अजय माकन ने बताया कि संगठन को लेकर बने कांग्रेस के पैनल ने पार्टी में आमूलचूल परिवर्तन के लिए सुझाव दिए हैं। उन पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी के ढांचे में अब तक वही पद चले आ रहे थे जो सालों पहले थे। लेकिन अब उसमें बूथ लेवल से लेकर ऊपर तक बदलाव किया जा रहा है। कुछ चीजें हमारे संविधान में पहले से थी, लेकिन उनको अमल में नहीं लाया जा सका।

उन्होंने कहा कि भाजपा की तरह ही अब कांग्रेस में भी मंडलों का गठन किया जाएगा। हर पंद्रह बीस बूथों पर एक मंडल होगा। तीन से चार मंडलों पर एक ब्लॉक का गठन किया जाएगा। इसके गठन के लिए भी एक प्रक्रिया अपनाई जाएगी। माकन ने बताया कि अक्सर चुनाव के समय ही हम कुछ प्राइवेट एजेंसी से सर्वे करवाते रहे हैं। लेकिन अब तय किया गया है कि कांग्रेस का इंटरनल पब्लिक इनसाइड डिपार्टमेंट होगा। इस डिपार्टमेंट में शामिल लोग लगातार जनता के बीच फीडबैक लेंगे। उन जनता किन मुद्दों पर क्या चर्चा कर रही है। माकन ने बताया कि यह बात भी सामने आई है कि जो कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं, उनको रिवार्ड नहीं दिया जाता है और जो काम नहीं कर रहे हैं या खराब काम कर रहे हैं, उन्हें सजा नहीं मिलती है। इसको लेकर कांग्रेस में असेस्टमेंट विंग बनाने का सुझाव है। यह विंग तय करेगी कि कौन कार्यकर्ता बेहतर काम कर रहा है और उसका क्या रिवॉर्ड देना चाहिए? जो लोग खराब काम या पार्टी के विरोध में काम करेंगे, उन्हें सजा का प्रावधान किया जाएगा। कांग्रेस के नेता माकन ने कहा कि हम पार्टी में अनुशासन को और मजबूत करेंगे। इसके लिए हर स्तर पर अनुशासन कमेटी बनेगी। शिविर में इस पर चर्चा की जाएगी।

माकन ने बताया कि चिंतन शिविर में जो कमेटियां गठित की गई है, उनमें पचास प्रतिशत लोग 50 साल से कम उम्र के हैं। आगे भी इसको लागू रखा जाएगा कोई भी व्यक्ति पांच साल से अधिक किसी एक पद पर नहीं रह सकेगा। इन पदाधिकारियों को अपनी परफार्मेंस देनी होगी। अच्छा काम नहीं करने पर उन्हें तीन साल तक पद से मुक्त रखा जाएगा। पार्टी में काम करने पर आगे मौका दिया जाएगा। यही हमारे नवसंकल्प होंगे।

सांभर के वार्ड 22 में चार पेयजल लाइन होने के बाद भी पानी को तरसते लोग

सांभरझील, (निसं)। यहां के वार्ड-22 में जलदाय विभाग की कई दशकों पुरानी चार पेयजल लाईन बिछी होने के बावजूद चारभुजा गली के बांशिदों को एक एक बूंद पानी के लिये मशक्कत करनी पड़ रही है लेकिन लोगों व पार्षद की ओर से कई दफा शिकायत किये जाने के बावजूद स्थानीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अभियन्ताओं की ओर से इस ज्वलन्त समस्या को हल्के में लिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यहां उपभोक्ताओं को खुद की आवश्यकता की पूर्ति के लिये निजी टेंकर मंगवाये जाने के अलावा दूसरा कोई विकल्प ही नहीं बचा है।

- **लोगों को हर माह निजी टेंकरों और जलदाय विभाग के बिलों का भुगतान भी करना पड़ रहा है**
- **नयी पेयजल लाईन बिछाने का काम दलगत राजनिती के चलते अमल में नहीं आ सका**

जबकि यहां के उपभोक्ताओं से जलदाय विभाग पानी के बिल की पूरी राशि वसूल कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी कोर्ट के पास पानी इतना कम प्रेशर से लोगों के घरों में पहुंच रहा है कि रोजमर्रा की जिंदगी के लिये वह पर्याप्त नहीं बताया जा रहा है, महज बीस मिनट की पेयजल सप्लाई ही होना बताया जा रहा है, जबकि विभाग उपभोक्ताओं से औसत के आधार पर बिल राशि वसूल कर विभाग उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन कर रहा है। यहां के लोगों से बात करने पर बताया गया कि माह में कम से कम दो टेंकर पानी के मंगवाने ही पड़ते हैं, लेकिन उन लोगों को अधिक मुश्किल हो रही है जिनकें घरों में पानी स्टोर करने के लिये या तो होद नहीं है या जगह के अभाव में बहुत ही छोटे है। एक दफा यहां पर पुरानी कोर्ट के पास ऊंचाई वाले स्थान पर पेयजल टंकी बनवाकर नयी पेयजल लाईन बिछाने का लोगों को करीब तीन चार साल पहले ख्वाब दिखाया गया था, लेकिन दलगत राजनीती के चलते न तो इस योजना पर विभाग अमल कर सका और न ही सरकारी कारिंदों ने इस दिशा में कोई रूचि दिखायी।

यहां की कांग्रेस पार्षद ज्योति कुमावत से बात करने पर बताया गया कि उनकी तरफ से विभाग को एक से अधिक पत्र लिखे जा चुके हैं, विभाग की ओर से कोई सुनवायी नहीं की गयी है तो अब जलदाय मंत्री को लिखा गया है, यहां के लोगों को आज भी उम्मीद बनी हुयी है कि सरकार इस दिशा में कोई न कोई समाधान जरूर निकालेगी।

डॉ. महेन्द्र भानावत को मारवाड़ रत्न सम्मान

उदयपुर, (कासं)। लोककला संस्कृतिविज्ञ डॉ. महेन्द्र भानावत को जोधपुर स्थापना दिवस पर गुरूवार को गजसिंह द्वारा मारवाड रत्न कोमल कोठारी सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर का इक्यावन हजार का यह सम्मान डॉ. भानावत को उनके द्वारा विभिन्न प्रान्तों की कलाधर्मी जातियों, लोकानुरंजनकारी प्रवृत्तियों, जनजातीय सरोकारों तथा कठपुतली, पड, कावड जैसी विधाओं पर खोजपूर्ण लेखन एवं शोध के उन्नयन में दीर्घकालीन उच्चस्तरीय योगदान के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया।

संस्कृतिविज्ञ डॉ. महेन्द्र भानावत को गजसिंह ने मारवाड रत्न कमल कोठरी सम्मान प्रदान किया।

समारोह के दौरान गजसिंह ने पूर्व काल तथा आजादी के बाद जनसेवा के उल्लेखनीय योगदान का जिक्र करते हुए मेहरानगढ म्युजियम ट्रस्ट द्वारा अगले वर्ष से राजाराम मेघवाल पुरस्कार देने की भी घोषणा की। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. संजीव मिश्रा ने कहा कि मेहरानगढ के सूरजवंशी सूर्यनगरी जोधपुर ने रक्त की बजाय शकुन दिया है। मुख्य अतिथि सव्यसांची मुखर्जी ने जोधपुरी भाषा, संस्कृति तथा परम्परा को देश की संस्कृति की पहचान कहा। सम्मान समिति के प्रो. जहूर खां मेहर ने कहा कि देश के लिए विभिन्न क्षेत्रों में जो महानुभाव अपने कर्त्तव्य की साधना और पुरुषार्थ में लगे हुए हैं उनकी पहचान कर उनके स्मरणीय योगदान का सम्मान अन्यों को भी प्रेरणा और शकुन देता है।

देश की जनता का ध्रुवीकरण कर भाजपा जनता को भय व चिंता में रहने को मजबूर कर रही है : सोनिया गांधी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतन शिविर' का आगाज शुक्रवार को कांग्रेस राष्ट्रीध्यक्ष सोनिया गांधी की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सोनिया गांधी ने कहा कि यहां जो हमारा चिंतन शिविर हो रहा है, उसका प्रसंग है 'नव संकल्प'। यह हम सबको एक अवसर देता है, जहां हम सब विचार-विमर्श करें उन तमाम चुनौतियों पर जो भाजपा की नीतियों और आरएसएस से जुड़ी संस्थाओं की गतिविधियों के चलते, आज देश के सामने है। हम विमर्श करें अपने आगे के रास्ते पर। यह एक तरह से न केवल राष्ट्रीय मुद्दों पर एक चिंतन है, बल्कि एक आत्म-चिंतन भी है।

कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतन शिविर' को राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सम्बोधित किया।

- **उदयपुर में कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतन शिविर' का राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की उपस्थिति में आगाज**

उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं, हमारे साथी यहां आना चाहते थे। इस चिंतन शिविर में भाग लेने चाहते थे लेकिन कई कारणों से हमें संख्या को सीमित रखना पड़ा। मुझे पूरा भरोसा है कि वे इस बात को समझेंगे । संगठन को मजबूत बनाने में उनका योगदान किसी से भी कम नहीं है।

सोनिया गांधी ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार देश में निरंतर ध्रुवीकरण कर लोगों को चिंता, भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर कर रही है। अल्पसंख्यक जो हमारे गणतंत्र के बराबर के नागरिक हैं, जो हमारे समाज के अटूट अंग है, उन्हें जान-बूझकर निशाना बनाना और उन पर क्रूरता से हमला करना, समाज में युगों से चली आ रही विविधता का दुरूपयोग करके उसे बांटना और समाज में बड़ी सावधानी से पालन-पोषण किए गये अनेकता में एकता के सिद्धांत को तबाह करना, अपने राजनीतिक विरोधियों को डराना-धमकाना , उनकी छवि को नुकसान पहुंचाना, उन्हें झूठे बहानों से जेल में डालना और उनके खिलाफ जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करना, तमाम लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ खिलवाड़ करना, इतिहास के नाम पर थोक में झूठ परोसना और हमारे महान नेताओं विशेष तौर पर जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना, उनके योगदान, उपलब्धियों और बलिदानों को एक सोची समझी रणनीति के तहत नीचा दिखाना या उनका खंडन करना, महात्मा गांधी के हत्यारों और उनके वैचारिक पथ प्रदर्शकों का महिमा मंडल करना, देश के संविधान के सिद्धांतों, आदर्शों और उसके चार स्तम्भ- न्याय, स्वतंत्रता, समानता व भाईचारे का खुलकर उल्लंघन करना आदि शामिल है।

सोनिया ने कहा कि हर संगठन की तरह हमें सुधारों की सख्त जरूरत है : रणनीति में बदलाव, ढांचागत सुधार और रोजाना काम करने के तरीके में परिवर्तन। एक तरह से यह सबसे बुनियादी मुद्दा है लेकिन मैं यह भी जोर देकर कहना चाहती हूं कि हमारा पुनरूत्थान सिर्फ एक विशाल सामूहिक प्रयासों से ही हो पाएगा और वो विशाल सामूहिक प्रयास न टाले जा सकते है न ही टाले जाएंगे।

सोनिया गांधी ने अपने संबोधन में सभी से आग्रह किया कि वे अपने विचारों को खुलकर रखें मगर, बाहर सिर्फ संगठन की मजबूती, दृढ निश्चय और एकता का संदेश ही जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल में मिली नाकामबियों से हम बेखबर नहीं है। न ही हम बेखबर है उस संघर्ष से या उस संघर्ष की कठिनाइयों से, जिसे हमें करना है और जीतना है। लोगों की हमसे जो उम्मीदें है, उनसे हम अनजान नहीं है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 14 मई, 2022

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, चित्रा नक्षत्र सांय 5:28 तक, सिद्धि योग दिन 12:58 तक, तैतिल करण दिन 3:23 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 6:12 पर तुला राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:28 से सूर्योदय तक है। रवियोग सांय 5:20 से आरम्भ होगा। आज ज्येष्ठा संक्रान्ति, सूर्य का वृष में प्रवेश रविवार प्रात: 5:30 से होगा। पूण्यकाल रविवार को है। आज श्री नृसिंह जयन्ती और व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:24 से 9:03 तक, चर 12:23 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 5:23 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:02

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिचितों चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग बढ़ेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नये-पुराने मित्रों से मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
धार्मिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। धन प्राप्त होगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों यात्रा टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 278 प्रभात जयपुर, शनिवार 14 मई, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Mind Your Language!

Back in the days when Aicha was new, she spoke no French and now, playing it for the first time in decades, she exclaimed, "The whole thing is in French!"

Internet Favourite Summer Dessert

BIODIVERSITY: Mass Extinction of Marine Life?

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट ने सोनिया गांधी का उदयपुर हवाई अड्डे पर स्वागत किया तथा उन्हें खादी के धागों से बनी तिरंगी माला भेंट की।

'पार्टी का कर्ज उतारने का समय आ गया है'

सोनिया गांधी ने सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में कही अपनी बात दोहराई, चिंतन शिविर के अध्यक्षीय भाषण में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। अशोक गहलोत जैसे नेताओं को निशाना बनाकर कटु प्रहार करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि पार्टी के लिए त्याग करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हम में से बहुतों को काफी कुछ दिया है और अब "पार्टी का कर्ज उतारने का" समय आ गया है।

उन्होंने कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) में ऐसा ही बयान दिया था और अब उदयपुर के चिन्तन शिविर में अपने उद्घाटन भाषण में उसे दोहराया है।

प्रश्न यह किया जा रहा है कि वे अशोक गहलोत को कब सीधे शब्दों में यह कहेंगी कि वे इस्तीफा दें और राज्य में एक नया नेतृत्व आने दें, जहां दिसम्बर 2023 में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

- चर्चा इस बात की है चिंतन शिविर में कि, नये नेतृत्व को सत्ता में लाने के लिये क्या वे सीधे अपनी बात कहेंगी गहलोत को।
- जैसा कि विदित है, दिसम्बर 2023 में प्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं और अगर राजस्थान में कांग्रेस को नेतृत्व परिवर्तन करना है तो, अभी ही करना होगा अन्यथा बहुत देर हो जायेगी।
- सोनिया गांधी के भाषण में पुराने वरिष्ट नेताओं के लिये एक संदेश यह भी था कि, राज्यसभा सीट के लिये दबाव न बनायें, क्योंकि, नये नेतृत्व को मौका देना है।
- 15 मई को शिविर के समापन दिवस पर राहुल गांधी वह "रोड-मैप" उजागर करेंगे, जिससे पार्टी 2024 के चुनाव में भाजपा का सामना करने के लिये "फिट और फाइन" हो सके।

यह पार्टी के सीनियर नेताओं पर भी एक तरह का दबाव है कि वे राज्यसभा सीट की मांग न रखें, क्योंकि पार्टी नया नेतृत्व तैयार करना चाहती है। यह संकेत दिया जा रहा है कि उन्हें संगठन के लिए काम करना चाहिए।

इसके साथ ही सोनिया गांधी ने यह भी दृढ़तापूर्वक कहा कि कांग्रेस के इतिहास में कुछ अहम निर्णय लेने, बदलाव करने व सुधार करने का वक्त आ गया है और इस प्रक्रिया को अब स्थगित नहीं किया जा सकता तथा इसे किसी भी कीमत पर स्थगित नहीं किया जाना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में सोनिया गांधी ने ऐसे ही बयान दिए हैं, लेकिन उन्होंने कई कमेटियों की रिपोर्ट्स में की गई प्रमुख सिफारिशों में से किसी को भी पिछले कुछ से लागू नहीं किया है। उन्हें एक यथा-स्थिति रखने वाली आई.एस.एफ. के रूप में जाना जाता है तथा उन्हें किसी भी तरह का बदलाव करना पसन्द नहीं है। लेकिन इस शिविर में किए गए बयानों पर वे अमल करती हैं या नहीं यह अटकलबाजी का एक अन्य विषय है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल दूसरे रूट से पहुंचे

गंगापुर सिटी, 13 मई (निस)। राहुल गांधी को मेवाड़ से गंगापुर सिटी होकर उदयपुर जाना था लेकिन वो दूसरे रूट से उदयपुर चले गए इसलिए गंगापुर सिटी रेल्वे स्टेशन पर राहुल गांधी तथा दूसरे वरिष्ठ नेताओं का स्वागत करने के लिए पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मायूस होकर वापिस लौटना पड़ा।

- पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें गंगापुर सिटी होते हुए उदयपुर जाना था।

राहुल गांधी मेवाड़ एक्सप्रेस ट्रेन से गंगापुर सिटी होते हुए उदयपुर जाने वाले थे। उनके साथ कई अन्य वरिष्ठ नेता भी थे। इन सबका स्वागत के लिए

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कमेटी की सिफारिशें मानीं, तो कांग्रेस में आमूलचूल परिवर्तन तय

एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट, लेकिन बचाव की गली यह कि, यदि दूसरा सदस्य भी सक्रिय है, तो लड़ सकता है चुनाव

उदयपुर, 13 मई (का.प्र.)। एक के बाद एक लगातार कई प्रदेशों में चुनावी हार के बाद लगता है कांग्रेस अंदर तक हिली हुई है। यही कारण है कि बहुत लंबे समय बाद कांग्रेस को अपने क्रियाकलाप और रणनीतिक गलतियों पर चिंतन करने की आवश्यकता महसूस हुई है। राजस्थान के मेवाड़ अंचल के उदयपुर में हो रहे पार्टी के नव संकल्प शिविर के पहले दिन राजस्थान के प्रभारी और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए बनी समिति के सदस्य अजय माकन की ओर से दो बातें रखी गई हैं और यदि पार्टी उन पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़ती है तो निश्चित तौर पर कांग्रेस में बहुत बड़े बदलाव नज़र आएंगे।

संगठन में सबसे बड़े बदलाव के तौर पर जिस चर्चा को आगे बढ़ाया गया है वह यह है कि पार्टी अब एक परिवार से केवल एक ही टिकट देगी। उदयपुर में चिंतन शिविर में संगठन में बदलाव और राजनीतिक मामलों पर बने पैनल ने यह सिफारिश की है।

माकन ने इस बारे में कहा कि हमारे पैनल में यह चर्चा हुई है कि एक परिवार से एक टिकट के फार्मूला को लागू किया जाए। साथ ही यह भी चर्चा हुई है कि जिसे भी टिकट दिया जाए, उसने कम से कम 5 साल पार्टी में काम किया हो, सीधे टिकट नहीं दिया जाए। यानी कि यह लागू होता है तो नए आने वालों नेताओं को टिकट नहीं मिलेगा।

- 5 साल तक एक ही पद पर रहने के बाद नहीं मिलेगा फिर मौका, 3 साल का कूलिंग पीरियड बिताकर फिर आ सकते हैं पद पर, सांसद-विधायकों पर यह नियम लागू नहीं होगा।
- ब्लॉक और बूथ लैवल के बीच अब तीन से पांच मंडल बनाने की सिफारिश, 50 प्रतिशत पद मिलेंगे 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों को।

अगर किसी नेता का बेटा या दूसरा नेता टिकट लेना चाहता है तो उसे कम से कम पांच साल संगठन में काम करना होगा। कांग्रेस में 5 साल लगातार पद पर नहीं रहने का नियम लागू होने पर आधे से ज्यादा नेता बाहर हो सकते हैं। नेताओं के बेटों को भी पांच साल पार्टी में काम करने के बाद ही टिकट मिलेगा। जब माकन से गांधी परिवार पर यह प्रावधान लागू होने के बारे में पूछा तो कहा कि यह सवाल गांधी परिवार का नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव संगठन चुनाव की प्रक्रिया से होगा और वैसे भी चिंतन शिविर से कांग्रेस अध्यक्ष के चयन का कोई संबंध नहीं है। दरअसल इस नियम में एक गली उन परिवारों के लिए छोड़ दी गई है जिन परिवारों का लंबे समय से कांग्रेस में दबदबा कायम है और जिन परिवारों के दो या तीन लोग लगातार पदों पर काबिज बने हुए हैं। इसी के साथ संगठन स्तर के ग्रुप में इस बात की चर्चा हुई है कि संगठन स्तर पर अब 50 प्रतिशत पद सिर्फ उन युवाओं को दिए जाएं, जिनकी उम्र 50 वर्ष से कम हो, क्योंकि युवा 35 वर्ष तक कांग्रेस में कार्य कर सकते है, लेकिन 35 से 50 वर्ष के जो लोग सक्रिय होते हैं, उन्हें अन्य जगह समायोजित किया जा सके।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली में आग, 26 मरे

नई दिल्ली, 13 मई। दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास शुक्रवार शाम एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़

- मुंडका मैट्रो स्टेशन के पास एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लगने से 26 की मौत हो गई और 12 गंभीर रूप से घायल हो गए।

सकती है क्योंकि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। इसे पहले पुलिस ने बताया था कि इमारत से 60-70 लोगों को निकाला गया है जबकि कुछ लोग अंदर फंसे हुए हैं। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

निजी आकांक्षाओं को पार्टी हित के अधीन रखना होगा!

सोनिया गांधी की मार्मिक अपील उन नेताओं के लिए, जो पद के बिना ऐसे तड़पते हैं जैसे बिना पानी के मछली

उदयपुर, 13 मई (का.प्र.)। उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर जिसे नव संकल्प शिविर का नाम दिया गया है, में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी को एक मंच पर एक साथ दिखाने का प्रयास किया है। नतीजा यह रहा कि जो नेता जी-23 के नाम से जाने जाते रहे हैं, को पहली पंक्ति में और वह भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित प्रियंका गांधी के साथ स्थान दिया गया था। इन नेताओं पर कांग्रेस के युवा एवं वर्तमान में राहुल गांधी के नजदीकी नेताओं की तीखी नजर है। मतलब साफ है कि ऐसा करके पार्टी एकता का संदेश देना चाहती है।

दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया

(शेष पृष्ठ 5 पर)

यू.ए.ई. के राष्ट्रपति का निधन

अबु धाबी, 13 मई। संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) के राष्ट्रपति एवं अबू धाबी के शासक शेख खलीफा बिन जायद अल नाह्यान का शुक्रवार को 73 साल की आयु में निधन हो गया। वही पिछले कुछ समय से बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था। राष्ट्रपति से जुड़े मामलों के मंत्रालय ने शेख खलीफा के निधन की पुष्टि की है। शेख खलीफा दुनिया के सबसे अमीर शासकों में शामिल थे और उनकी संपत्ति लाखों करोड़ रुपये बताई जाती है।

- राष्ट्रपति शेख खलीफा की गिनती दुनिया के सबसे अमीर हस्तियों में होती है, वे 73 वर्ष के थे।

शेख खलीफा 3 नवंबर 2004 से संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नीट पी.जी. परीक्षा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी-2022-23 परीक्षा को स्थगित करने के लिए दायर एक याचिका को निरस्त करते हुए शुक्रवार को व्यवस्था दी कि रोगी की सार-संभाल और उपचार सर्वोपरि है। नीट

- नीट पी.जी. परीक्षा निर्धारित तिथि 21 मई को ही होगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा सरकाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जिस होटल में चिंतन शिविर, वही नदी के बहाव क्षेत्र में अवैध रूप से बना: किरोड़ी

होटल मालिक से गहलोत परिवार के आर्थिक संबंध, कानूनों को ताक में रखकर हुआ निर्माण

जयपुर, 13 मई (का.सं.)। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता कर एक बार फिर सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। किरोड़ी ने आरोप लगाया है कि गहलोत परिवार से होटल मालिक के आर्थिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और कांग्रेस अगर गरीब आदिवासियों की सच्ची सेवक है तो इस होटल में चिंतन शिविर का कार्यक्रम तुरन्त बन्द कर अन्यत्र करें। यह अवैध होटल आदिवासियों की जमीन हड़प कर बनाई है।

उन्होंने पत्रकार वार्ता में बताया कि मुम्बई की एक कम्पनी ईशान क्लब एण्ड होटल ने उदयपुर में अरावली ताज नाम की विशाल होटल का निर्माण किया है। इसके मालिक राजीव आनन्द हैं। आनन्द वर्ष 2012 से होटल बनाने की कोशिश कर रहे थे, किन्तु जमीन पर आने-जाने का रास्ता नहीं था। इसलिए प्रोजैक्ट अटका हुआ था। वर्ष 2014 से 2017 तक होटल निर्माण की फाइल लगाई गई, किन्तु रास्ता नहीं होने के कारण यूआईटी उदयपुर ने होटल बनाने से इन्कार कर दिया।

- 2017 में जिस होटल को अनुमति नहीं मिली, कांग्रेस सरकार बनते ही अवैध निर्माण को मंजूरी।

इसके बाद वर्ष 2015 में संभागीय आयुक्त कोर्ट ने पुराने सावित नक्शे के आधार पर इस होटल के लिए 900 हैक्टेयर पगडंडीनुमा रास्ते की अनुमति दी थी। यह कानून संगत नहीं था, क्योंकि यह रास्ता अमरजोक नदी का है, जो सिसारमा नदी में मिलती है। इसका पानी पिछोला झील में जाता है। इस प्रकार संभागीय आयुक्त कार्यालय उदयपुर ने होटल व्यवसाई को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से नदी में रास्ता देकर नियम विरूद्ध आदेश पारित किया था।

इस रास्ते को लेकर गिर्वा तहसीलदार ने वर्ष 2015 में एक रिपोर्ट दी थी जिसमें कहा गया था कि यह रास्ता पगडंडीनुमा है। नदी में पानी नहीं बहने की स्थिति में गांव वाले आने जाने के लिए इसका उपयोग करते हैं। वर्ष 2017 में यूआईटी उदयपुर के सचिव रामनिवास मेहता ने भी इस होटल के भूमि रूपांतरण के लिए मना कर दिया था। बीच में नदी, वन विभाग और सरकारी भूमि होने व होटल को रास्ता नहीं मिलने के कारण निर्माण की यूआईटी की ओर से स्वीकृति दिया जाना संभव ही नहीं था।

उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से अब्दुल रहमान बनाम राज्य के प्रकरण में दिए गए निर्णय में कहा गया था कि जिस भू-भाग पर पानी बहता है, उस पर से पानी के बहाव को अवरूद्ध नहीं करना है। राजस्थान नगरीय क्षेत्र (यदि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए) आयोग के, अनुशंसा और आवंटन नियम 2012 नियम... के उपनियम-12 "भूमि जल निकायों, या डीलों, जलाशयों जलमग्नता के अधीन आने वाली भूमि को सम्मिलित करते हुए बांध और तालाब या नदी या नाले या झील इत्यादि के बहाब क्षेत्र की भूमि के कृषि भूमि से गैर कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग की अनुज्ञ एवं भूमि आवंटन का निर्बन्धन है।

वर्ष 2018 में सरकार बदलने के साथ ही वर्ष 2019 में ईशान क्लब के होटल मालिक ने पुनः एक साधारण एप्लीकेशन लगाते हुए संभागीय आयुक्त कोर्ट के वर्ष 2015 के आदेश का हवाला देते हुए भूमि रूपांतरण के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कांग्रेस के चिंतन शिविर का मतलब गांधी परिवार से शुरू, गांधी परिवार पर ही खत्म : डॉ. पूनिया

'सोनिया गांधी को गहलोत सरकार के कुशासन की हकीकत राजस्थान के लोगों से जाननी चाहिये'

जयपुर। कांग्रेस चिंतन शिविर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिये बयानों पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने पलटवार कर कहा कि कांग्रेस के चिंतन शिविर में वही रटी-रटाई बातें जिनसे गांधी परिवार खुश होता है, और परिवारवाद इस कदर हावी है कि पूरी कांग्रेस गांधी परिवार के सामने नतमस्तक है, इससे आगे कांग्रेस की कोई सोच नहीं है, ना कोई विजन है, सिर्फ परिवारवाद की राजनीति के इर्द-गिर्द ही कांग्रेस सिमट गई है।

परिवारवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार इत्यादि के कारण ही कांग्रेस पूरे देश से सिमट चुकी है, केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बची है, इन दो राज्यों से भी आने वाले चुनावों में कांग्रेस मुक्त हो जायेगी। कांग्रेस के चिंतन शिवर में सोनिया गांधी कह रही है कि

- **'शिविर में सोनिया गांधी राजस्थान के किसानों की कर्जमाफी का वादा पूरा करने का अशोक गहलोत से ऐलान करवाएं'**

अल्पसंख्यकों तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है, क्या सोनिया गांधी को यह पता नहीं है कि कांग्रेस सरकार के शासन में करौली, जोधपुर, भीलवाड़ा, भरतपुर और नोहर में हिंसा भड़की, कोटा में पीएफआई की रैली को इजाजत किसने दी, क्या सोनिया गांधी को प्रदेश में बहुसंख्यकों पर अत्याचार नहीं दिखते?

इन क्षेत्रों में हिंसा पीड़ितों से मिलने आज तक अशोक गहलोत नहीं गये, हिंसा करने वाले लोगों पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, सरकार सिर्फ लीपापोती कर रही है, एक पक्ष के दोष को छुपाने के लिये दूसरे पक्ष के लोगों को फंसाया जा रहा है, ऐसा कांग्रेस तुष्टिकरण कर वोट बैंक के लिये कर रही है। आजादी से लेकर 50-55 वर्षों तक अल्पसंख्यकों को कांग्रेस ने सिर्फ वोट बैंक तक ही सीमित रखा, इनके विकास व संबल के लिये अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पिछले 8 वर्षों से मोदी सरकार में कार्य हो रहे हैं। सोनिया गांधी को कांग्रेस के चिंतन शिविर से कोई संदेश देना है तो अशोक गहलोत को कहें कि किसान कर्जमाफी का वादा पूरा करें।

अशोक गहलोत को याद रखना चाहिये कि योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिये केन्द्र की मोदी सरकार जमीन पर कार्य कर रही है, वहीं आपने तो किसानों व युवाओं से वादाखिलाफी की है, तो आपके पास जनता को बताने के लिये कुछ है ही नहीं, और जनता 2023 में प्रदेश से कांग्रेस को हमेशा के लिये विदा करने को अभी से तैयार बैठी है।

गांधी परिवार के खत्म होते अस्तित्व की चिंता तक सीमित रहा : चतुर्वेदी

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कांग्रेस पार्टी के आयोजित चिंतन शिविर के बारे में कहा कि देश के महत्वपूर्ण विषयों के चिंतन की बजाय गांधी परिवार की चिंता प्रमुखता से शिविर में हावी रही। शिविर जिन अपेक्षाओं को लेकर शुरू किया गया जिसमे देश व प्रदेश की जनता को निराशा हाथ लगी, अपेक्षाओं के उलट शिविर में राजस्थान में जिस प्रकार से योजनाबद्ध तरीके से बहुसंख्यक वर्ग के अधिकारों का हनन, विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों पर हिंसा और करौली, जोधपुर, छाबड़ा व भीलवाड़ा जैसी घटनाओं पर मुख्यमंत्री का स्वंय आगे आकर यह बयान देना कि प्रदेश में कही दंगा नहीं हुआ। प्रदेश के युवा, महिला, किसान, बेरोजगार की अपेक्षा पर कुठाराघात हुआ साथ ही प्रदेश की बहन-बेटियों से दुष्कर्म पर कांग्रेस के आला नेताओं के द्वारा जिक्र नही करना कांग्रेस की जनता के प्रति चिंता दर्शाता है। चतुर्वेदी ने बताया कि एक बार फिर कांग्रेस के नेताओं में गांधी व नोन गांधी का भेद स्पष्ट नजर आया।

2008 में हुए जयपुर बम ब्लास्ट में मरे लोगों के लिये लोगों ने चांदपोल हनुमान मंदिर में 1100 दीपकों से आरती उतारी।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी कमी आई

राज्य में शुक्रवार को 70 नए संक्रमित मिले, इससे पहले 80 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमण के मामलों में थोड़ी कमी आई है। इसके चलते राज्य में 70 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच 92 मरीजों के ठीक होने के साथ एक्टिव केस घटकर 616 रह गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को 12 जिलों में 70 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 80 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में थोड़ी वृद्धि के बाद 49 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 10, धौलपुर में 6, जोधपुर और चूरू में 3-3, अजमेर और उदयपुर में 2-2 तथा बीकानेर, दौसा, गंगानगर, झालावाड़ और कोटा में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 21 जिलों बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, नागौर, पाली,

- **राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 49 नए मरीज पाए गए हैं।**
- **प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 92 संक्रमितों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 616 रह गए है।**

प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में शुक्रवार को रिकवरी में सुधार हुआ है। इस दौरान 92 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 616 रह गए हैं। हालांकि अभी सर्वाधिक 390 मामले राजधानी जयपुर में है। इसके अलावा धौलपुर में 100 मरीजों का इलाज चल रहा है।

उधर प्रदेश में शुक्रवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से राज्य में 9554 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

जगतपुरा में 5 नए संक्रमित मिले

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को 24 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5 नए मरीज जगतपुरा में पाए गए हैं। इसके अलावा जवाहर नगर में 4, गोपालपुरा, मानसरोवर, सोड़ाला और वैशाली नगर में 3-3 तथा बापू नगर, बरकत नगर, जौहरी बाजार, झोटवाड़ा, खातीपुरा, मालवीय नगर, मुरलीपुरा, पुरानी बस्ती, सांगानेर व शास्त्री नगर में 2-2 और अजमेर रोड, बगरू, सी-स्कीम, दुर्गापुरा, घाटगेट, एमडी रोड, टोंक रोड और विराट नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जयपुर में 74 मरीज ठीक हुए हैं।

पहले दिन 65 फीसदी अभ्यर्थियों ने दी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा

निर्धारित साढ़े पांच लाख में से साढ़े तीन लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी

जयपुर,(कासं)। प्रदेश में 4588 पदों के लिए 470 परीक्षा केंद्र पर शुक्रवार से शुरू हुए कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के पहले दिन 65 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस बीच नकल रोकने के लिए सेंटर पर जैमर लगाए।

एडीजी विनीता ठाकुर ने बताया कि पहले दिन निर्धारित साढ़े पांच लाख में

- **परीक्षा सेंटर पर नकल रोकने के लिए जैमर लगाए गए**

से साढ़े तीन लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वहीं दूसरी ओर राजधानी जयपुर सहित अन्य शहरों में अभ्यर्थियों की भारी भीड़ के कारण आज बसों में सफर करने वाले आम आदमी को परेशानी हुई। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए राज्य सरकार ने रोडवेज बसों को नि:शुल्क किया गया हैं। लाखों अभ्यर्थियों के होने के कारण बस स्टेण्डों पर इनकी भीड़ ज्यादा हो रही हैं। इसके चलते आम यात्रियों को चार दिन थोड़ी परेशानी का सामना करना होगा।

नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए है। वहीं परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा पुलिस के साथ एसओजी और एटीएस की टीमे भी निगरानी रख रही है।

उधर परीक्षा की पहली पारी सुबह नौ बजे शुरू हुई और दूसरी पारी अपराह्न तीन बजे शुरू हुई। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से तीस मिनट पहले तक केंद्र में प्रवेश दिया गया। हालाकि इस बीच परीक्षा में नकल रोकने के लिए युवतियों की ज्वैलरी उतरवाने के साथ पूरी आस्तीन के कपड़ों कैंची से काटकर आधी बाजू का किया गया। कई सेंटरों पर अभ्यर्थियों को चप्पल तक पहन कर नहीं घुसने दिया। ऐसे में तपती सड़क पर नंगे पैर अभ्यर्थी दौड़ते नजर आए।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों के लिये रोडवेज में नि:शुल्क आवागमन के कारण बसें ऊपर तक भरी हुई चली। इस कारण आम यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

'हर्षोल्लास से मनाएं बुद्ध जयंती'

जयपुर, (का.सं.)। भगवान बुद्ध शिक्षा एवं समाज उन्नतीय संस्था की ओर से इस बार 16 मई को बैशाखी पूर्णिमा पर बुद्ध जयंती नये भवन के बजाय मालवीय नगर पर परम्परागत स्थल पर ही मनाई जायेगी। संस्था प्रधान राधेश्याम कोली ने बताया कि इसके बाद विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जायगा। इस कार्यक्रम को हर्षोल्लास से मनाएं। तथागत बुद्ध विचारों को अंगीकार कर परिवार को उन्नत,प्रगतिशील, संस्कारित, विज्ञानी बनाकर सुखहाल बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि विश्व आराध्य बुद्ध के दर्शन एवं उपदेशों से नेक कार्य और ज्यादा प्रभावी होने से सबका मंगल समाहित है। यू.एन.ओ. सहित कई राष्ट्र एवं देश बुद्ध के विचार से मानवीयता, संस्कार एवं आदर्श स्थापित किये हुए हैं। मानव को जीवन के कार्यो में बेमानी नहीं अपितु सकारात्मक एवं रचनात्मक परिणाम चाहिए। मुख्यमंत्री से अपील है कि चिन्तन शिविर के समापन से पूर्व 'बुद्ध जयन्ति' का राजकीय अवकाश घोषित करना ही एक विकल्प है। इससे आमजन में भारी उत्साहवर्धन होगा। वे नयेजोश, उमंग से भर जायेंगे, संकीर्णता समाप्त होगी तो निश्चय ही लोग अपने परिवार एवं समाज के साथ सरकारी सेवाओं में भी नवाचार, सृजन, उन्नत एवं प्रगतिशील होंगे।

प्रो. नीलिमा सिंह को आरटीयू कुलपति का अतिरिक्त प्रभार

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने एक आदेश जारी कर राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा (आरटीयू) के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार अग्रिम आदेशों तक कोटा विश्वविद्यलालय, कोटा की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह को प्रदान किया है।

आदर्श आचार संहिता के लिए दिशा निर्देश जारी

जयपुर, (का.सं.)। राज्य में आगामी नगरीय निकायों के उप चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के 10 जिलों की 14 नगरीय निकायों में 17 सदस्यों के 29 मई को होने वाले उप चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के दिशा निर्देश जारी किये है।

आयोग की विशिष्ठ शासन सचिव शैली किशनानी ने इस संबंध में जारी आदेश में बताया कि उप चुनाव से संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव समाप्ति तक मंत्रीगण शासकीय दौरे पर नहीं जाएंगे। केवल कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ जाने पर या किसी आपात स्थिति के कारण जहां संबंधित विभाग के मंत्री की उपस्थिति आवश्यक है, वहां उक्त प्रतिबंध लागू नहीं होगा, लेकिन इसकी सूचना विभाग के शासन सचिव द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजनी होगी। आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार मंत्रीगण उप चुनाव से संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में दौरे पर रहे तो वे किसी सरकारी वाहन का प्रयोग नहीं करेंगे और यदि निजी वाहन का प्रयोग करते है तो उस पर लालबत्ती या सायरन का प्रयोग नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मंत्रीगण उप चुनाव से संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में दौरे पर रहे तो चुनाव से संबंधित अधिकारियों को नहीं बुलाया जाएगा।

बिना लाइसेंस कैसे चल रहे हैं डॉग ब्रीडिंग सेंटर्स : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय और राज्य के प्रमुख पशुपालन सचिव, डीएलबी, नगर निगम, औषधि नियंत्रक और विधि आयोग सहित अन्य को नोटिस जारी कर पूछा है कि प्रदेश में बिना लाइसेंस डॉग ब्रीडिंग सेंटर्स कैसे चल रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने यह भी पूछा है कि कुत्तों की दो नस्ल के बीच क्रॉस ब्रीडिंग करवाकर नई नस्ल तैयार करने को रोका क्यों नहीं जा रहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश ह्यूमन सेटलमेंट टेक्नोलॉजी सेंटर की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता नीरजा खन्ना ने अदालत को बताया कि शहर में करीब अस्सी हजार आवारा कुत्ते घूम रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 में कुत्ते के काटने की आठ हजार से अधिक घटनाएं हुई हैं। यानी रोजना करीब बीस लोगों को कुत्तों ने काटा था। जबकि दूसरी ओर नगर निगम में सिर्फ 518 कुत्तों का की पंजीकरण है। हाल ही में एक बच्चे को पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने गंभीर रूप से घायल कर दिया था। याचिका में कहा गया कि देश में दस तरह की नस्ल के कुत्तों को पालने पर पाबंदी लगी हुई है। इस नस्ल के कुत्ते बेहद खूंखार माने जाते हैं। इसके अलावा कई ब्रीडिंग सेंटर बिना लाइसेंस के चल रहे हैं और यहां खतरनाक कुत्तों की अलग-अलग नस्ल को आपस में क्रॉस ब्रिडिंग करवाकर नई नस्ल पैदा की जा रही है। यह नस्ल इंसान के लिए बेहद खतरनाक साबित होती है। याचिका में यह भी कहा गया कि डॉग ब्रीडिंग एंड मार्केटिंग रूल्स, 2017 के तहत ब्रिडर्स के पास उसका लाइसेंस होना जरूरी है। वहीं आयात नीति, 2016 के तहत व्यावसायिक ब्रिडिंग के लिए कुत्तों के आयात करने पर भी रोक है।

राष्ट्रीय लोक अदालत आज

जयपुर, (का.सं.)। इस वर्ष की राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मई शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर एवं जयपुर पीठ सहित प्रदेश के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों, उपभोक्ता मंचों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकरणों में किया है। राजस्थान उच्च न्यायालय, मुख्य पीठ, जोधपुर में न्यायाधिपति एम.एम. श्रीवास्तव, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय, (मुख्य संरक्षक) एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 14 मई को प्रात: 10 बजे राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया जावेगा। लोक अदालत में करीब 7.45 लाख मामलों में समझाइश होगी।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर उप सचिव-प्रथम ने बताया की राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ, में न्यायाधिपति अशोक कुमार गौड़, न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय की अध्यक्षता में पदासीन न्यायाधिपति एवं सेवानिवृत्त न्यायाधिपति, राजकीय महाधिवक्ता एवं अतिरिक्त महाधिवक्तागण, राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशान के अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं रालसा के पदाधिकारी, पक्षकारगण एवं कर्मचारीगण की मौजूदगी में 14 मई को प्रात: 10 बजे राजस्थान उच्च न्यायालय (न्यू बिल्डिंग) के परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा।

इस बार पायलट प्रोजेक्ट के रूप में टोंक जिले में मोटर वाहन दुर्घटना दावा मामलों के लिए विशेष अभियान चलाया गया है, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, टोंक के परिसर में बीमा कम्पनी के स्थानीय स्तर के अधिकारियों को बुलाकर प्री-काउंसलिंग सेशन करवाए गए।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हम मेरी पूजनीया माताजी **श्रीमती गुलाब देवी** धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलालजी सैनी का स्वर्गवास दिनांक 12.05.2022 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक 14.05.2022 को सायं 5.00 से 6.00 बजे तक शिव पार्क, कपडा मार्केट के पास, सीकर हाउस, जयपुर पर रखी गई है।

शोकाकुल- मनोज (पुत्र), हनुमान सहाय (देवर) मो.7737803374, 9928528159

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि **रेखा कुमावत** धर्मपत्नी धर्मेन्द्र कुमावत का आकस्मिक निधन 12.05.2022 को हो गया। जिनकी तीये की बैठक 14.05.2022 को निवास भिंडावाली ढाणी, ग्राम आलीसर, वाया कालाडेरा, तहसील चौमूं जिला जयपुर पर सायं 5.00 से 6.00 बजे तक होगी।

शोकाकुल- गोपाललाल, सीताराम, कैलाश, छीतरमल, रामकिशोर (ससुर), अभिराज, मोहित (पुत्र) एवं समस्त साल्डिवाल परिवार

मो. 9828083379, 9928653618, 9660434430

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य पूरणमल पहाडीया पुत्र स्व. जमन लाल पहाडीया, निवासी-382, पर्वतपुरी, छिपीवाडा, जयपुर के नाम से ग्राम देवरी, पटवार हलका माग्यावास, तहसील सांगानेर जिला जयपुर स्थित कृषि भूमि आराजी खसरा नम्बर 3 1 3 रकबा 1.50 हैक्टेयर कुल किता 1 कुल रकबा 1.50 हैक्टेयर सम्पूर्ण राजस्व रिकार्ड के अनुसार उक्त भूमि की खातेदारी एवं जमाबन्दी मेरे अभिभाष्य के नाम से होने वह काबिज है साथ ही उक्त भूमि का एक मात्र स्वामी होने से उसे समस्त विधिक अधिकार प्राप्त है। उक्त भूमि पर मेरे अभिभाष्य के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति अथवा संस्था का कोई लेना देना नही है ना ही उक्त भूमि के बावत् मेरे अभिभाष्य द्वारा किसी को मुख्त्यार नियुक्त किया है। उक्त भूमि के स्वामित्व व कब्जा सम्बन्धी किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में सम्पर्क कर अपनी आपत्ति व्यक्त करे। अन्यथा गुजरने मियाद उक्त भूमि के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई उज्र आपत्ति करने का अधिकार नही होगा और ना ही किसी प्रकार का वाद विवाद मान्य होगा। सूचित रहे।

भवदीय (मनोज कुमार शर्मा) एडवोकेट, मो. 9314673259

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य श्री कैलाश चन्द शर्मा पुत्र स्व. श्री शंकर लाल, जाति-जांगिड, निवासी-ग्राम भोपुर तहसील टोडाभीम, जिला करौली/हाल निवासी-बजरंग विहार कॉलोनी, हिण्डोन रोड, महुआ, तहसील महुआ, जिला दौसा (राज.) के हैं। मेरे अभिभाष्य का पुत्र उमेश चन्द शर्मा मेरे अभिभाष्य के कहे में नहीं है, वह समाज में मेरे अभिभाष्य का अपमान करता है एवं अपनी मनमर्जी चलाता है, इसलिये मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र उमेश चन्द शर्मा को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा आज के बाद कोई भी मेरे अभिभाष्य के पुत्र उमेश चन्द शर्मा के साथ किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है या मुकदमा आदि करता है तो उसकी जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी, मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी या लेना देना नहीं होगा।

दिनांक-13.05.2022 (अशोक कुमार अवस्थी) एडवोकेट, मो.9314390628

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल आजाद अंसारी पुत्र श्री इनायत अंसारी निवासी हाल निवासी मकान नम्बर 286, बरकत नगर, नाई की थड़ी, जयपुर का पुत्र अयाज़ अंसारी आयु 26 वर्ष मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के कहने में नहीं है इसलिये मेरे मुवक्किल ने उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरे मुवक्किल व उसके परिवार का उससे कोई लेना देना नहीं है। जो कोई भी अयाज अंसारी से संव्यवहार करेगा अथवा किसी भी तरह का लेन-देन करेगा उसकी समस्त जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। अयाज अंसारी के किसी भी कृत्य के लिये मेरा मुवक्किल व उसका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

मोहम्मद हारून, एडवोकेट, मो. 9829184976

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री कुलदीप शर्मा पुत्र श्री पवन शर्मा निवासी 189, गुरूजम्भेश्वर नगर ए, वैशाली नगर, जयपुर,ने श्री अंकित पटेल पुत्र श्री नरोतम पटेल, श्रीमती मनीषा पटेल पत्नी श्री अंकित पटेल 22, पटेल कालोनी सरदार पटेल मार्ग सी- स्कीम जयपुर से मम्भोरिया तहसील सांगानेर जिला जयपुर में स्थित भूमि खसरा नम्बर 243 रकबा 3.80 हैक्टेयर, 242/1349 रकबा 0.03 हैक्टेयर 242/ 1350 रकबा 0.09 हैक्टेयर कुल रकबा 3.92 है हैक्टेयर है के बेचान का इकरारनामा निष्पादित किया है इस भूमि के बेचान के बाबत किसी अन्य व्यक्ति को आपति हो तो तुरंत प्रभाव से मेरे या मेरे अभिभाष्य से 9829113512 पर सम्पर्क कर अपनी आपति दर्ज करवा देवें अन्यथा बाद विक्रय पत्र की रजिस्ट्री के किसी प्रकार की कोई आपति मान्य नहीं होगी।

भवदीय अरूण कुमार कुमावत (एडवोकेट) मोबाइल 9571972352

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल शंकरलाल सिंह पुत्र श्री बृजलाल सिंह उम्र 63 वर्ष जाति राजपूत निवासी मकान नंबर 147, माली कॉलोनी, इमली वाले बाबा की दरगाह के पास, चांदपोल बाहर, जयपुर के पुत्र विक्रम सिंह, रवि सिंह, प्रकाश सिंह उर्फ पिन्टू एवं पुत्रवधुऐं बीनू कंवर, मीनाक्षी कंवर, भारती कंवर मेरे मुवक्किल से आये दिन लडाई-झगडा, गाली-गलोच करते है, दुर्व्यवहार करते है, उन्होंने मेरे मुवक्किल का जीना दूश्वार कर रखा है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने तीनों पुत्रों व पुत्रवधुओं को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, आज से मेरे तीनों पुत्रों व पुत्रवधुओं का मेरे मुवक्किल व उसकी चल-अचल संपत्ति से कोई संबंध व हक अधिकार नहीं रहा है तथा उनके द्वारा किये जाने वाले संव्यवहार, लेन-देन व कार्यों के बारे में मेरे मुवक्किलान की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। अतः सूचित रहे।

(अब्दुल कयाम) एडवोकेट, मो. 9887325810

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार विविद (मुत्तफरिक) वाद सं. ड. 9/20
विषय: उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी-नाम महेश कुमार शर्मा
पुत्र प्रा. गजेन्द्र कुमार शर्मा दत्तक कुसुम शर्मा
जाति ब्राह्मण
विवाद स्थान: प्लाट नं.-सी-382, कुसुम विहार जगतपुरा/ A-13 छत्रसाल नगर मालवीय नगर जयपुर
मृतक:- कुसुम शर्मा D/o हरिप्रसाद शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक: 16/5/22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/ प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम कुसुम शर्मा पुत्री श्री हरिप्रसाद शर्मा जाति ब्राह्मण, निवासी कुसुम विहार जगतपुरा का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।

अत: उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 16 माह 5 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 22 माह 3 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

आज्ञा से
मोहर अदालत
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्र. सं. 10 जयपुर महानगर (प्रथम) (मुख्यालय) सांगानेर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 139/22
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
नाम प्रार्थी (1) श्रीमती ज्योति खण्डेलवाल पत्नि स्व. श्री चन्द्र प्रकाश जाति महाजन (2) हिमांशी खण्डेलवाल पुत्री श्री चन्द्र प्रकाश खण्डेलवाल (नाबालिग) विवाद स्थान प्लाट नं. बी-218, नेहरू नगर, पुलिस थाना, शास्त्री नगर, जयपुर। मृतक चन्द्र प्रकाश खण्डेलवाल सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 02.07.22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम चन्द्र प्रकाश खण्डेलवाल पुत्र स्व. श्री जीवनराम जाति महाजन निवासी बी-218, नेहरू नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 02 माह 07 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 11 माह 05 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
मोहर अदालत
जिला एवं सैशन न्यायालय जयपुर महानगर-द्वितीय

खोया पाया

मेरे फ्लैट संख्या 503 नमन रेजिडेन्सी धौलाई, सांगानेर, जयपुर की मूल रजिस्ट्री कही गुम हो गयी है। कृपया मिलने पर सूचित करें। अर्चित जैन- 9167457695

मेरे 2/449, जवाहर नगर, जयपुर का अदेय प्रमाण पत्र जो कि ठाकुरदास पुत्र श्री भोजराज के नाम है जवाहर नगर मामा के होटल के आसपास में 22.03.2022 को कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। प्रेम कुमार विश्नोई-9351335982

महाराणा प्रताप नगर गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना विश्वविद्यालय नगर के भू संख्या पुराना 144 व नया 73 के ओरिजनल साईट प्लान कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें-श्रीमती फूल चंद- मोबाइल-9414989132

मेरे प्लाट नंबर बी-86, की योजना वैशाली नगर का ओरिजनल अलॉटमेंट लेटर, कब्जा पत्र, साईट प्लान खो गया है सूचित करें। बजरंग सिंह मोबाइल-7231077405

नाम परिवर्तन

मैंने मेरे पुत्र का नाम हर्षित तोंदवाल से बदलकर ध्रुव तोंदवाल पुत्र कपूरचन्द सैनी रख लिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को ध्रुव तोंदवाल के नाम से जाना जावें। पता-बाण्याका की ढाणी जयसिंहपुरा खोर जयपुर

मैंने अपना नाम विजय कुमार से बदलकर विजय कुमार गोधवानी रख लिया है। भविष्य में मुझे विजय कुमार गोधवानी के नाम से ही जाना जाए। 2-ई/217, चित्रकूट स्कीम, वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान-302021

I Rajendra Kumar Singha in my Army Documents My Wife Name/ Date of Birth wrongly mentioned as Meera and Date of Birth wrongly mentioned as Meera and Date of Birth 25.03.1986. His Correct Name is Meera Singha and Date of Birth 01.05.1989. Address: Rajendra Kumar Singha S/o Late Jagat Singha, Vill-Ghaniwali Mukam Road, Post-Malugram Shivbari Dist-Cachar (Silchar), State-Assam-788001

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
प्राधिकृत अधिकारी - माजिद खान संपर्क नम्बर - 9828057866-9874702021

IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना/एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से ऋणग्रहिता (ओं) व जमानती (यों) को नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित अचल सम्पत्तियाँ सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा आईडीएफसी बैंक लि. अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 31.05.2022 को "जहाँ है जैसी है" "जो कुछ है यह हैं" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट होम फायनेंस लिमिटेड) को 24.04.2021 को बकाया रुपये 23,94,041.10 की मै. टौंक टाइल्स कलक्शन्स एवं श्रीमती निशा कटियार, पंकज कटियार (ऋण ग्रहिता-सह-ऋणग्रहिता (ओं)) से वसूली के लिये की जायेगी।

ऑक्शन स्टेट्स

आरक्षित मूल्य	रुपये 13,04,295/-
बयाना राशि जो जमा होगी	रुपये 1,30,429/-
बोली प्रस्तुत करने / बयाना राशि जमा कराने की तिथि	30.05.2022 को सायं 5.00 तक
सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	24.05.2022 प्रातः 11.00 से दोपहर 3.00 तक
नीलामी की तिथि	31.05.2022 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक
सम्पत्ति का विवरण	सम्पत्ति फ्लैट नं. ई-एस-5, प्लाट नं. बी-53-सी, न्याय वाटिका बीलवा, तहसील सांगानेर, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-कोरीडोर, पश्चिम-आसमान को खुला, उत्तर-अन्य फ्लैट, दक्षिण-अन्य फ्लैट

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेबसाइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक को देखें अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

स्थान - जयपुर
दिनांक- 12.05.2022

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)

संक्षिप्त

पहाडिया मामले में केस डायरी तलब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर के पूर्व कलेक्टर और निलंबित आईएएस नन्नूमल पहाडिया के रिश्वत लेने के मामले में एसीबी से 27 मई को केस डायरी पेश करने को कहा है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश नन्नूमल पहाडिया की जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिकाकर्ता की ओर से याचिका में कहा गया कि प्रकरण में उसने न तो रिश्वत राशि की डिमांड की है और ना ही उसे रिश्वत राशि के साथ पकडा गया था। इसके अलावा उसका पूर्व में ही कलेक्टर पद से तबादला भी हो चुका था। प्रकरण में वह लंबे समय से जेल में बंद है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इस पर सरकारी वकील ने कहा कि प्रकरण में केस डायरी मंगाकर एसीबी के अनुसंधान के बारे में जानकारी लेनी चाहिए। इस पर अदालत ने एसीबी को 27 मई को केस डायरी पेश करने को कहा है।

दूसरी एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिश्वत मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे बायोफ्यूल अथॉरिटी के निलंबित सीईओ सुरेन्द्र सिंह को एसीबी की ओर से दर्ज दूसरी एफआईआर में गिरफ्तार करने पर 18 मई तक अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में एसीबी से जवाब तलब किया है। जस्टिस बीरेन्द्र कुमार ने यह आदेश सुरेन्द्र सिंह की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता वीआर बाजवा ने अदालत को बताया कि एसीबी ने परिवादी का लाइसेंस रिन्यू करने और बिना रुकावट व्यापार करने देने की एवज में दलाल के जरिए पांच लाख रुपए लेने के मामले में याचिकाकर्ता को गत सात अप्रेल को गिरफ्तार किया था। वहीं अनुसंधान के दौरान एसीबी ने याचिकाकर्ता के आवास से तीन करोड़ 62 लाख रुपए सहित अन्य दस्तावेज जब्त किए थे।

सात अस्थाई पद मंजूर

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग में 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक के लिए 7 विभिन्न अस्थाई पदों की स्वीकृति प्रदान की है। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, ओ. पी. बुनकर ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से प्रतिनियुक्ति पर सचिव, निजी सचिव, अतिरिक्त निजी सचिव, वरिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के एक- एक पद तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से प्रतिनियुक्ति पर सूचना सहायक के एक पद सहित कुल 7 पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि ये पद एक्स कैडर में सम्मिलित नहीं होंगे।

राजस्थान विधानसभा देखी

जयपुर, (का.सं.)। झारखंड विधानसभा की जीरो आवर कमेटी ने राजस्थान विधानसभा के सदन एवं गैलरीयो का अवलोकन किया। विधानसभा सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने कमेटी के सदस्यों को राजस्थान विधानसभा का साहित्य भी भेंट किया।

सुपारी लेकर लूट करने वाली गिरोह का खुलासा

पुलिस ने शूटर सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया

जयपुर,(कासं)। राजधानी की कोतवाली थाना पुलिस ने सुपारी लेकर लूट और फायरिंग करने वाले गिरोह का खुलासा कर शूटर सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

डीसीपी नोर्थ परिस देशमुख ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शोएब अख्तर निवासी उदेई मोड सवाईमाधोपुर, कमलेश निवासी आंधी जयपुर और कृष्ण कुमार निवासी बागोडा जालौर का रहने वाला हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी कृष्ण कुमार की रायसर प्लाजा में मोबाइल एसेसरीज की दुकान है। वह माल का क्रय विक्रय का लेनदेन नगद डी नरेश कुमार फर्म बाबा हरिशचंद्र मार्ग के माध्यम से किया जाता था। कुछ समय से कृष्ण कुमार और नरेश कुमार फर्म के मध्य विवाद हो गया था। इस कारण फर्म ने कृष्ण कुमार से रुपए लेन-देन बंद कर दिए थे। कृष्ण कुमार फर्म को सबक सिखाना चाहता था। कृष्ण कुमार ने पडोसी दुकानदार कमलेश शर्मा से मिलकर अपने सहयोगी के माध्यम से बाहर से शूटर बुलवाकर फर्म द्वारा कलेक्शन किए जाने वाले रुपयों को लूटने की योजना बनाई थी। कृष्ण और कमलेश को पीड़ित की व्यापारिक गतिविधियों की जानकारी थी। उसके कर्मचारियों की दैनिक गतिविधियों की रेकी करके लूट करने की योजना बनाई गई। षड्यंत्र के तहत 50-50 प्रतिशत लूट से प्राप्त होने वाली राशि आपस में बांटने का तय कर लिया गया था। 14 अप्रैल को आरोपियों ने शोएब अख्तर, अकरम और संजय मीणा को बुलाया। वारदात स्थल के रूट और कलेक्शन एजेंट की पूरी जानकारी तीनों को उपलब्ध करवाई। इसके बाद तीनों आरोपी मोटरसाइकिल पर बैठकर पीड़ित का पीछा करते हुए वारदात स्थल पर पहुंचे। पीड़ित से रुपयों का बैग छीनने का प्रयास किया। लूट में असफल होने पर पीड़ित पर देशी कट्टे से फायर कर दिया। बैग में करीब 10 लाख रुपये नगदी रखी हुई थी। पीड़ित के चिल्लाने पर आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

एडिशनल डीसीपी नॉर्थ धर्मेंद्र सागर के मुताबिक पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्पेशल टीम का गठन किया। पुलिस की स्पेशल टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र के आधार पर सूचनाएं एकत्रित की गई। पुलिस की जांच पडताल में सामने आया कि गंगापुर सिटी सवाई माधोपुर निवासी अकरम और शोएब अख्तर करौली निवासी मीणा ने वारदात की है।

पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश के लिए रवाना की गई। लेकिन आरोपी पहले ही फरार हो गए। 3 मई को आरोपी शोएब अख्तर के ईद पर गंगापुर सिटी में जाने की जानकारी मिली। गंगापुर सिटी पुलिस से संपर्क किया गया। गंगापुर सिटी में पुलिस ने आरोपी शोएब अख्तर को एक देशी कट्टे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। जिसके बाद जयपुर की कोतवाली थाना पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जयपुर की कोतवाली थाना पुलिस ने पिछले दिनों बाबा हरिशचन्द्र मार्ग पर फायरिंग कर व्यापारी से लूट का प्रयास करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रीट मामले में तीन और आरोपी गिरफ्तारी

- एसओजी अभी तक 57 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चुकी है
- विकास मांजू व महेन्द्र माली ने प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले अन्य अभियुक्तों को उपलब्ध करवाया थाा

जयपुर,(कासं)। रीट परीक्षा मामले में फरार चल रहे तीन अभियुक्तों को एसओजी ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। जालोर के 26 वर्षीय विकास मांजू विश्नोई, 32 वर्षीय महेन्द्र माली और 26 वर्षीय दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि अब तक के अनुसंधान से अभियुक्त विकास मांजू व महेन्द्र माली ने सहयोगी के रूप में रीट परीक्षा का प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले अन्य अभियुक्तों को उपलब्ध करवाया।

अभियुक्त दिनेश कुमार ने अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा पूर्व रीट परीक्षा का प्रश्न पत्र पढ़ना जानकारी में आया है। इस आधार पर तीनों को एसओजी ने अलग-अलग जगहों से मुखबिर से मिली जानकारी के बाद गिरफ्तार किया है। राठौड़ ने बताया कि एसओजी द्वारा अब तक रीट प्रकरण में 57 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। रीट पेपर लीक मामले में अभी-भी कई आरोपी एसओजी की रडार में हैं जिन्हे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मोबाइल स्नेचिंग करने वाले चार बदमाश दबोचे

जयपुर,(कासं)। राजधानी की चित्रकूट नगर थाना पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग गिरोह के 4 बदमाशों को शुक्रवार दोपहर गिरफ्तार किया है। गैंग में दो लुटेरे और दो खरीदार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 16 मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी क्राइम परिस देशमुख ने बताया कि मोबाइल स्नेचिंग गिरोह के बदमाश विजेन्द्र उर्फ मोनू शर्मा (26) निवासी अखेपुरा मोहल्ला कोतवाली अलवर हाल राजावास हरमाड़ा, नरेन्द्र उर्फ कालू सैनी (30) निवासी व्यास कॉलोनी शास्त्री नगर और जीतू सैनी (22) व कृष्णा कुमार (21) निवासी नाथावाला शाहपुरा को गिरफ्तार किया है। आरोपी विजेन्द्र उर्फ मोनू शर्मा व नरेन्द्र उर्फ कालू सैनी मोबाइल स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देते है। दोनों नशा करने के आदी है। लूटे गए मोबाइल को जीतू व कृष्णा को सस्ते दामों में बेचकर नशे के शौक को पूरा करते। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दबिश देकर दोनों मोबाइल स्नेचरों को पकड़ा। जिसकी पूछताछ पर दबिश देकर दोनों खरीदारों को पकडा गया।

महिला की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या

- आरोपियों ने घर में रखे किसी भी सामान को हाथ नहीं लगाया
- जयपुर के सदर थाना इलाके में बड़ौदिया बस्ती की घटना

जयपुर,(कासं)। राजधानी के सदर इलाके में बदमाशों ने एक बुजुर्ग महिला के सिर पर बार कर तथा धारदार हथियार से गला रेत कर उसकी हत्या कर दी। महिला ने सोने के जेवर पहन रखे थे, लेकिन हत्यारे ने ना तो जेवर और ना ही पैसे चुराए। पुलिस इस पूरे मामले को रंजिश के तौर पर मान रही हैं।

पुलिस ने बताया कि मृतका शारदा जैन (67) रेलवे स्टेशन के पास बड़ौदिया बस्ती में रहती थी। उनके पांच बेटियां है जिनकी शादी हो चुकी है। शारदा बड़ौदिया बस्ती में ही अकेले रहती थी। उनके एक भाई दिनेश जैन सिविल लाइन्स में रहते है। हत्या की भनक उस समय लगी जब पड़ोस में नन्दनी किराना जनरल स्टोर के मालिक जगदीश सिंह अपनी दुकान खोलने आए तो पानी बह रहा था। इस पर वह अंदर पहुंचे तो दरवाजा बंद था। खटखटाने पर जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने इसकी सूचना सवाईमाधोपुर में रहने वाली बेटी को दी। बेटी ने सिविल लाइन्स में रहने वाले मामा दिनेश जैन को घर भेजा तब वारदात का पता चला। पुलिस मौके पर पहुंची तो अंदर शारदा देवी की लाश पड़ी हुई थी। उसके गला से खून बह रहा था और सिर पर भारी वस्तु से हमला किया गया था। पुलिस ने बताया कि घर का पूरा सामान सही तरीके से रखा हुआ था। किसी भी तरह की लूटपाट या चोरी व डकैती के घर से सबूत नहीं मिले थे।

शारदा जैन ने अंगूठी और सोने की चेन पहन रखी थी। हत्यारे ने उसे छुआ तक नही। जिस तरह से हत्या की गई है मौके पर संघर्ष के निशान मिले है। माना जा रहा है कि हत्यारे से बचने के लिए शारदा जैन ने संघर्ष किया था। पुलिस अब आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है ताकि हत्यारे का पता लगाया जा सके।

सांसद किरोड़ी मीणा को आदिवासी सम्मेलन में जाने की अनुमति दी

- डॉ. मीणा को पुलिस सुरक्षा के बीच धरियावद के लिए रवाना किया गया।
- वे रात को निम्बाहेड़ा में विश्राम करेंगे।

जयपुर। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा को पुलिस ने 14 मई को धरियावद में होने वाले आदिवासी सम्मेलन में जाने की अनुमित दे दी है। मीणा पुलिस सुरक्षा के बीच धरियावद के लिए रवाना भी हो गए है। वे रात को निम्बाहेड़ा में विश्राम करेंगे। इससे पहले पुलिस ने मीणा को गुरुवार को उदयपुर से जयपुर भेज दिया था। मीणा का कहना था कि उदयपुर में एक कार्यकर्ता के पिता की मौत के बाद संवेदना जताने जा रहे थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें उदयपुर होटल में ही नजरबंद कर दिया। बाद में जबरन जयपुर में भेज दिया। शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने उन्हें अपने पास कमिश्नरेट में बुलवाया था। कमिश्नर ने उन्हें उदयपुर जाने के लिए मना किया, लेकिन वह नहीं माने। काफी कोशिशों के बाद भी जब किरोड़ीलाल नहीं माने तो पुलिस कमिश्नर ने उन्हें पुलिस सुरक्षा में जाने की इजाजत दे दी। मीणा अब पुलिस सुरक्षा में धरियावद के लिए रवाना हो गए। इससे पहले किरोड़ीलाल मीणा ने कमिश्नरेट में पत्रकारों को बताया कि उन्हें उदयपुर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। इस पर उन्होंने पुलिस कमिश्नर को गिरफ्तार करने के लिए कहा, लेकिन कमिश्नर ने उन्हें गिरफ्तार करने से मना कर दिया।

किरोड़ीलाल मीणा की पुलिस कमिश्नरेट में पहुंचने की खबर सुनकर उनके समर्थक कमिश्नरेट पहुंच गए। हर कोई उन्हें छोड़ने के लिए कह रहा था। इसी दौरान किरोड़ीलाल मीणा बाहर आए और उन्होंने कहा कि उन्हें उदयपुर जाने से रोका जा रहा है, लेकिन वह बिना जाए मानेंगे नही। इस बीच पुलिस से वह गिरफ्तार करने की कहते हुए भी नजर आए। बाद में किरोड़ी को पुलिस सुरक्षा में जाने की इजाजत दी।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म किया

जयपुर। राजधानी के माणक चौक थाने में एक युवती को फॉरेस्ट ऑफिसर की नौकरी लगवाने का झांसा देकर दुष्कर्म करने और पांच लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि रेप मामले में आरोपी हिमांशु शर्मा (21) निवासी नूरमहल फिल्लौर जालंधर को गिरफ्तार किया है। 22 वर्षीय युवती ने बुधवार रात रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि मार्च 2020 में वह नेहरू गार्डन के पास पीजी में रहकर पढ़ाई कर रही थी। उसकी रूम पार्टनर जालंधर के रहने वाले हिमांशु से बात करती थी। कभी-कभी सहेली उसके मोबाइल से भी उसे कॉल कर लेती थी।

लॉकडाउन लगने के कारण सहेली अपने गांव चली गई। दिसंबर 2020 में हिमांशु ने उसको कॉल किया। इसके बाद लगातार कॉल कर बात करने लगा। घर पर मिलने भी आया। फरवरी 2021 में हिमांशु जयपुर आया था। बातचीत के दौरान फॉरेस्ट ऑफिसर की नौकरी लगाने की बात कही। अपने साथ सिंधीकैम्प ले गया। जहां एक होटल में रूम लेकर दोनों ने खाना खाया। खाने में नशीला पदार्थ मिला होने के कारण वह बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ रेप किया। अश्लील फोटो खींच लिए। होश में आने पर विरोध करने पर अश्लील फोटो को वायरल करने की धमकी दी। यहां तक शादी करने का दबाव बनाया, लेकिन पीड़िता ने शादी करने से मना कर दिया। नौकरी करने के बाद शादी करने की कहा। इसके बाद अगस्त 2021 में पीड़िता के गांव के पत्ते पर आरोपी ने नौकरी का लेटर भिजवाया।

नौकरी लगवाने के लिए 5 लाख रुपए लिए। नौकरी का लेटर रायवाला देहरादून के नाम से था। 21 अगस्त को परिवार के साथ बस से पहुंची। दो दिन वहां रुकने के बाद हिमांशु ने बहाना बनाकर वापस भेज दिया। 29 अगस्त को दोबारा चाची के साथ पहुंची। इंडियन फॉरेस्ट सर्विस के गेट पर ले जाकर बहाना बनाकर हिमांशु ने उसकी चाची को जयपुर भेज दिया। इस दौरान आरोपी उसे कई शहरों के होटलों में लेकर गया। जहां मारपीट कर उसके साथ रेप किया। घरवालों को नौकरी लगने की कहकर अकाउंट में 35 हजार रुपए भेजकर विश्वास दिलवाया। फिर जैसे-तैसे पीड़िता उसके चुंगल से छुटकर जयपुर आ गई। फिर मामला दर्ज करवाया।

घर में गीता और कुरआन दोनों की होती पूजा : डॉ. लईक हुसैन

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान फोरम की मासिक डेजर्ट सोल शृंखला के तहत शुक्रवार को प्रदेश के जाने-माने रंगकर्मी डॉ.लईक हुसैन रंगमंच प्रेमियों से रूबरू हुए। वरिष्ठ रंगकर्मी अशोक राही ने संवाद किए। डॉ.लईक हुसैन ने कहा की जब रंगमंच से जुड़ा तो सभी घरवाले नाराज हो गए। पर, पिता ने कहा कि अगर तुझे इसमें सुकून मिलता है तो इस सफर को जारी रखो। इसके बाद से मैं रंगमंच से जुड़ता चला गया।

उन्होंने बताया इनके विवाह को भी काफी संघर्ष करना पडा, क्योंकि माहेश्वरी लड़की को जीवन साथी के रूप में चुना। उन्होंने कहा कि मेरी सभी धर्मों में आस्था है, मेरे घर में मंदिर भी जिसमें गीता भी है और कुरआन दोनों मौजूद हैं। उनका मानना है कि जीवन में गर कुछ करना है तो कम से कम दो-तीन साल तो रंगमंच से जुड़े इससे आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। उन्होंने बताया कि जयपुर के रवींद्र मंच से शुरू हुआ यह सफर एनएचडी तक भी पहुंचा। उदयपुर में रहकर इन्होंने गवरी थिएटर में भी बहुत काम किया। गवरी भीलों का एक अनुष्ठान होता है जो कि 40 दिन तक चलता रहता है, जिसमें मुख्य पांच किरदार होते हैं। सैकड़ों मील साइकिल से सफर करते हुए ये भीलों के समुदाय में जाकर इस अनुष्ठान का पूरा रिसर्च करके इस पर काम किया। इसके साथ ही इन्होंने तुर्रा-कलंगी से जुड़े कई नाटकों का मंचन किया। अंत में फोरम की सदस्याओं पद्मश्री गुलाबो और ध्रुवपद गायिका डॉ. मधुभट्ट तैलंग ने स्मृति चिन्ह देकर लईक हुसैन का सम्मान किया। इससे पहले राजस्थान फोरम की कार्यकारी सचिव अपरा कुच्छल ने सभी कला प्रेमियों का स्वागत किया। कला-प्रेमियों के लिए राजस्थान फोरम का एंथम सांग भी प्रस्तुत किया,। इसके बारे में सर्वेश भट्ट ने विस्तार से जानकारी दी।

पद्मश्री गुलाबो और ध्रुवपद गायिका डॉ. मधुभट्ट तैलंग ने स्मृति चिन्ह देकर लईक हुसैन का सम्मान किया।

सार-समाचार

'आज का समय अच्छे कंटेंट का है'

जयपुर (कास)। इन दिनों सिर्फ अच्छी मूवी ही चल रही है। फिर मूवी हिंदी में हो या इंग्लिश में या किसी दूसरी भाषा में। ऑडियंस बहुत स्मार्ट है। ये कहना है बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन का। 20 मई को रिलीज होने वाली फिल्म भूल भुलैया 2 का प्रमोशन करने शुक्रवार को जयपुर पहुंचे कार्तिक आर्यन ने कहा कि बॉलीवुड में गंगूबाई भी चली है। आज का समय अच्छे कंटेंट के लिए है। इसमें कहीं पर भी लैंग्वेज की दीवार नहीं है।

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी नई फिल्म भूल भुलैया 2 के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। अनीस बज्मी की ओर से निर्देशित ये फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ये फिल्म अक्षय कुमार और विद्या बालन की साइकोलॉजिकल थ्रिलर भूल भुलैया का सीक्वल है, जो 2007 में रिलीज हुई थी। भूल भुलैया 2 में कियारा और कार्तिक के साथ तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा अहम भूमिका निभा रहे हैं। इनमें सिर्फ राजपाल यादव ही हैं, जिन्होंने पहली फिल्म में छोटे पंडित की भूमिका निभाई थी।

'निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये किये जाए अथक प्रयास'

जयपुर, (का.सं.)। स्वायत्त शासन मंत्री एवं जयपुर जिला प्रभारी शान्ति धारीवाल ने कहा कि राज्य सरकार की जन कज्याणकारी योजनाओं को बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करते हुये आमजन को राहत देने के लिये हर संभव प्रयास किये जाए। उन्होंने फ्लैगशिप योजनाओं के तहत निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ हर व्यक्ति को मिले, इसके लिए शत-प्रतिशत लोगों का पंजीयन कराये तथा अन्य निजी अस्पतालों को भी योजना से जोड़ें। उन्होंने कहा कि योजनाओं से अनुबंधित निजी अस्पताल के बारे में किसी मरीज द्वारा शिकायत की जाए तो उसकी शिकायत पर गंभीरता से कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। जिला प्रभारी मंत्री शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति के बारे में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने शुद्ध के लिये युद्ध अभियान के तहत की जा रही कार्यवाही के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी ली, जिस पर संबंधित अधिकारी ने बताया कि जिले में 4 टीमों द्वारा नमूने लिये जाते है जिन्हें जांच के लिये लैब में भेज दिया जाता है जिनकी रिपोर्ट 15 से 30 दिनों के बीच में आ जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना के तहत दवा वितरण केन्द्रों पर पुख्ता व्यवस्था एवं जयपुर शहर के बड़े अस्पतालों में दवा वितरण की स्थिति के बारे में जांच कर 7 दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। जिला प्रभारी मंत्री राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के बारे में जानकारी ली। जिस पर जिला रसद अधिकारी ने बताया कि जिले में अभी तक 57 हजार आवेदन पोर्टल पर प्राप्त हो चुके है जिनका विभाग द्वारा जारी नियमों के अनुसार निस्तारण कर दिया जायेगा। उन्होंने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) के तहत संचालित विद्यालयों में निर्धारित समयावधि में अध्यापकों की नियुक्ति पूर्ण करने के निर्देश दिये।

दिव्यांगों को परिवहन में प्राथमिकता से सुविधा दी जाए : उमाशंकर शर्मा

जयपुर (कासं)। उमाशंकर शर्मा (अधिवक्ता), राज्य आयुक्त, विशेष योग्यजन ने कहा कि दिव्यांगों को दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के तहत परिवहन में प्राथमिकता से सुविधा प्रदान की जाए। दिव्यांग जनों को परिवहन में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने एवं विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करवाने के उद्देश्य से राज्य आयुक्त उमाशंकर शर्मा (अधिवक्ता) विशेष योग्यजन द्वारा परिवहन विभाग के साथ बैठक का आज शुक्रवार को विशेष योग्यजन भवन में आयोजन किया गया। राज्य आयुक्त द्वारा सार्वजनिक परिवहन बसों में सीटों के आरक्षण व चिन्हीकरण की प्रमुखता से पालना करवाई जाए। बैठक में दिव्यांग जनों को बैसाखी, व्हीलचेयर आदि दिव्यांग उपकरण उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। इंदिरा गांधी शहरी गारंटी रोजगार योजना के तहत दिव्यांग जनों को रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में उमाशंकर शर्मा (अधिवक्ता) राज्य आयुक्त, विशेष योग्यजन द्वारा आज शुक्रवार को विशेष योग्यजन भवन में स्वायत्त शासन विभाग के साथ बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत दिव्यांगजन यदि कार्य की मांग करता है तो उसकी क्षमता और योग्यता के अनुरूप दिव्यांगों को प्राथमिकता से कार्य में नियोजित किया जावे ताकि दिव्यांग जनों की आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

दुकान की दीवार तोड़ने से रोकने पर मालिक का सिर फोड़ा

जयपुर। राजधानी के करधनी इलाके में एक दुकान की दीवार तोड़ने से रोकने पर बदमाशों ने मालिक के सिर में ईंट से वार कर लहूलुहान कर दिया। जमीन पर गिरते ही जमकर मारपीट कर नकदी व सोने की चेन भी लूट ले गए। करधनी थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि निवारू रोड झोटवाड़ा निवासी मनीष सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत में बताया कि रावणगेट चौराहा के पास उसकी दुकान है। 10 मई की रात करीब साढ़े आठ बजे पड़ोसी ने कॉल किया। कॉल कर बताया कि पूर्व चेयरमैन महादेव बागडा अपने दोनों बेटों और 4-5 लोगों के साथ दुकान पर आया है। दुकान की छत पर चढ़कर दीवार तोड़ रहा है। आरोप है कि पता चलने पर मौके पर पहुंचा। उन्हें दीवार तोडने से रोकने पर बोला तूने बिना पूछे दुकान ली है। आरोपी महादेव बागड़ा ने उसके सिर पर ईंट मार दी। लहूलुहान हालत में जमीन पर गिरने पर उसके बेटों ने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की। उसकी जेब में रखे रुपए और गले से सोने की चेन भी तोड़ ली। मारपीट होते देखकर पडोसी बचाने के लिए आए। जिन्हें देखकर हमलावर मौके पर कार और स्कूटी छोड़कर भाग निकले।

राज्यपाल ने किया एब्डोमिनल कैंसर डे पोस्टर का अनावरण

जयपुर (कासं)। इस वर्ष मई माह को एब्डोमिनल कैंसर माह के रूप में आयोजित किया जा रहा है और आम जनता में एब्डोमिनल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'एब्डोमिनल कैंसर ट्रस्ट' और आईआईईएमआर के तत्वावधान में विभिन्न गतिविधियों का आयोजित की गई है। आज सिविल लाइंस स्थिति राजभवन में राज्यपाल, कलराज मिश्र ने डॉक्टर संदीप जैन, मुकेश मिश्रा और अधिवक्ता कमलेश शर्मा के साथ एब्डोमिनल कैंसर डे पोस्टर का अनावरण किया। निदेशक, आईआईईएमआर, मुकेश मिश्रा ने बताया कि महीने के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में वॉकिंग फेस्टिवल 14 मई को जयपुर सुपर वॉकर अवाड्र्स के साथ शुरू होगा, जिसमें जो लोग खुद को स्वस्थ रखने के लिए प्रेरणा या प्रेरक हैं उन्हें सम्मानित किया जाएगा। 15 मई को हेरिटेज कल्चरल वॉक जयपुर के जलेबी चौक से शुरू होकर हेरिटेज रूट, जंतर मंतर, सिटी पैलेस, आतिश मार्केट, हवामहल से होते हुए वापस जलेबी चौक पहुँचेगी। 19 मई को एब्डोमिनल कैंसर डे मनाया जाएगा, जिसमें 'अवेयेरनेस इज पावर' टॉक शो और 22 मई को एबीसीडी हेल्थ कैंप होगा।

श्री श्री रविशंकर के जन्म दिन पर रक्तदान शिविर

जयपुर (कासं)। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार जयपुर द्वारा आज 13 मई को संस्था के प्रणेता श्री श्री रविशंकर का जन्म दिन आश्रम प्रताप नगर में पूरे उत्साह एवं श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। 4 बजे से ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया एक जिसमे 75 स्वयंसेवकों ने ब्लड डोनेट किया। स्वामी विश्वेश्वरा ने बताया कि रक्तदान शिविर के सफलतापूर्वक आयोजन के साथ साथ वैदिक धर्म संस्थान की ओर से वैदिक पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आयुष होम किया गया । जिसमे 500 लोगों ने भाग लिया। इसके बाद देश के प्रसिद्ध भजन गायक बॉबी अनेजा एवं शंकर द्वारा किए गए मधुर सत्संग ने 2 वर्ष बाद फिर से सभी को भक्ति और आनंद का अहसास कराया गया। अंत मे सभी श्रद्धालुओं ने स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण कर गुरु कृपा की कृतज्ञता को अनुभव किया। यह कार्यक्रम कोरोना के कारण दो वर्ष पश्चात् संपन्न हुआ है अत सैकड़ों श्रद्धालुओ ने अभुतपूर्व उत्साह के साथ भाग लिया।

ARBiT
it happens here...

World Fair Trade Day

We here in the first world take our coffee, bananas, jeans and sneakers for granted, but every day, tens of thousands of people in various Asian, African and South American countries-men, women and even children-work themselves to their bones in unbearable conditions for pennies for our comfort and leisure. The Fair Trade movement campaigns to improve the lives of workers and small producers, by asserting their rights and raising their visibility within international trade.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
14 May 2022
A-B

#LIFESTYLE

Get Back To The Basics!

Holding their history way back in many countries like India, Italy, Rome, Greek etc., people from all parts of the world today are moving to the old era and adapting the goodness of the clay crockery and cookware.

Earthen pots belonged to an era when people had no choice of other type of cookware which is unlike the current scenario. Today, different varieties of cookware are available in fancy colours and designs, but as once said, all that glitters is not gold. Pots nowadays might win in the looks factor, but definitely lack in the health factor. That's why earthen pots have now become the choice of the century in almost every household. Besides, these earthen pots do have an elegant and classy look that has its roots from centuries ago, yet it still goes with the organic trends nowadays.

Workday is moving back to the basic and simple things and why not, when it comes with a bundle of benefits along. Though there are a lot of reasons for using these clay

pots, few of them are simply too good to be true. Let's understand what makes these earthen pots one of the best choices of cookware for our kitchen and our daily lives.

Nutritive Value

The clay pots get heated slowly and cook the food gradually as compared to aluminium or other metallic utensils. Clay pot's porous nature allows both steam and heat to circulate through the food, which results in thorough yet aromatic cooked food.

This lets the food retain more nutritive value than food prepared in other kinds of utensils. Also, meat prepared in clay pots remains juicy and tender.

Environmental Friendly

It doesn't take a full-fledged industry or processed material to cook some amazing cookware. It just takes some clay from the right source being treated immaculately by the right hands.

Economical choice

There are many shops that sell pure and unglazed earthen pots if you step out and start discovering your city's nooks and corners. Clay pots are quite cheap as compared to any other types of cooking utensils. You can easily buy a whole set of cookware in earthen making a hole in your pocket.

Provide Minerals

Clay pots contain iron, phosphorus, magnesium and several other minerals. The food cooked in earthen pots gets added iron, calcium, magnesium and sulphur which plays an important role for the well-being of a human body.

Regulate the PH Balance

Clay pots being alkaline in nature helps in neutralizing the PH balance of the food by interacting with the acid present in the food. The earthen pots not only make the food healthier but also add a nice aroma to it.

Healthy for Your Heart

Excess use of oil for cooking is one of the leading causes of weight gain. If you wish to make your meals less oily, then clay pots are one of the best options because they require very less oil for cooking food. These pots take longer to heat and use a slower cooking process, helping to retain the natural moisture and natural oils present in the food.

Porous in Nature

Clay pot's porous nature allows both moisture and heat to circulate through the food, which results in slow yet aromatic food. It also retains the nutrition of the food, which is generally lost in other types of utensils. The thermal inertia in clay pots helps meats stay tender and soft as the muscle proteins denature and collagen breaks down completely.

Earthy Flavour

Due to slow cooking and porous nature of clay pots, the moisture and aroma tends to stay in the pot without losing any nutrient, hence making it flavoursome. It also has an earthy flavour added to it, which we bet you may not get in any other utensil.

What Kind of Clay Pots to Look Out For

While finding clay pots are not a difficult task, it is difficult to get products in their purest form, but it isn't impossible. If you really want to start cooking in clay pots, make sure you do not buy any glazed or polished one, rather try and find unglazed clay pots.

Majorly because, the materials used for glazing pots may contain lead, mercury and many others that can be hazardous for health.

In the movie, '13th Warrior', actor Antonia Banderas plays an Arab poet who learns the Old Norse language by spending time with the Vikings and listening to them converse as they relax in their evening campfire. But is it that easy to learn the language? What about those who keep banging their heads on their desks to master that perfect pronunciation or diction? Do people pick up languages so easily or do they still struggle and fumble with words even years after they seemed to have learnt the language?

Mind Your Language!

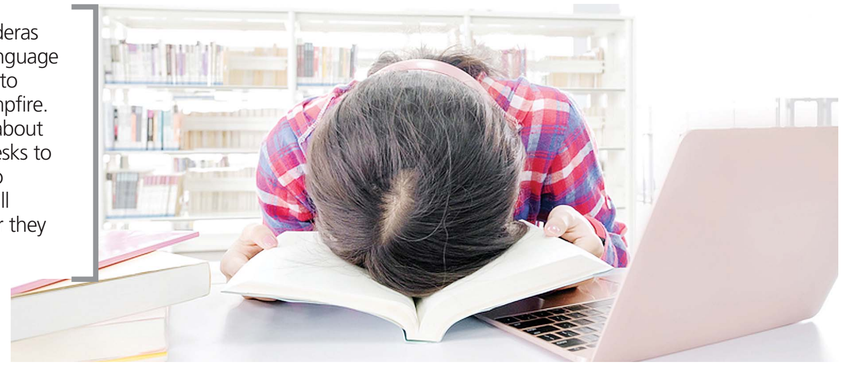

Kavita Subramanium

#OPENING UP

For many years my brother and I have been obsessed with a scene from 'The 13th Warrior' in which Antonio Banderas, playing an Arab poet, has to go live with a group of Vikings. In this montage, he sits at the Viking campfire night after night, unable to understand anything initially. Slowly comprehension grows like a patchwork quilt, until the thrilling night when he floors the Vikings by insulting them in Old Norse.

Effortless pickup

The thrill of the scene lies in his ability to deliver sick burns. But also in that his learning seems relatively effortless. Just a lot of flickering of beautiful Banderas' eyes by the firelight. Not the banging of head on desk that usually accompanies serious language learning. I learnt the Tamil alphabet but have since forgotten it. I learnt Kannada in school and frequently mix up the matras with Malayalam, Hindi and even the barely learnt Tamil. I did a few months of Spanish and French but can only speak them among strangers who will not judge me. I have been studying Hindi all my life and have more 'Gender Trouble' than Judith Butler.

A piece of cake

At least that's the way it is for me. But not for some of my disgustingly savant friends, such as Asha, who learnt the Kannada alphabet in one bus ride from Jayanagar to Seshadripuram in Bengaluru. Or Vivek, who learnt the Bengali alphabet in a week of bus rides after a trek in Sikkim and West Bengal. Or Sneha, who went from not knowing one word of German one year to being qualified to take a teacher training course the next year. You know, it strikes me that instead of learning new languages, I should consider finding new friends (and also not letting them get on buses).

Musical Mystery

Cut to this weekend, when I was out of the house and away from my neighbourhood after a long stretch, feeling very cheerful. This made me want to play music very loudly in the car. After listening to 'Enjoy Enjaami' three times (because how else can one enjoy anything), I decided to play Khaled's Aicha. Khaled's Didi was a global sensation in my childhood. In my school in Muscat, Oman, we all sang it with as much fervour as we sang Snow's 'Informer' - and with as little comprehension. Techno had just arrived in our midst and all dance competition numbers involved moving with sternness and animal passion to 2 Unlimited's 'Tribal Dance'.

The two reigning jokes about music that season were that no one knew the words of Informer and that Meatloaf had scammed the whole world with 'I'd Do Anything For Love' (But I Won't Do That) because no one knew what 'that' was but we all pretended to (there was a third one when one student in class IX watched an interview of Nusrat Fateh Ali Khan on TV and the great man said 'Radhe Radhe touched my soul'. All of us philistine, barbaric teenagers of Indian School, Darsait went around for two weeks saying 'Radhe Radhe touched my soul' apropos of nothing.)

Ecoutez Moi?

It was truly not a great time for music but it was a great time for enthusiasm, so I remember every playlist from that time in detail. Or so I thought. Then this weekend I started playing Aicha and I was shell-shocked. Suddenly I could understand what Khaled was singing after the Aicha, Aicha bits that we had all sung soulfully back then. "Aicha, Aicha, écoutez Moi?" Was he not singing in Arabic? Was he...was he...singing in French? I was finally having a 13th Warrior moment-an effortless surge of language-only I was on a flyover in Bengaluru. I immediately texted everyone I knew from that life. The results? I was again convinced that what I needed was better friends. Apparently, my friends didn't know French back then but they all knew Aicha was French.

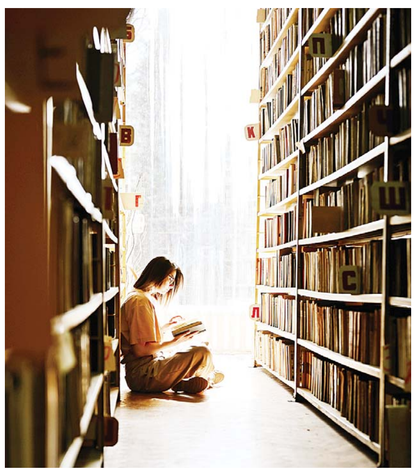

> **The thrill of the scene lies in his ability to deliver sick burns. But also in that his learning seems relatively effortless. Just a lot of flickering of beautiful Banderas' eyes by the firelight. Not the banging of head on desk that usually accompanies serious language learning. I learnt the Tamil alphabet but have since forgotten it.**

Betrayed, I messaged my friend Brinda, around whose family I am always reminded of the opening line of P.G. Wodehouse's 'The Luck Of The Bodkins' -- "Into the face of the young man who sat on the terrace of the Hotel Magnifique at Cannes there had crept a look of furtive shame, the shifty, hangdog look which announces that an Englishman is about to talk French." Like Monty Bodkin, I too am ashamed but I never worked up the courage to speak French in Brinda's Francophone household, not even when I was doing 20 hours of it a week, a couple of years ago.

The French Connection

But in this moment of shock, I needed to ask Brinda if I was truly alone. Her reply was a cool balm to my lacerations. Back in the days when Aicha was new, she spoke no French, and now, playing it for the first time in decades, she exclaimed, "The whole thing is in French!" Ah, the relief of company. Meanwhile, other dastardly friends were sending me texts about the Algerian underground scene and the Raï music genre of Oran where Khaled first became a sensation. All acting like extra-informed informers. Raï means opinion, one of them told me. Oh, same as Hindi? I asked. My informer looked confused. I don't know, she said. I did. I could have been less self-congratulatory. I should have been. I would do anything for love but I won't do that.

Real English Vinglish

Though Antonio Banderas makes language learning look effortless with his big eyes and easy manner, the truth is that in real life even he struggled with learning English. When Banderas took part in the production of 'The Mambo Kings', his first major Hollywood movie in 1992, he found learning English to be an uphill battle. He used to study English for eight hours a day in an academy and felt that he wasn't progressing enough. According to Banderas himself, he had to recite his lines phonetically from memory (without understanding exactly what he was saying).

To communicate with the director, he had to use a simultaneous interpreter. Banderas remembers that to participate in this film, his agent sent him to London for an interview, and of course, it was entirely in English. Banderas learned only three sentences: Yes, of course, and I can do that. While the other person spoke fluently, Banderas only nodded and repeated the expressions. Even though it was clear that Banderas didn't speak a word of English, nothing prevented him from travelling to New York and joining the team of this famous film, which would open the doors of Hollywood to him. Ha! Good looks don't make language learning easy!

> Meanwhile, other dastardly friends were sending me texts about the Algerian underground scene and the Raï music genre of Oran where Khaled first became a sensation. All acting like extra-informed informers. Raï means opinion, one of them told me. Oh, same as Hindi? I asked. My informer looked confused. I don't know, she said. I did. I could have been less self-congratulatory. I should have been. I would do anything for love but I won't do that.

writetoarbit@rashtradoot.com

#FOOD-TALK

Internet Favourite Summer Dessert

There are a 100 ways to have mango desserts. The king of summer produce, and a fruit that nobody can get enough of, be it dessert lovers, chefs, or dessert-loving chefs. From savoury curries to the most indulgent kulfis, a kilo of mangoes can bring delight to every taste palette.

But this season, there's one innovative dessert that has caught every mango-loving netizen's attention - the Stuffed Mango Kulfi which started as a street food trend.

Stuffed Mango Kulfi is a classical Indian ice cream dessert recipe made with fresh mangoes, which are stuffed with Malai Kulfi prepared with full cream milk, cardamom powder and kesar. This recipe is an old-Delhi style Mango Kulfi. Unlike the other traditional kulfi recipes, this kulfi has a unique taste of frozen mango with malai Kulfi, which makes this kulfi more

tasty and attractive.
Also, you don't need a lot to make it at home, either. Check out the recipe:

Ingredients

- 5 mangoes
- 1 litre Milk
- 3-4 tbsp sugar of choice
- 1/4 tsp cardamom powder
- Kesar (optional)

Preparation

1. Scoop out the seeds from 5 mangoes by cutting along the seed and making sure to not cut the edges. Twist the seed first so that it loosens and then pull it out. Put back the top lid of the mangoes and place each mango in a bowl so that it holds up straight till the time the kulfi stuffing is ready.
2. Start cooking the milk and reduce it to 1/3rd in medium flame. Add sugar, elaichi powder and kesar. Mix and let it cool completely before filling in the mangoes
3. Pour cooled down kulfi mix in the mangoes, cover with the lid and freeze for at least 12 hours.
4. Peel with a knife, cut thin slices and serve.

#BIODIVERSITY

Aggressive and rapid reductions in greenhouse gas emissions are critical for avoiding a major mass extinction of ocean species.

Mass Extinction of Marine Life?

As greenhouse gas emissions continue to warm the world's oceans, marine biodiversity could be on track to plummet within the next few centuries to levels not seen since the extinction of the dinosaurs, according to a recent study in the journal Science by Princeton University researchers.

The paper's authors modelled future marine biodiversity under different projected climate scenarios. They found that if emissions are not curbed, species loss from warming and oxygen depletion alone could come to mirror the substantial impact on humans and marine biodiversity by around 2100. Tropical waters would experience the greatest loss of biodiversity, while polar species are at the highest risk of extinction, the authors reported.

"Aggressive and rapid reductions in greenhouse gas emissions are critical for avoiding a major mass extinction of ocean species," said senior author Curtis Deutsch, professor of geosciences and the High Meadows Environmental Institute at Princeton.

Reducing the Risk

The study found, however, that reversing greenhouse gas emissions could reduce the risk of extinction by more than 70%. "The silver lining is that the future isn't written in stone," said first author Justin Penn, a post-doctoral research associate in the Department of Geosciences. "The extinction magnitude that we found depends strongly on how much carbon dioxide [CO2] we emit moving forward. There's still enough time to change the trajectory of CO2 emissions and prevent the magnitude of warming that would cause this mass extinction."

Deutsch and Penn, who initiated the study at the time when they were at the University of Washington. They combined existing physiological data on marine species with models of climate change to predict how changes in habitat conditions will affect the survival of sea animals around the globe over the next few centuries. The researchers compared their model to the magnitude of past mass extinctions captured in the fossil record, building on their earlier work that linked the geographic pattern of the End-Permian Extinction more than 250 million years ago - Earth's deadliest extinction event - to underlying drivers, namely climate warming and oxygen loss from the oceans.

The researchers found that their model projecting future marine biodiversity, the fossil record of the End-Permian Extinction, and indeed the distribution of species that we see now follow a similar pattern - as ocean temperature increases and oxygen availability drops, there is a pronounced decrease in the abundance of marine life.

Temperature and Oxygen

Water temperature and oxygen availability are two key factors that will change as the climate warms due to human activity. Warmer water is itself a risk factor for species that are adapted for cooler climates. Warm water also holds less oxygen than cooler water, which leads to more sluggish ocean circulation that reduces the oxygen supply at depth. Paradoxically, species' metabolic rates increase with

water temperature, so the demand for oxygen rises as the supply decreases. "Once oxygen supply falls short of what species need, we expect to see substantial species losses," Penn said.

Marine animals have physiological mechanisms that allow them to cope with environmental changes, but only up to a point. The researchers found that polar species are more likely to go globally extinct if climate warming occurs because they will have no suitable habitats to move to. Tropical marine species will likely fare better because they have traits that allow them to cope with the warm, low-oxygen waters of the tropics. As waters north and south of the tropics warm, these species may be able to migrate to newly suitable habitats. The equatorial ocean, however, is already so warm and low in oxygen that further increases in temperature - and an accompanying decrease in oxygen - might make it locally uninhabitable for many species.

The researchers report that the pattern of extinction their model projected - with a greater global extinction of species at the poles compared to the tropics - mirrors the pattern of past mass extinctions. A study Deutsch and Penn published in Science in 2018 showed that temperature-dependent increases in metabolic oxygen demand - paired with decreases in oxygen availability caused by volcanic eruptions - can explain the geographic patterns of species loss during the End-Permian Extinction ago, which killed off 81% of marine species.

Anthropogenic Warming

The new paper used a similar model to show that anthropogenic warming could drive extinctions from the same physiological mechanism at a comparable scale if warming becomes great enough, Penn said. "The latitude pattern in the fossil record reveals the fingerprints of the predicted extinction driven by changes in temperature and oxygen," he said.

The model also helps resolve an ongoing puzzle in the geographic pattern of marine biodiversity. Marine biodiversity increases steadily from the poles towards the tropics, but drops off at the equator. This equatorial dip has long been a mystery - researchers have been unsure about what causes it and some have even wondered whether it is real. Deutsch and Penn's model provides a plausible explanation for the drop in equatorial marine biodiversity - the oxygen supply is too low in these warm waters for some species to tolerate.

Penn said that climate change could soon eclipse all of these stressors in importance: "Extreme warming would lead to climate-driven extinctions that near the end of the century will rival all current human stressors combined."

THE WALL

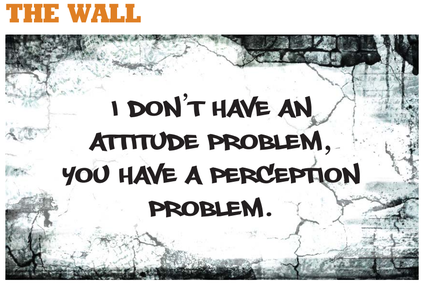

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

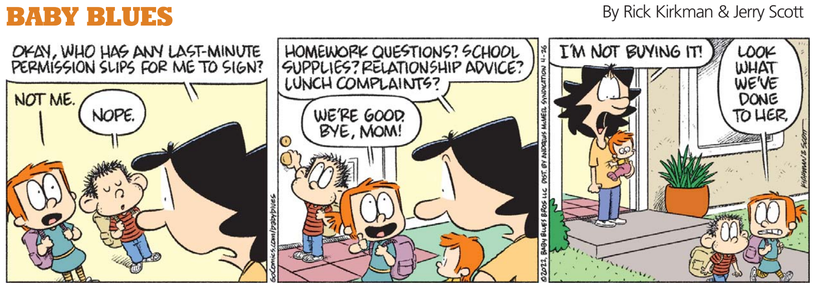

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

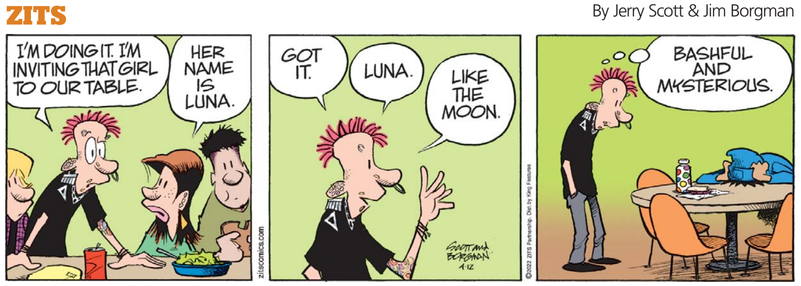

खेत की रखवाली कर रहे किसान की गोली मारकर हत्या

शिकार करने आये युवकों ने बंदूक से फायर किया, एक कातिल गिरफ्तार

मदनगंज-किशनगढ, (निस)। किशनगढ सिटी थाना अंतर्गत गांव कुम्हरिया बेरा (उदयपुर कला) में खेत की रखवाली कर रहे किसान की गोली मारकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जबकि इसके भाई ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने देर शाम एक कातिल को धरदबोचा।

पुलिस की गिरफ्त में आया हत्यारा गांव का ही निवासी हैं। दरअसल टोपीदार बंदूक के साथ खेत के पास शिकार करने आये दो युवक इन दोनों भाइयों से उलझ गये और कहासुनी होने पर बंदूक से फायर कर गांव कुम्हरिया निवासी रंगलाल जाट (35) पुत्र छोटूलाल के सीने में गोली दाग दी। सनसनीखेज हत्याकांड को लेकर राजकीय अस्पताल में तनावपूर्ण हालात बन गये। भाजपा युवा नेता डॉ. विकास चौधरी, एडवोकेट दिनेश जाट सहित मृतक के परिजनों ने कातिलों को गिरफ्तार करने के साथ उचित मुआवजे की मांग को लेकर शव की सुपुर्दगी लेने से साफ इंकार कर दिया। इनका कहना था कि तीन बेटियों व एक बेटे के बेकसूर पिता की हत्या करने वाले गुनहगारों को गिरफ्तार किया जाये, उसके पश्चात ही मृतक का अंतिम संस्कार किया जायेगा।

गांव कुम्हरिया बेरा में शिकार करने आये युवकों ने फायर कर किसान की जान ली।

उपखंड अधिकारी परसाराम सैनी, पुलिस उपाधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल, मनीष शर्मा के अलावा तीन थानों की पुलिस की मौजूदगी में समझाईस का दौर चलता रहा, किन्तु करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद उपखंड अधिकारी सैनी द्वारा परिवार की सहायतार्थ 50 लाख रुपये एवं बिटिया को सरकारी नौकरी दिलाने के सम्बंध में कलेक्टर को प्रपोजल भेजने के लिये आश्वस्त किये जाने पर मामला शांत हो सका। साथ ही मौके पर मौजूद भाजपा नेता डॉ. विकास चौधरी ने 51 हजार रुपये, सांसद भागीरथ चौधरी, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया ने 50-50 हजार रुपये बतौर आर्थिक मदद करने पर सहमति जताई। वही मृतक जिस फैक्ट्री में कार्य करता था उसके मालिक राजीव शर्मा ने घर वालों को आजीवन हर माह पगार देने की घोषणा की। थाना प्रभारी नरपत सिंह ने बताया कि हत्याकांड को लेकर दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

ट्रेन की इमरजेंसी खिड़की से ढाई वर्षीय बच्चे की खेल-खेल में गिरने से मौत

अजमेर-मैसूर ट्रेन से बेंगलुरू जा रहा था परिवार

पिंडवाड़ा, (निसं)। अजमेर- मैसूर ट्रेन से बेंगलुरू जाने वाले दंपति का ढ़ाई वर्षीय बालक सफर के दौरान कोच में खेलते -खेलते आपातकालीन खिडकी में से बाहर जा गिरा जिससे वह गंभीर घायल हो गया। राजकीय चिकित्सालय पहुंचते ही बच्चे ने दम तोडा दिया। मां बाप का घटना के बाद रो रो के बुरा हाल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रावता राम पुत्र पूनमा राम जाति चौधरी निवासी मांडवला सायला गोल जालौर अपनी पत्नी इमरती अपने बच्चे भरत रुचिका वह चिराग के साथ शुक्रवार सुबह अपने घर से बेंगलुरु जाने के लिए फालना रेलवे स्टेशन पर अजमेर - मैसूर के कोच में सवार हुए थे। ट्रेन फालना रेलवे स्टेशन से रवाना होते ही तीनों बच्चे कोच में खेलने लगे। उस दौरान उन बच्चों का पिता लघुशंका के लिए गया हुआ था। वही माता बच्चों के साथ बैठी हुई थी। उसकी आंख लग गई। 9.30 बजे करीब ट्रेन केशव गंज स्टेशन पार करके पिंडवाडा रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ रही थी।

उन दोनों रेलवे स्टेशनों के बीच की कुछ ही दूरी पर उस दंपति का बच्चा चिराग अचानक आपात कालीन खिडकी से गिर गया। लोगों ने ट्रेन की खिडकी से बच्चा गिरता देख गाडी को चेन पुलिंग कर रूकवाया। गाडी रुकने पर चोट लगने से बच्चा लहूलुहान हालत में मिला। ट्रेन के लोको पायलट ने इस घटना की जानकारी रेलवे स्टेशन मास्टर को दी बाद में आरपीएफ के एसआई ओम प्रकाश चौधरी को दुर्घटना की जानकारी दी।

आरपीएफ के चौधरी किसी मदद का इंतजार किए बिना देर किए लहूलुहान हुए घायल चिराग को अपनी गोद में उठाकर अपनी बाइक पर बिठाकर राजकीय चिकित्सालय पिंडवाडा पहुंचे। जहां डॉ विनोद यादव ने घायल बच्चे का उपचार शुरू किया पर घायल बच्चे के शरीर में से अधिक खून बह जाने की वजह से स्थिति गंभीर नाजुक होने लगी और उपचार के दौरान ही चिराग ने दम तोड दिया।

सुजानगढ़ में मोर का शिकार करते हुए एक गिरफ्तार

सुजानगढ़ वन विभाग की टीम की गिरफ्त में राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार का आरोपी।

सुजानगढ़, (नि.स.) राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार के आरोप में वन विभाग ने एक जने को गिरफ्तार किया है। क्षेत्रिय वन अधिकारी ओकेश यादव ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में टीम ने कार्यवाही करते हुए गांव मुरडाकिया में राष्ट्रीय पक्षी नर मोर का शिकार करते हुए बिरजू बावरी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से एक गिलोल बरामद की है। यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने के आदेश दिए गये। कार्यवाही के दौरान सहायक वनपाल मोहनलाल मारू, सहायक वनपाल महेन्द्रसिंह, वन रक्षक राकेश विश्नोई, वन रक्षक सुरेन्द्र भारी, केटलगार्ड सोहनलाल व भींवसिंह टीम में शामिल रहे। ज्ञात रहे कि वन विभाग की टीम द्वारा शिकारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 12 शिकारी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

- आरोपी बिरजू बावरी के कब्जे से एक गिलोल बरामद की

राजस्थान में पिछले डेढ़ साल से कांग्रेस मृत पड़ी हुई है: देवनानी

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि उस कांग्रेस को कोई भी जिंदा नहीं कर सकता है, जो खुद अपने कर्मों से मरी पड़ी हुई है। जब गांधी परिवार की चापलूसी, युवा नेताओं की अनदेखी, कांग्रेस नेताओं की आपसी लड़ाई व फूट से कांग्रेसी बाहर नहीं निकलेंगे, तब तक कांग्रेस में जान फूंकने की बात बेमानी लगती है।

उदयपुर में शुक्रवार से शुरू हुए कांग्रेस के चिंतन शिविर पर प्रतिक्रिया देते हुए देवनानी ने कहा कि यह चिंतन शिविर कांग्रेस की स्थिति में सुधार करने के लिए नहीं, बल्कि उसे जिंदा रखने के लिए किया जा रहा है। असली बात तो यह है कि किसी समय देशभर में राज करने वाली पार्टी का वजूद ही अब खतरे में पड़ गया है और वह केवल दो राज्यों राजस्थान व छत्तीसगढ़ में सिमट कर रह गई है।

- देश भर में राज करने वाली पार्टी अब राजस्थान व छत्तीसगढ़ में सिमटी

देवनानी ने कहा कि राजस्थान में पिछल ेडेढ़ साल से कांग्रेस प्राय: मृत पड़ी हुई है। ना जिला इकाइयां हैं और ना ही मंडल व वार्ड इकाइयां। ऐसे में जब संगठनात्मक ढांचा और नेतृत्व नहीं है, तो कौन ऐसी नेतृत्वहीन पार्टी का साथ देगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को चिंतन शिविर के पहले दिन भी सारी चर्चाओं की धुरी गांधी परिवार ही रहा है। ऐसे में राजस्थान ही नहीं, देश भर के कमोबेश सभी कांग्रेस नेताओं ने गांधी परिवार के प्रति भक्ति और चापलूसी दिखाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसमें कोई भी ल ंबे समय तक अध्यक्ष नहीं रहता है और सभी को योग्यता के आधार पर काम करने का मौका मिलता है।

देवनानी ने कहा कि गांधी परिवार की वाहवाही लूटने की खातिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरी सरकारी मशीनरी को झोंक दिया है। उन्होंने कहा कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं, जबकि जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाई जा रही है। कांग्रेस सरकार जनप्रतिनिधियों की आवाज पर अघोषित प्रतिबंध ल गा रही है। आमजन की आवाज उठाने के लि ए उदयपुर पहुंचे सांसद किरोडीलाल मीणा को बाहर निकाल ने की घटना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार की शह पर पुलि स द्वारा एक जनप्रतिनिधि को उदयपुर से बाहर किए जाने की घटना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा कुठाराघात है, इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी ही कम है।

राहुल गांधी ने ट्रेन से ही अभिनंदन स्वीकार किया

कपासन, (निसं)। राहुल गांधी उदयपुर में कांग्रेस चिंतन शिविर में शामिल होने दिल्ली से कपासन रेलवे स्टेशन मार्ग पहुंचने पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने नारेबाजी की आवाज सुनकर कोच के दरवाजे पर राहुल गांधी कुछ पल के लिए बाहर आकर हाथ हिलाकर कार्यकर्ताओं का अभिनंदन स्वीकार किया हालांकि राहुल गांधी रेलवे स्टेशन कपासन पर नहीं उतरे।

शुक्रवार को राहुल गांधी दिल्ली से ट्रेन द्वारा उदयपुर में कांग्रेस चिंतन शिविर में शामिल होने के जाते समय कपासन स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया कार्यकर्ताओं की आवाज सुनकर कुछ पल के लिए कोच के दरवाजे पर आकर हाथ हिलाकर अभिनंदन स्वीकार किया। इस अवसर प्रधान भेरूलाल चौधरी ने मेवाड़ी पगड़ी और महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के शंकर लाल प्रजापत ने उपरना देकर व राजीव सोनी आदि ने स्वागत किया। इस दौरान पूर्व प्रधान ओम प्रकाश व्यास सरपंच दिनेश खटीक पूर्व सरपंच बालूराम चित्तौड़िया श्यामसुंदर सोमानी भेरुलाल बारेगामा अशफाक तुरकिया अली गुड्डू खान सहित आदि उपस्थित थे।

कार-ट्रैलर की टक्कर में एक की मौत, तीन जने घायल

सुजानगढ़, (निसं)। हनुमानगढ़-किशनगढ मेगा हाईवे पर गनोडा चौराहे पर कार और ट्रैलर की टक्कर में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं तीन जने घायल हो गये। जानकारी के अनुसार सीकर जिले की लक्ष्मणगढ तहसील के गांव रोरू छोटी से कार में सवार चार युवक बीदासर तहसील के गांव गुंदूसर बारात में जा रहे थे। शुभम् पुत्र सुरेन्द्रसिंह , वीरम पुत्र जगदीशसिंह , चांदसिंह पुत्र शायरसिंह घायल हो गए।

गुलेरिया होटल के संचालक राकेश गुलेरिया ने टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार को हादसे के बारे में सूचना दी। जिसके बाद स्वर्णकार, एम्बूलेंस चालक नवरतन बिजारणिया, 108 के मनोहरसिंह, समन्दरसिंह, जगदीश मौके पर पहुंचे। दुर्घटना स्थल से महेन्द्र, राकेश व राकेश खीचड की सहायता से घायलों को 108 व निजी एम्बूलेंस की सहायता से राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डॉ. महेश महला, नर्स सुनीता स्वामी, रामनिवास ने घायलों का उपचार किया। उपचार के दौरान घायल जितेन्द्रसिंह ने दम तोड़ दिया। अन्य घायल चांद उर्फ जोगेन्द्रसिंह को सीकर रैफर किया गया। मृतक जितेन्द्र के शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। पवन बिजारणिया, भागीरथ जाट, लोकेश दर्जी, चंद्रप्रकाश सराफ, विनोद ने घायलों की मदद की।

- हनुमानगढ़-किशनगढ मेगा हाईवे पर हुआ हादसा

राहुल गांधी मध्यरात्रि के बाद अजमेर से गुजरे

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी उदयपुर चिंतन शिविर में भाग लेने के लिए आज रात मध्य रात्रि को दिल्ली से उदयपुर जाने वाली चेतक एक्सप्रेस से रेलवे स्टेशन अजमेर से गुजरे रेलवे स्टेशन पर भारी सुरक्षा इंतजामों के बीच अजमेर जिला अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी रेलवे स्टेशन पहुंचे और राहुल गांधी की बोगी के बाहर राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाये।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव चेतन चौहान ने बोगी से बाहर आकर कांग्रेसियों को बताया कि राहुल गांधी सो गए हैं और आपकी भावनाओं को अवगत करा दिया जाएगा। कांग्रेसियों ने राहुल गांधी के लिए दुपट्टा साफा एवं भित्ति चित्र राष्ट्रीय सचिव चौहान को भेंट किया।

राष्ट्रीय सचिव चौहान को राहुल का दुपट्टा एवं भित्ति चित्र भेंट किया।

इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बंसल, महेश चौहान, श्याम प्रजापति, नरेश सत्यावना, नोरत गुर्जर, विपिन वेसिल, अंकुर त्यागी, पार्षद नकुल खंडेलवाल, सैयद फैसल, मनीष सेठी, अजय गुर्जर, श्रवण टोनी, राजीव सिंह, कच्छावा ईश्वर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

- बडी संख्या में कांग्रेसी पहुंचे अजमेर रेलवे स्टेशन
- राहुल गांधी के सो जाने के कारण कांग्रेसी हुए निराश

46 ई-मित्र कियोस्क धारकों को दिये नोटिस

बांसवाडा, (निसं.)। जिले के सक्रिय ग्रामीण एवं शहरी ई-मित्र कियोस्क में से 5 प्रतिशत ई-मित्र कियोस्क 131 का औचक निरीक्षण किया गया। इसमें से 46 ई-मित्र कियोस्कों पर रेट लिस्ट, को ब्राण्डेड बैनर नहीं पाये गये जिनका राधारा एप में रेट लिस्टध्को-ब्राण्डेड बैनर उपलब्धता को नहीं मार्क किया गया एवं संबंधित कियोस्क धारक को निरीक्षणकर्ता द्वारा नोटिस देकर 3 दिवस में रेट लिस्ट चस्पा करने के लिए पाबंद किया।

साथ ही 11 ई-मित्र कियोस्क नागरिकों से राज्य स्तर से निर्धारित दर सूची से ज्यादा राशि लेते पाये गये जिनका नियमानुसार ऑवर चार्जिंग की शास्ति एक हजार एवं सात दिवस के लिए कियोस्क आईडी सस्पेंण्ड करने के आदेश जिला ई-मित्र सोसायटी एसीपी उपनिदेशक पदेन सचिव द्वारा जारी किये गये।

ई-मित्र सोसायटी एसीपी उपनिदेशक पदेन सचिव ने बताया कि जिन 11 ई-कियोस्क धारकों से शास्ति एक हजार एवं सात दिवस के लिए कियोस्क आईडी सस्पेण्ड की गई है उनमें पंचायत समिति सज्जनगढ के 7 कियोस्क धारक विकास कुमार पंचाल, मणीलाल, रोहित कलाल, भूपेन्द्र खज्जा, नरेश डामोर, कुतुबुदीन बोहरा एवं सुरेशचन्द्र तथा गढी पंचायत समिति क्षेत्र के शरद कुमार दोसी, परतापुर-गढी के अल्पेश शाह व अशोक कुमार यादव तथा बांसवाडा शहर के कियोस्क धारक दीपक शर्मा शामिल हैं।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिला तो दीवार पर चढ़ी युवती

परीक्षा केन्द्र पर देर से पहुंची युवती दीवार पर चढ़ गई जिसे यातायात पुलिसकर्मियों ने समझाकर उतारा।

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर में आयोजित हो रही कांन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में परीक्षा केंद्र पर शुक्रवार को 2 मिनिट देरी से पहुँचने के चलते दो युवतियों को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया । जिससे नाराज एक युवती केंद्र के अंदर प्रवेश को लेकर दीवार पर चढ़ गयी। युवती को दीवार पर चढ़ता हुआ देख मौके पर मौजूद यातायात पुलिस कर्मियों ने उसे दीवार से नीचे उतारा। दोनों युवतियां मौके पर ही भावुक हो गयी। वही परीक्षा से वंचित रही युवतियों ने देरी का कारण परीक्षा के प्रवेश पत्र में अंकित केंद्र का गलत नाम बताया। दोनों युवतियों का कहना है कि उन्हें परीक्षा को लेकर जो प्रवेश पत्र दिए गए है उनमे केंद्र का नाम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर लिखा गया है, जबकि जिले में संचालित इस स्कूल को स्थानीय लोग महाराणा राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के नाम से जानते है। ऐसे में जब परीक्षार्थियों द्वारा केंद्र के बारे में लोगो से जानकारी ली तो उन्हें उचित जानकारी समय रहते नहीं मिल पायी। जिसकी वजह से ये युवतियां परीक्षा केंद्र पर समय से दो मिनिट देरी से पहुँची और परीक्षा से वंचित रह गयी।

सेल्समैन की आंखों में मिर्ची झोंक दो लाख रुपये लूटे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बड़लियास थाना क्षेत्र में बदमाशों ने पेट्रोल पंप सेल्समेन की आंखों में मिर्च झोंककर लूट को अंजाम दिया। सवाईपुर-ढ लाणा के बीच नेशनल हाइवे पर हुई इस वारदात के दौरान बदमाश 2 लाख 8 हजार रुपये लूटकर ले जाने में सफल रहे। बता दें कि पुलिस बदमाशों को ढूंढने के बजाय, वारदात को दबाने का प्रयास करती रही, ताकि मीडिया तक इसकी जानकारी नहीं पहुंचे। जानकारी के अनुसार, ढेलाणा में स्थित मातेश्वरी फिलिंग स्टेशन पंप के सेल्समैन दलपत सिंह कैश जमा कराने के लिए बैग में 2 लाख 8 हजार रुपये रखकर बाइक से सवाईपुर स्थित बैंक के लिए रवाना हुआ ।

इस दौरान दलपत, नेशनल हाइवे पर सवाईपुर और ढेलाणा के बीच कपास फैक्ट्री के पास पहुंचा ही था कि एक अन्य बाइक उसके पीछे से आई। इस पर दो नकाबपोश सवार थे। बदमाशों ने चलती बाइक से ही दलपत की आंखों में मिर्च झोंक दी और बाइक की टंकी पर रखा बैग लूटकर फरार हो गये। इस बीच, आंखों में मिर्ची गिरने से दलपत सिंह बाइक सहित नीचे खाई में जा गिरा और बाइक सवार लूट को अंजाम देकर फरार हो गए। लूट की सूचना पर डीएसपी, बड़लियास व सवाईपुर चोकी पुलिस के साथ ही पेट्रोल पंप मालिक कानसिंह भी मौके पर पहुंचे।

हिरण्यकश्यप के 25 फीट के पुतले का वध होगा, 125 सालों से चली आ रही है परम्परा

नरसिंह जयन्ती आज, छप्पन भोग सजेगा, फूलबंगले के दर्शन होंगे, शहरभर में आयोजन होंगे

कोटा, (निसं)। वैशाख शुक्ल चतुर्दशी को नृसिंह जयंती शहर भर में धूमधाम से मनाई जाएगी। अलग-अलग संस्थाएं शहर भर में शनिवार को विभिन्न आयोजन करेंगी। अग्रवाल वैष्णव मोमीयां पंचायत के प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि विष्णु भगवान के चतुर्थ अवतार भगवान श्री नरसिंह जयन्ती का भव्य समारोह गांधी चौक रामपुरा पर आयोजित किया जाएगा।

यहां भगवान नरसिंह के स्वरूप द्वारा वध के समय दिन और रात का संध्याकाल सायं पर 6.45 बजे हिरण्यकश्यप के 25 फीट के पुतले का वध किया जाएगा। नरसिंह धर्माशाला के सचिव महेंद्र कुमार मित्तल ने बताया कि राम दरबार व शिवजी, हनुमान व भक्त प्रह्लाद की झांकी सजेगी। समारोह सांयकाल सूर्यास्त होते ही समय 6.45 बजे नृसिंह भगवान प्राकट्योत्सव होगा। इसके बाद हिरण्यकश्यपु का वध किया जाएगा। महाआरती के बाद ठंडाई व प्रसाद वितरण होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग के उपाध्यक्ष पंकज मेहता, कोटा उत्तर की महापौर मंजू मेहरा, कोटा दक्षिण के महापौर राजीव अग्रवाल, पार्षद सुनील वर्मा, सहवारित पार्षद चन्दू जैन, राजीव जैन होंगे। संस्था के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता के अनुसार यह परम्परा पिछले 125 वर्षों से चली आ रही है। पहले यह समारोह रामपुरा चौक में होता था। सन 1905 में दरबार द्वारा नरसिंह धर्मशाला के सामने (अभी गांधी चौक है) जगह उपलब्ध कराई।

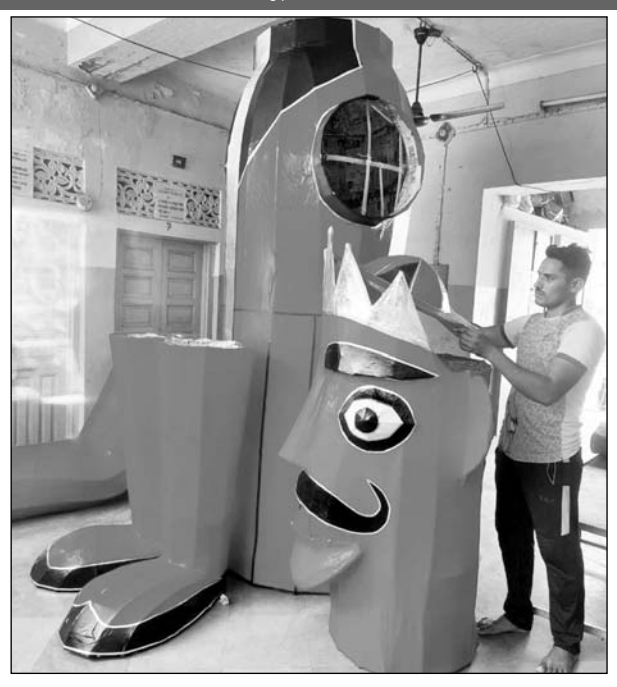

कोटा में हिरण्यकश्यप का पुतला तैयार करता कलाकार।

जबसे समाज द्वारा जनता के लिए समारोह आयोजित होता आ रहा है। जिसमें भगवान नरसिंह द्वारा हिरण्यकश्यपु के पुतले का वध किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आम लोग पुतले के कागज व लकड़ियां अपने घरों में ले जाकर घर के बाहर लगाते हैं। जिससे साल भर कोई विघ्न न हो। इसके बाद कई माताएं अपने छोटे-छोटे बच्चों को भगवान की गोद में देकर आशीर्वाद दिलाती हैं। मान्यता है कि जिससे बच्चे रात को डरते नहीं हैं और बीमारियों से मुक्त रहते हैं।

किशोरपुरा दरवाजे पर स्थित प्राचीन नरसिंह मन्दिर के पुजारी मयंक शर्मा ने बताया कि नरसिंह जयन्ती के अवसर पर नीलकंठ महादेव मंदिर के पास सुबह 7 बजे भगवान का पंचामृत से महाअभिषेक, दिन में 3 बजे से शृंगार, छप्पन भोग व फूल बंगला के दर्शन होंगे। वहीं शाम 4 बजे सुंदरकांड पाठ और सांय 7.30 बजे महाआरती व प्रसाद वितरण होगा।

सब रजिस्ट्रार कार्यालय का कनिष्ठ सहायक 1.11 लाख रू. की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एक अन्य कनिष्ठ सहायक और दलाल मौके से फरार हुए, तलाश जारी

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर की टीम ने एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर ट्रेप की कार्यवाही करते हुये जालोर सब रजिस्ट्रार कार्यालय के कनिष्ठ सहायक विक्रम सिंह को परिवादी से एक लाख ग्यारह हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. महावीरसिंह राणावत के अनुसार परिवादी जालोर के रावली ढाणी निवासी अध्यापक आनंदसिंह ने शिकायत पेश कर बताया कि उसके प्लॉट सिरे मंदिर रोड़ पर आये हुए हैं तथा उक्त प्लॉट की रजिस्ट्री करवाने के एवज में सब रजिस्ट्रार कार्यालय जालोर के कनिष्ठ सहायक विक्रमसिंह व राणाराम शर्मा ने अपने दलाल अधिवक्ता हीरालाल के माध्यम से एक लाख साठ हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जालोर एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिस पर एसीबी जोधपुर के उपमहानिरीक्षक पुलिस कैलाश चंद विश्नोई के सुपरवीजन में शिकायत का सत्यापन किया गया। सत्यापन के बाद एक लाख ग्यारह हजार रूपये देना तय हुआ। गुरूवार देर शाम करीब साढे सात बजे पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह चारण एवं उनकी टीम के साथ ट्रेप कार्यवाही करते हुये परिवादी को रिश्वत की राशि दलाल हीरालाल के माध्यम से देने के लिए सब रजिस्ट्रार कार्यालय भेजा। रिश्वत की राशि लेकर टेबल पर पुन: रखने पर विक्रम सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह जाट निवासी झुंझुनु हाल कनिष्ठ सहायक कार्यालय सब रजिस्ट्रार जालोर को परिवादी से एक लाख 11 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। वही एसीबी कार्यवाही की भनक लगते ही रिश्वत की राशि आरोपी राणाराम कनिष्ठ सहायक कार्यालय सब रजिस्ट्रार जालोर एवं दलाल हीरालाल (अधिवक्ता प्राईवेट व्यक्ति) द्वारा लेकर फरार हो गये।

एसीबी की टीम की फरार कनिष्ठ सहायक राणाराम व दलाल अधिवक्ता हीरालाल को गिरफ्तार करने के लिए उनकी तलाश जारी है। वही आरोपी से एसीबी जालोर की टीम द्वारा सघन पूछताछ की जा रही है। एसीबी जालोर के एएसपी डॉ. महावीरसिंह राणावत ने बताया कि गुरूवार देर शाम को ट्रेप की कार्यवाही की गई।

स्थाई लोक अदालतों में अध्यक्ष, सदस्य और स्टाफ के रिक्त पदों पर भर्ती बाबत सुनवाई हुई

60 दिन में शपथ पत्र पेश करने के निर्देश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश रेखा बोराणा ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को 60 दिन में शपथ पत्र पेश करने का निर्देश दिया है कि राज्य के स्थाई लोक अदालतों में अध्यक्ष,सदस्य और स्टाफ के रिक्त पदों पर भर्ती बाबत अब तक क्या कार्रवाई की है, के बाबत स्थिति स्पष्ट करें, ताकि इनमें न्यायिक कार्रवाई सुचारू हो सके। खंडपीठ ने आगामी तिथि 25 जुलाई मुकर्रर की है।

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने बताया कि खंडपीठ के आदेश की पालना में आठ जगह जोधपुर महानगर,जयपुर महानगर,अजमेर, कोटा, झालावाड़, भरतपुर, पाली और बालोतरा में पूर्णकालीन अध्यक्ष पद पर नियुक्ति दी जा चुकी है और सदस्यों के रिक्त पदों को भरने के वास्ते आवेदन आमंत्रित कर लिए गए हैं। इस पर प्रार्थी वासुदेव दाधीच की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि चूरू, सीकर, मेडता, धौलपुर, प्रतापगढ, हनुमानगढ और दौसा में अध्यक्ष पद की विस्तारित अवधि भी पूर्ण होने पर भी अभी तक इन पदों के लिए आवेदन आमंत्रित नहीं किए गए हैं।

जोधपुर महानगर सहित कई जगहों पर सदस्यों के पद रिक्त होने से कोरम के अभाव में न्यायिक कार्रवाई शुरू नहीं हो रही है पिछले दो सालों में नहीं के बराबर कार्य हुआ है।जोधपुर में लगभग एक हजार प्रकरण लंबित हो गए हैं । अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण स्टाफ के स्वीकृत पदों को भी पिछले पांच साल से भरने की कार्रवाई नहीं कर रहा है।

सूरसागर में संपूर्ण, सरदारपुरा में आंशिक कर्फ्यू हटाया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में तीन मई को भडके उपद्रव के बाद दस थाना क्षेत्र में लागू कर्फ्यू के कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव किया गया है। कर्फ्यू में लगातार दी जा रही छूट के बीच शहर में पूर्णतया शांति बनी हुई है। नए आदेश के अनुसार सूरसागर संपूर्ण थाना क्षेत्र के अलावा सरदारपुरा के सबसे व्यस्त बाजार बी व सी रोड से कर्फ्यू के पूर्णरूप से हटा दिया गया है। वहीं सरदारपुरा के शेष क्षेत्र, प्रताप नगर सदर, शहर कोतवाली, सदर बाजार, खांडा फलसा व नागौरी गेट थाना क्षेत्र में कर्फ्यू लागू रहेगा। अब इन क्षेत्र में सिर्फ रात को दस से लेकर सुबह छह बजे तक कर्फ्यू रहेगा।

पुलिस उपायुक्त राजकुमार चौधरी की तरफ से जारी आदेश में बताया गया है कि हालात की लगातार समीक्षा करने के बाद सूरसागर संपूर्ण थाना क्षेत्र व सरदारपुरा के कुछ हिस्से से कर्फ्यू को पूर्ण रूप से हटाने का फैसला किया गया है। कर्फ्यू प्रभावित क्षेत्र में आवागमन के लिए पूर्व निर्धारित शर्तें लागू रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि जोधपुर शहर में अब कुछ और क्षेत्र से कर्फ्यू को हटाया गया है। अन्य थाना क्षेत्र में लागू कर्फ्यू को रात तक सीमित कर दिया गया है।

कांस्टेबल परीक्षा: पेपर पास कराने के आरोपी पकड़े

भिवाड़ी पुलिस की स्पेशल टीम ने आरोपियों को पकड़ा।

बहरोड/भिवाडी, (निसं)। भिवाड़ी जिला पुलिस थाना क्षेत्र मांढ ण में संदिग्धों की सूचना पर भिवाडी जिला पुलिस की स्पेशल टीम ने कार्यवाही करते हुए राजस्थान पुलिस की कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में 1500000 रुपए में पेपर पास करवाने का सौदा करने की जानकारी मिली थी।

भिवाडी जिला पुलिस की स्पेशल टीम ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए पुलिस भर्ती परीक्षा में अनुचित तरीके से पास कराने वाले गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से मोबाइल चैट के माध्यम से पेपर, पहचान पत्र व 1500000 रुपए में सौदा करने के चैट की जानकारी मिली है। शांतनु कुमार सिंह जिला पुलिस अधीक्षक भिवाडी के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम डीएसटी की कार्यवाही में आरोपी दीपक उर्फ गौरीशंकर पुत्र मुकेश यादव निवासी नांगल मेहता व अमित पुत्र ईश्वर सिंह निवासी कान्हावास जिला अलवर राजस्थान को गिरफ्तार किया। ये लोग बेरोजगार युवकों को झांसा देकर 15 लाख रुपए में पेपर पास कराने का सौदा कर रहे थे, पुलिस टीम ने आरोपियों को धर दबोचा।

समर्थन मूल्य पर लक्ष्य के मुकाबले कम हुई गेहूं की खरीद

श्रीगंगानगर, (निसं.)। भारतीय खाद्य निगम को कृषि में सिरमौर व कृषि बाहुल्य श्रीगंगानगर मंडल सहित राज्य भर में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद बहुत कम मिला है।श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में इस बार 13.37 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद की तुलना में 750 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है।

इसमें श्रीगंगानगर जिले में 6.65 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य था जबकि इस बार 34 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। इस बार दोनों जिलों में 750 मीट्रिक टन ही गेहूं की खरीद की गई है। इस बार राज्य में 22.32 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 756 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीद किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में एमएसपी पर एक दशक का रेकॉर्ड 12 लाख 81 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी। जबकि श्रीगंगानगर मंडल में भारतीय खाद्य निगम, राजफैड, तिलम संघ व व्यापारी वर्ग ने 13 लाख 38 हजार 581 मीट्रिक टन की गेहूं खरीद की थी। पिछले एक दशक की बात करें तो वर्ष 2010-11 में एमएसपी पर 3 लाख 53 हजार 850 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी। इसके बाद इस वर्ष 750 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी।

कोटा का भी यही हालभारतीय खाद्य निगम की राज्य भर में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की स्थिति बहुत ज्यादा चल रही है। श्रीगंगानगर मंडल के बाद कोटा राज्य का 30 प्रतिशत गेहूं की खरीद करता है जबकि इस बार कोटा में साढ़े छह मीट्रिक गेहूं की खरीद हुई है।

सड़क हादसे में दो भाई सहित तीन की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ट्रक ने इलेक्ट्रिक स्कूटी को चपेट में ले लिया। हादसे में दो भाईयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात में प्रतापनगर थाना क्षेत्र प्रतापनगर चौराहा पर मार्बल से भरे ट्रक ने ई-स्कूटी को चपेट में ले लिया। हादसे में स्कूटी चालक करोल बाग दिल्ली निवासी विक्की उर्फ मनी कुमार पुत्र चन्द्रपाल सिंह, कुणाल (16) पुत्र चन्द्रपालसिंह तथा प्रीतम पहलवान गली सुदरवास हॉल सूखानाका निवासी, रोनक यादव (15) पुत्र बासु यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर प्रतापनगर थानाधिकारी दर्शनसिंह, हेडकांस्टेबल लालसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर मृतकों को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है।

डॉ. अर्चना सुसाइड प्रकरण में प्रसूता का पति व जेठ गिरफ्तार

लालसोट, (निसं)। उपखंड के आनंद हॉस्पिटल की महिला चिकित्सक अर्चना शर्मा सुसाइड प्रकरण में मृतक प्रसूता के पति लल्लू राम बैरवा एवं उसके जेठ भोमाराम बैरवा को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही दोनों आरोपियों के कब्जे से समझौता में पति व जेठ द्वारा लिए गए तीन लाख रुपयों को भी बरामद किया गया है।

■ समझौते में पति व जेठ द्वारा लिए गए तीन लाख रुपये बरामद किए

वहीं डॉ अर्चना सुसाइड प्रकरण में अब तक दस लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुसाइड प्रकरण में गिरफ्तार सभी दस आरोपी न्यायिक अभिरक्षा जेल में चल रहे हैं। महिला चिकित्सक सुसाइड प्रकरण में मुख्य आरोपी शिव शंकर जोशी उर्फ बल्या व खंडार के पूर्व विधायक संसदीय सचिव रहे जितेंद्र गोठवाल एवं कांग्रेस एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश सचिव रहे हरकेश मीणा शाहपुरा और भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पूर्व सरपंच हरकेश मीणा मटलाना सहित 8 आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद कोर्ट से मिले आदेशों पर सभी आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

इस महिला चिकित्सक सुसाइड प्रकरण में तत्कालीन थानाधिकारी अंकेश चौधरी एवं पुलिस उपाधीक्षक शंकर लाल मीणा को निलंबित किया था। इस घटनाक्रम को लेकर संभागीय आयुक्त ने उस समय लालसोट में पदस्थ रहे पुलिस उप अधीक्षक शंकर लाल मीणा एवं थानाधिकारी अंकेश चौधरी आदि के भी बयान लिए थे।

डेफलंपिक्स : धनंजय, पृथ्वी ने रजत जीता

कैक्सिय दो सुल (ब्राज़ील), 13 मई। पृथ्वी शेखर और धनंजय दूबे की पुरुष जोड़ी ने कैक्सियस दो सुल में चल रहे डेफ़ ऑलंपिक्स की टेनिस युगल प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला रजत पदक जीता। पृथ्वी-धनंजय की जोड़ी को फ्रांस के मिकाइल एलिक्स लौरेंट और विनसेंट नोवेली के ख़िलाफ़ गुरुवार को खेले गये फ़ाइनल मुकाबले में 6-7(5), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। क्वार्टरफाइनल में निकोलस सर्ज और मैक्सिम सांचेज को 6-0, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे पृथ्वी और धनंजय ने फाइनल में पहुंचने के लिए अर्जेंटीना के माटेओ जीसस और निकोलस गुस्तावो को 6-4, 6-0 से हराया। भारत ने अब तक डेफ़लंपिक्स में सात स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक सहित 12 पदक जीते हैं।

पूर्व चैम्पियन आमिर खान ने मुक्केबाजी से संन्यास की घोषणा की

लंदन, 13 मई। पूर्व लाइट-वेल्टरवेट विश्व चैम्पियन आमिर खान ने शानदार करियर के बाद मुक्केबाजी से संन्यास लेने की घोषणा की जिसमें 2004 एथेंस ओलंपिक में रजत पदक भी शामिल रहा। आमिर खान ने ट्विटर पर कहा, "अब संन्यास लेने का समय आ गया है।" पैंतीस साल के इस मुक्केबाज ने कहा, "मैं भाग्यशाली हूं कि मेरा 27 साल का करियर शानदार रहा।"

कोरोना मुक्त हुए शाकिब अल हसन

ढाका, 13 मई। श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ से पहले बांग्लादेश टीम ने राहत की सांस ली है क्योंकि उनके स्टार हरफ़नमौला शाकिब अल हसन कोरोना मुक्त हो चुके हैं। मंगलवार को शाकिब आरटीपीसीआर और रैपिड एंटीजन टेस्ट में पॉज़िटिव पाए गए थे। बांग्लादेशी टीम के एक अधिकारी ने बताया कि शाकिब शुक्रवार को चटगांव पहुंचेंगे जहां उन्हें मेडिकल और फ़िटनेस टेस्ट से गुज़रना होगा। इसके बाद ही टीम में उन्हें शामिल करने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। शाकिब 11 मई को टेस्ट दल के साथ जुड़ने वाले थे। हालांकि कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें क्वारंटीन में रहना पड़ा। बांग्लादेश ने उनके बदले किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की घोषणा नहीं की थी और शाकिब का वापस आना चोट से ठास्त टीम के लिए ख़ुशी की लहर से कम नहीं है। मेहदी हसन मिराज़ और तस्कीन अहमद क्रमश: उंगली और कंधे की चोट के चलते पहले ही टीम से बाहर हैं, जबकि टीम में चुने जाने के बावजूद शरीफ़ुल इस्लाम की फ़िटनेस पर संदेह बना हुआ है। गेंदबाज़ी के साथ-साथ बांग्लादेश की बल्लेबाज़ी को भी मध्य क्रम में शाकिब के अनुभव की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका में दो मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेशी टीम 53 और 80 के स्कोर पर सिमट गई थी। शाकिब की जगह को भरने के लिए टीम को दो खिलाड़ियों की ज़रूरत पड़ रही थी।

बेयरस्टो और लिविंग्स्टन के विस्फोटक अर्द्धशतकों से पंजाब की उम्मीदें कायम

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को 54 रन से हराया

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाईट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
बेयरस्टो का सिराज बो शाहबाज	66	29	4	7
धवन बो मैक्सवैल	21	15	2	1
राजपक्षा गा हर्षल बो हसरंगा	1	3	0	0
लिविंगस्टन का कार्तिक बो हर्षल	70	42	5	4
मयंक का हसरंगा बो हर्षल	19	16	3	0
जितेश बो हसरंगा	9	5	2	0
हरप्रीत का कार्तिक बो हर्षल	7	5	0	1
रिऋि बो हर्षल	7	3	0	1
राहुल रन आउट	2	2	0	0
रबाडा नाबाद	0	1	0	0
अतिरिक्त :	7			

कुल : कुल 20 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन

विकेट पतन : 1-60, 2-85, 3-101, 4-152, 5-164, 6-173, 7-208, 8-207, 9-209

गेंदबाजी : मैक्सवेल 2-0-17-1, हेजलवुड 4-0-64-0, सिराज 2-0-36-0, हसरंगा 4-0-15-2, शाहबाज 4-0-40-1, हर्षल 4-0-34-4

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु	रन	गेंद	4	6
कोहली का राहुल बो रबाडा	20	14	2	1
डु प्लेसिस का जितेश बो ऋषि	10	8	2	0
पाटीदार का शिखर बो राहुल	26	21	1	2
लोमरोर का शिखर बो ऋषि	6	3	0	1
मैक्सवेल का अर्शदीप बो हरप्रीत	35	22	3	1
कार्तिक का भानुका बो अर्शदीप	11	11	1	0
शाहबाज का भानुका बो रबाडा	11	7	2	0
हर्षल का मयंक बो रबाडा	11	7	2	0
हसरंगा का हरप्रीत बो राहुल	1	3	0	0
सिराज नाबाद	9	13	1	0
हेजलवुड नाबाद	7	4	1	0
अतिरिक्त :	10			

कुल : 20 ओवर में 9 विकेट पर 155 रन

विकेट पतन : 1-33, 2-34, 3-40, 4-104, 5-104, 6-120, 7-124, 8-137, 9-142

गेंदबाजी : हरप्रीत 4-0-33-1, अर्शदीप 4-0-27-1, रबाडा 4-0-21-3, ऋषि 4-0-36-2, राहुल 4-0-36-2

मुम्बई, 13 मई। जानी बेयरस्टो (66) और लियाम लिविंग्स्टन (70) के विस्फोटक अर्धशतकों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल मुकाबले में शुक्रवार को 54 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा।

पंजाब ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 209 रन का मजबूत स्कोर बनाया और फिर बेंगलुरु के चैलेंज को 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रनों पर रोक दिया। पंजाब की 12 मैचों में यह छठी जीत है और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया है। बेंगलुरु को 13 मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह चौथे स्थान पर बरकरार है। बेंगलुरु को प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों के लिए अपना आखिरी मैच हर हाल में जीतना होगा।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरे पंजाब ने तूफानी शुरुआत करते हुए पॉवरप्ले में बेंगलुरु के गेंदबाजों का धुंआ निकाल दिया। पहले बल्लेबाज के रूप में शिखर धवन जब पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए तो उस समय पंजाब का स्कोर 60 रन पहुंच चुका था। बेयरस्टो ने कातिलाना अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मात्र 29 गेंदों में चार चौकों और सात छक्कों की मदद से 66 रन बनाये। शिखर 15 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। लिविंग्स्टन ने 42 गेंदों पर 70 रन में पांच चौके और चार छक्के लगाए।

हरप्रीत बराड़ और ऋषि धवन ने भी सात-सात रन की पारियों में एक-एक छक्का लगाया। कप्तान मयंक अठावाल ने 16 गेंदों पर तीन चौकों के सहारे 19 रन बनाये। बेंगलुरु के गेंदबाज़ इस मुक़ाबले में काफ़ी महंगे सिद्ध हुए। मोहम्मद सिराज और जॉश हेज़लवुड ने मिलकर छह ओवर में सौ रन लुटा दिए, हेज़लवुड ने चार ओवर में जहां 64 रन दिए, वहीं सिराज ने दो ओवरों में 36 रन खर्च कर डाले। हालांकि हसरंगा ने अपने कोटे के ओवरों में सिर्फ़ पंद्रह रन दिए और दो विकेट भी अपने नाम किए। हर्षल पटेल ने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट हासिल किये।

भारत 43 साल बाद थॉमस कप के सेमीफाइनल में

बैंकाक, 13 मई। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने गुरुवार को मलेशिया को 3-2 से हराकर 43 साल के लम्बे इन्तजार के बाद थॉमस कप टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत इससे पहले तीन बार-1952, 1955 और 1979 में सेमीफाइनल में पहुंचा था। भारत 2020 में पिछले संस्करण के क्वार्टरफाइनल में हार गया था। भारत का सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया और डेनमार्क के बीच मुकाबले के विजेता से मुकाबला होगा। किदाम्बी श्रीकांत, एच इस प्रणय और चिराग शेट्टी तथा सात्विक सैराज रन्किरेड्डी की जोड़ी ने अपने अपने मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन अपना मुकाबला हार गए। पहले मैच में लक्ष्य सेन को विश्व के नंबर छह खिलाड़ी ली ज़ी जिया ने हरा दिया, जिसके बाद भारतीय टीम बैकफुट पर चली गई। इस मैच से पहले सेन ने ज़ी जिया के खिलाफ खेले गए दोनों मैच जीते थे।हालांकि इस मैच में मलेशिया के ज़ी जिया सेन पर हावी रहे और उन्होंने सेन को 23-21, 21-9 से मात दी।

शेट्टी और रन्कीरेड्डी की भारतीय पुरुष जोड़ी ने दूसरे मैच में स्कोर बराबर किया। इस जोड़ी ने फॉर्म में चल रहे गोह स्ज़े फी और नूर इज़ुद्दीन को हराकर मैच 21-19, 21-15 से जीता। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने इसके बाद तीसरे मुकाबले में भारत को बेहद जरूरी बढ़त दिलाई। श्रीकांत ने एनजी त्ज़े योंग को सीधे गेमों में 21-11, 21-17 से हराया। मलेशिया को चौथे मैच में वापसी करवाते हुए आरोन चिया और टीओ ई ने कृष्णा प्रसाद और विष्णुवर्धन पंजाला को 21-19, 21-17 के अंतर से हराया। रोमांच से भरे फाइनल टाई में, प्रणय ने भारत को थॉमस कप के सेमीफाइनल में ले जाने के लिये लिओंग जून हाओ के खिलाफ मैच को 21-13, 21-8 से जीत लिया।

विश्वनाथन आनंद फिडे के उपाध्यक्ष का चुनाव लड़ेंगे

चेन्नई, 13 मई। पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद को अंतरराष्ट्रीय शतरंज संघ (फिडे) के उपाध्यक्ष के पद के लिये उम्मीदवार घोषित किया गया है। आनंद का नाम फिडे के अध्यक्ष आरकेडी वारकोविच की अध्यक्ष टीम के हिस्से के रूप में घोषित किया गया है। आनंद ने इस बारे में ट्वीट करते हुए कहा, "शतरंज के उज्जवल और बेहतर भविष्य का हिस्सा बनने की आशा करता हूं।" ट्वीट में कहा गया कि यदि वोरकोविच अगस्त 2022 में (विश्व चेस ऑलंपियाड के दौरान) चेन्नई में होने वाले फिडे चुनाव जीत जाते हैं तो विश्वनाथन आनंद फिडे के उपाध्यक्ष बन जाएंगे। इस बारे में वोरकोविच ने कहा, "प्रिय साथियों और शतरंज खेलने वाले मित्रों, फाइड अध्यक्ष चुनावों के लिये मैं खुशी के साथ अपनी मौजूदा टीम प्रस्तुत करना चाहूंगा। आरकेडी वोरकोविच- अध्यक्ष, विश्वनाथन आनंद- उपाध्यक्ष (डिप्टी प्रेसिडेंट), जू चेन-कोषाध्यक्ष, जोरियान ऑलिन जैनसन- उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट), माहिर मामेदोव- उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट)।" उल्लेखनीय है कि आनंद ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह चुनाव में वोरकोविच का पूर्ण समर्थन करेंगे।

बाकी बचे दो मुकाबलों से भी बाहर रह सकते है पृथ्वी

मुम्बई, 13 मई। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ पृथ्वी शॉ लीग स्टेज में बचे दिल्ली के दोनों मुक़ाबलों से भी बाहर रह सकते हैं। टीम के सहायक कोट शेन वॉटसन ने पृथ्वी के स्वास्थ्य को लेकर बरकरार संशय पर अपने बयान में कहा कि लीग स्टेज के अंतिम दो मुक़ाबलों में शॉ के खेलने की संभावना कम ही है। शॉ को बुखार हो गया है वॉटसन ने गुरुवार को ठोड क्रिकेटर पॉडकास्ट से कहा, "मैं उनके निदान को ठीक से नहीं जानता, लेकिन उन्हें पिछले कुछ हफ़्तों से यह अंतर्निहित बुखार है, जिसे खोजने के लिए उन्हें वास्तव में इसकी तह तक जाना पड़ा है।

मैं चयनकर्ता होता तो कार्तिक को टी-20 विश्वकप के लिये चुनता : हरभजन

कोलकाता, 13 मई। पूर्व भारतीय ऑफ़-स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल 2022 में दिनेश कार्तिक के प्रदर्शन की तारीफ़ करते हुए कहा है कि अगर वह चयनकर्ता होते तो दिनेश कार्तिक को टी20 वर्ल्ड कप के लिये भारतीय टीम में जगह देते।

स्टार स्पोर्ट्स पर गेमप्लैन एपिसोड के दौरान हरभजन ने कहा, "दिनेश कार्तिक ने आरसीबी के लिये बेमिसाल प्रदर्शन किया है। वह ऑफ़ साइड्स से ज़्यादा बेहतर शॉट लेग साइड में खेलते हैं, अच्छी तरह सिंगल भी लेते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि उनकी खासियत यह है कि वह खेल को अच्छी तरह समझते हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है तो वह मैच को खत्म करते हैं। मेरे अनुसार अगर किसी ने पूरे आईपीएल में फिनिशर का किरदार सबसे अच्छी तरह निभाया है तो वह कार्तिक हैं।"

उन्होंने कहा, "अगर मैं एक चयनकर्ता होता तो मैं उन्हें विश्व कप टी20 के लिए ऑस्ट्रेलिया का टिकट देता और उन्हें भारत के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज़ के रूप में खेलने देता क्योंकि वह इसके हकदार थे। अगर कभी भारतीय क्रिकेट टीम को सर्वश्रेष्ठ फिनिशर की जरूरत होती है तो वह दिनेश होना चाहिए। कार्तिक और हार्दिक पांड्या के साथ वे एक बहुत शक्तिशाली टीम बन जाते हैं। वैसे भी, मैं भविष्य में बहुत दूर तक बात नहीं करूंगा लेकिन हां, एक बार फिर, मुझे कहना होगा कि दिनेश कार्तिक इस सीज़न में अविश्वसनीय रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि उन्हें थोड़ा जल्दी बल्लेबाज़ी करने का मौका मिलेगा। उनके लिए खेल खत्म करने के लिए 15-16 ओवर काफी हैं।"

इस सीजन में बैंगलोर पर दिनेश कार्तिक के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर कोच संजय बांगर ने कहा कि वह आरसीबी के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और युवा खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने में भी मदद कर रहे हैं।

संक्षिप्त

पिंकी कामदार अध्यक्ष मनोनीत

रामगढ पचवारा, (निसं)। स्थानीय निवासी पिंकी कामदार को रामगढ़ पचवारा उपखंड क्षेत्र की विश्व ब्राह्मण महासभा ट्रस्ट द्वारा महिला ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। समाज के प्रति समर्पण एवं निष्ठा को देखते हुए ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवनारायण जैमन के द्वारा प्रकाश चंद्र गौड के अनुशंसा पर पिंकी कामदार को रामगढ पचवारा क्षेत्र की महिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पिंकी कामदार को विश्व ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के उपखंड ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत करने पर क्षेत्र की महिला मंडल द्वारा खुशी व्यक्त की गई है।

भामाशाह ने प्रिंटर भेंट किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बस्सी में भामाशाह घनश्याम शर्मा द्वारा शुक्रवार को एचपी जेट टैंक एमएफपी 1005 मॉडल का प्रिंटर राशि 23 हजार 633 रुपये का भेंट किया गया। प्रिंटर भेंट करने पर एसएमसी सदस्यों और विद्यालय स्टाफ द्वारा उनके प्रतिनिधि हरि ओम मंगावा व फूल चंद शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया साथ ही पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष अनिल निठारवाल, उपसरपंच संजय कुमार, संगीता निठारवाल, सुरेश जाट, रामचंद्र महला, मंजू देवी, बिमलेश शर्मा, कमलेश कुमार सैनी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीन घण्टे बिजली बंद आज

निवाई, (निसं)। दशहरा मैदान फीडर पर शनिवार को मरम्मत कार्य किया जाएगा। जिसको लेकर शहर में तीन घण्टे बिजली बंद रहेगी। कनिष्ठ अभियंता सचिन मीणा ने बताया कि शनिवार को दशहरा मैदान फीडर पर सुबह 7 से 10 बजे तक मरम्मत कार्य किया जाएगा। जिससे कीर कॉलोनी, कल्याण नगर, राधे विहार कॉलोनी, गणेश नगर, भरकुंआ तालाब रोड, दशहरा मैदान के आसपास के क्षेत्र की तीन घंटे बिजली बंद रहेगीं।

कूलर के अभाव में मरीज परेशान

अलवर, (निसं)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ गर्मी से राहत के लिए कूलर की व्यवस्था नहीं होने से प्रसूताओ ओर उनके परिजनों को पंखे में ही दिन गुजारने पड़ रहे हैं और उस पर भी ज्यादातर बिजली ना आने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को गरमी में ही रहना पडता है। वहीं दूसरी ओर अलावडा आदि ग्रामों में पूर्व में पीएचसी से सीएचसी में क्रमोन्नत होने के बाद भी लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ में ज्यादा विश्वास कर प्रतिदिन सैकडों की संख्या में यहां पर पहुंचते हैं। लेकिन गर्मी के कारण प्रसूता और तीमारदारों को गर्मी में परेशानी का सामना करना पडा रहा है।

जेईएन राकेश ने संभाला कार्यभार

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम नारेहडा विधुत उपकेन्द्र पर नवनियुक्त जेईएन राकेश जाजडा ने शुक्रवार को कार्य संभाला। इस दौरान एईएन उधम सिंह यादव व जेईएन परमजीत यादव ने नवनियुक्त जेईएन जाजड़ा का माला एव साफा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर निगम के कर्मचारियों एवं ठेकेदारों ने जेईएन को मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

प्रभारी मंत्री शाले मोहम्मद ने बैठक में जरुरी निर्देश दिये

अल्पसंख्यक मामलात, जल उपयोगिता विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री शाले मोहम्मद ने टोंक में अधिकारियों की बैठक ली।

टोंक, (निसं)। प्रदेश के अल्पसंख्यक मामलात, वक्फ, उपनिवेषन कृषि सिंचित क्षेत्र विकास, जल उपयोगिता विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री शाले मोहम्मद ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट में अधिकारियों की बैठक ली। इसके बाद पत्रकारों से वार्ता की। इसमें राज्य सरकार की ओर से की गई बजट घोषणाओं का बखान किया लेकिन स्थानीय मुद्दों पर चुप्पी साध ली।

उनसे जिला मुख्यालय पर अटके विकास को लेकर सवाल किए। इस पर वो प्रदेशभर में हुए कार्य गिनाने लगे।

■ **जिला प्रभारी मंत्री ने स्थानीय मुद्दों पर साधी चुप्पी**

वहीं सवालों से भी बचते रहे। इससे पहले अधिकारियों की बैठक में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप स्कीम से अधिकाधिक पात्र लोगों को जोडे ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ जरूरतमंद व्यक्ति को मिल सकें। आमजन की समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध सीमा में करें। समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, सीईओ देशलदान एडीएम परशुराम धानका, निवर्तमान जिला अध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता, युवा नेता कांग्रेस हंसराज गाता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रभारी मंत्री ने सीएमएचओ डॉ अषोक कुमार यादव को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में जिले के शत प्रतिषत परिवारों को जोडने के निर्देष दिए। जिससे इस योजना का लाभ हर परिवार को मिलें। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत खाद्य सामग्री में असुरक्षित पाए गए सैम्पल पर मिलावटी खाद्य पदार्थ आपूर्तिकर्ता के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही करने पर जोर दिया। उन्होंने स्वायत्त शासन विभाग की इंदिरा रसोई योजना में जरूरतमंद लोगों को शुद्ध पौष्टिक भोजन देने के लिए नगर परिषद आयुक्त को निर्देष दिए। जिले में बजट घोषणा 2022.23 के तहत टोंक जिले में 13 नवीन इंदिरा रसोई योजना के स्थान चिन्हिकरण की जानकारी ली। इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना में ज्यादा से ज्यादा लोगों के ऋण स्वीकृत किए जाए इसके लिए बैंकर्स के साथ लगातार बैठक करने के निर्देष दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना सीधे गरीबों के कल्याण से जुडी हुई है। जिला प्रभारी मंत्री ने घर-घर औषधि योजना में दिए गए पौधों में जीवित पौधे की वास्तविक स्थिति की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों से ली। उन्होंने विद्युत एवं पेयजल विभाग के अधिकारियों को भीषण गर्मी में आमजन की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि विद्युत विभाग कृषि व घरेलू कनेक्शनों के पेंडिंग प्रकरणों का नियत समय पर निस्तारण करें।

तालाब में तैरता मिला युवक का शव

चाकसू,(निसं)। कस्बे के नाग घाट बालाजी की पाल के पास गोलीराव तलाब में सुबह युवक का तैरता हुआ शव मिला है। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मौके पर पहुंची चाकसू पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस थाना चाकसू गौलीराव तालाब में शुकवार को युवक का तैरता हुआ शव बरामद हुआ है।

शव की शिनाख्त 27वर्षीय अशोक अग्रवाल के रूप में की गई है। मृतक चाकसू कस्बे का रहने वाला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चाकसू एसएचओ यशवंत सिंह के मुताबिक तालाब में नहाने के लिए गए स्थानीय लोगों की नजर पानी के ऊपर तैरते शव पर पडी। मामले की सूचना चाकसू पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव की स्थिति देखकर यह प्रतीत हो रहा है कि शव एक दिन से तालाब में पडा था। ज्यादा देर तक शव पानी में रहने के कारण काफी फूल चुका था। हालांकि, चाकसू पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। परिवार वालो ने बताया की युवक कल सुबह नो बजे से घर से निकला था।

सार-समाचार

पट्टा वितरण शिविर का शुभारंभ

पावटा, (निसं)। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका में पट्टे वितरण कैप का पहला दिन रहा जिसमें नगरपालिका की प्रथम चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल के हाथों से 1 पट्टा संतरा वाल्मीकि निवासी पावटा को देकर कैप की शुभारंभ किया गया। पट्टा प्राप्त कर के संतरा वाल्मीकि ने खुशी जाहिर की। नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार से कैप का शुभारंभ करते हुए नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल ने कहाँ कि हमारे प्रयास रहेंगे की जल्द से जल्द सभी को पट्टे वितरण कर सके। मेरा लक्ष्य पट्टे ही नही इतना रहेगा की पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका में ज्यादा से ज्यादा विकास कार्य हो। पट्टा वितरण कैप में वाइस चेयरमैन नरपत सिंह शेखावत, सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, विजय गुप्ता वार्ड पार्षद, लोकेश शर्मा वार्ड पार्षद, संजय वार्ड पार्षद, संजय गोयल, बिहारी अग्रवाल, रिक्की शर्मा एवं समस्त नगरपालिका स्टाफ मौजूद रहा।

सरपंच, पंचायत सचिव पर राजकोष का दुरुपयोग करने का आरोप

टोंक, (निसं)। ग्राम पंचायत नासिरदा के वार्ड पंचों एवं ग्रामीणों ने सरंपच किरण देवी, एवं पंचायत सचिव पर झूंठी एफआईआर दर्ज करवाने एंव राजकोष का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी एवं सीईओ देशलदान को ज्ञापन देकर मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषियों को जल्द गिरफ्तार किये जाने की मांग की है। नासिरदा ग्राम पंचायत के वार्ड पंचों एवं ग्रामीणों ने दिये ज्ञापन में बताया कि सरपंच किरण देवी, पंचायत सचिव अमित कुमार दाधिच पंचायत के विकास कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार कर राजकोष का गबन किया जा रहा है, जो निर्माण कार्य नहीं हुआ उसका भी भुगतान उठा लिया गया है, साथ ही ग्रामीणों द्वारा एतराज जताने पर संरपच द्वारा उल्टे पंचों व ग्रामीणों के विरूद्व एससी/एसटी एक्ट में फर्जी एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। अधिकारियों को दिये ज्ञापन में सार्वजनिक स्थान पर चार दीवारी निर्माण में कार्य एजेंसी, सरपंच, सचिव एवं ठेकेदार द्वारा अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की जांच कराने, सरपंच द्वारा सीआर पति एवं अन्य ग्रामीणों पर दर्ज कराए झूंठे मुकदमे वापस लेने और सरपंच किरण देवी सांसी द्वारा किये गबन पर एफआईआर दर्ज कर जांच रिपोर्ट के आधार पर उनका निलंबन करने की मांग की है। इस अवसर पर महावीर, दीपक सोनी, पवन कुमार, सत्यनारायण शर्मा, रामदेव, मुकेश, गणेश एवं श्याम आदि मौजूद थे।

शिक्षक संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

लालसोट/रामगढ पचवार, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के सीबीईओ गोविंद नारायण माली पर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर की जा रही जांच के दौरान सीबीईओ पर बेबुनियाद आरोपों की दर्ज प्रार्थामिकी को लेकर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावरी में कार्यरत रही पूर्व व्याख्याता ममता चौहान व्याख्याता के खिलाफ विभिन्न कर्मचारी संघों ने निंदा प्रस्ताव पारित किया व उपखंड अधिकारी लालसोट को ज्ञापन दिया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक संघ के अध्यक्ष हनुमान मीना, प्रेमचंद मीना, नरेंद्र गडवाल, रामबाबू सैनी प्रधानाचार्य, पंचायत संघ के अध्यक्ष रमेश चंद योगी, गुलाब चंद मीना, ओमप्रकाश शर्मा, प्रबोधक संघ दौसा के जिला संरक्षक मुकेश सैनी, रामनारायण मीना व्याख्याता, विष्णुशर्मा, मोहन लाल, रास्ट्रीय शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष किशोर कुमार सैनी, ओ.पी.शर्मा, रमेश चंद अध्यापक, मनभावन सैनी, रामजीलाल शर्मा रेसला शिक्षक संघ रामगढ पचवारा के प्रवक्ता चंद्रप्रकाश सैनी, सुरेश कुमार व्याख्याता, रामकिशोर सैनी व.अ., राजेश कुमार सैनी व्याख्याता, राजेशकुमार व.अ. दिनेश कुमार सैनी अध्यापक शिक्षक संघों ने घटना की निष्पक्ष जाँच की माँग की है।

अभियान के तहत लगाए परिंडे

पावटा, (निसं)। भाजपा की ओर से सेल्फी विद परिंडा अभियान के तहत विराटनगर क्षेत्र में कई गांवों में रानी रत्नाकुमारी की ओर से पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। सूरजपुरा, बहादुरपुरा, लुहाकाना खुर्द, जयसिंहपुरा में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूरण मीणा, कृष्ण सिंह शेखावत, अभय सिंह, रविंद्र सिंह, भागवत सिंह, केसर सिंह, देशराज सिंह, शकील मियां, सदीक मियां, अजीत सिंह इस दौरान मौजूद रहे व क्षेत्र की महिलाओं व पुरुषों ने भी परिंडे बांधे और परिंडों को पानी से भरा। पक्षियों का जीवन हमारे लिए अति आवश्यक है। परिंदों के संरक्षण, भीषण गर्मी में पेयजल, दाना-पानी की व्यवस्था करना हम सभी का फर्ज है।

शिविर में नौ पट्टे बांटे

फुलेरा, (निसं)। राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत चलाये जा रहे अभियान प्रशासन शहरों के संग के दौरान कस्बे के श्रीराम नगर स्थित दादू आश्रम में शिविर आयोजित किया। पालिका ईओ राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर में 9 पट्टे जारी कर वितरण किये गये। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष संगीता अग्रवाल प्रतिनिधि जितेन्द्र अग्रवाल, गजेन्द्र सिंह शेखावत, जेइएन हरीश बनशिया, स्वास्थ्य निरीक्षक सुरेश कुमार बैरवा, आरती गुर्जर, राकेश वर्मा, किशन कुमार, दुर्गा सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा लोगों को गुमराह कर हिंसा का प्रयास करती हैं : डॉ. कल्ला

अलवर, (निसं)। अलवर के प्रभारी मंत्री डॉ बीडी कल्ला शुक्रवार को अलवर आए। उन्होने यहां अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में पेयजल, पट्टे, जनता से जुडे अन्य कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इसके बाद कल्ला ने पत्रकारों से बातचीत की। जिसमें उन्होंने बीजेपी के बडे नेताओं पर प्रहार किया। बीजेपी के नेता आमजन को गुमराह कर हिंसा कराने का प्रयास करते हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जब सवाईमाधोपुर आए। उसके अगले दिन ही करौली में हिंसा का प्रयास हुआ। मतलब पार्टी के बड़े नेता इसी दिशा में काम करते हैं। ताकि माहौल खराब हो। जहां-जहां चुनाव आते हैं इनके नेता इसी एजेंडे पर काम करते हैं।

कल्ला ने अलवर के राजगढ़ में मंदिर तोडने के मामले में नगरपालिका को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि राजगढ़ नगर पालिका में बीजेपी का बोर्ड है। यहां 35 में से 34 बीजेपी के पार्षद हैं। नगर पालिका बोर्ड ने अतिक्रमण हटाने का निर्णय किया। इसके बाद अतिक्रमण हटाने के साथ मंदिर तोड़ने के मामले में सरकार ने उचित एक्शन भी लिया है।

बीजेपी के नेताओं को लेकर कहा कि मनगढंत बातें कर जनता को गुमराह करने का प्रयास करते हैं। जबकि प्रदेश की कांग्रेस सरकार केवल जनता से जुड़े मसलों को सुलझाने में लगी है। वहीं बीजेपी के नेता आमजन को गुमराह करने में लगे हैं। प्रभारी मंत्री ने अलवर के दो मामलों में कलेक्टर व एसपी की जल्दबाजी मानी। राजगढ़ मामले में कहा कि प्रशासन की गलती इतनी रही कि मूर्ति टूटने को लेकर पूरी जानकारी लेकर सार्वजनिक करते। दूसरा तिजारा पुलिया पर मूकबधिर नाबालिग के लहूलुहान मिलने की घटना को लेकर कहा कि उसमें भी पुलिस का जल्दबाजी में बयान जारी किया गया।

बीसूका उपाध्यक्ष ने जनता दरबार लगाकर समस्याओं का निस्तारण किया

मालपुरा/डिग्गी, (निसं)। बीसूका उपाध्यक्ष डॉ चंद्रभान ने शुक्रवार को मालपुरा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे के दौरान डिग्गी स्थित कल्याण महाराज के दर्शन कर मालपुरा के डाक बंगले में जनता दरबार लगा जनसुनवाई की।

बीसूका उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान के मालपुरा सीमा में प्रवेश पर नगरपालिका अध्यक्ष आशा नामा व अन्य मौजूद कांग्रेसजनों व प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने अगवानी कर अभिनन्दन किया। इस दौरान ग्राम डिग्गी में अपनी पत्नी शशिभान के साथ कल्याण महाराज के दर्शन कर देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर ट्रस्ट द्वारा माला व दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। पुजारी व ट्रस्ट सदस्य गिर्राज शर्मा व जयप्रकाश शर्मा द्वारा कल्याण महाराज की तस्वीर भेंट की गई। इस मौके पर ग्रामीणों द्वारा पंचायत भवन को पूर्व में निर्धारित स्थान पर ही निर्माण कराए जाने की मांग की जिस पर चन्द्रभान ने नवीन

■ **डिग्गी में लोगों की मांग अनुसार निश्चित स्थान पर बनेगा पंचायत भवन**

भवन को निरस्त कर निर्धारित स्थान पर ही भवन निर्माण का विश्वास दिलाया तथा किरावल बांध का पानी डिग्गी को दिलाए जाने का आश्वासन दिया।

मालपुरा डाक बंगले में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें एसडीएम रामकुमार वर्मा डीवाईएसपी सुशील मान सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान डॉ. चन्द्रभान ने कहा कि प्रदेश में साम्प्रदायिक तनाव की घटनाऐं विकास में सबसे बडी बाधा है। जहां शांति व सद्भाव है वहीं विकास होता है। जनसुनवाई के दोरान क्षेत्र के लोगो ने पानी बिजली, चिकित्सा के अलावा क्षेत्र के जीर्ण शीर्ण हो चुके राजस्व नक्शों की जानकारी देकर इनके शीघ्र समाधान की मांग की। बृजलाल नगर में पानी की निकास, मौहल्ला सादात में पानी की टंकी का निर्माण करवाने, मालपुरा राजकीय महाविद्यालय में ऊर्दू संकाय खोलने, नामदेव समाज ने घाटी रोड पर भूमि आवंटन करवाने, लाम्बाहरिसिंह में कृषि मण्डी शुरू करवाने, शहर में ट्रेक्टरों के जरिए बजरी परिवहन की स्वीकृति जारी करवाने सहित एक सौ से अधिक जन समस्याऐं रखी। जिनका मौके पर मौजुद अधिकारियौं को निर्देश प्रदान कर निस्तारण करवा आम जन को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान ब्लाक अध्यक्ष रामदेव बैरवा, पालिकाध्यक्ष आशा नामा, पालिका उपाध्यक्ष पवन मेन्दवास्या, डीआर छोगालाल गुर्जर, शहर अध्यक्ष इश्हाक नकवी युवा नेता महावीर नामा, डीआर रहे किशनलाल फगोडिया, एडवोकेट गोविंद चौधरी, अनवारलाला, नीतिल कुमावत, सहित कई सैकडो कांगे सजन मौजूद रहे।

पूर्व विधायक व पालिकाध्यक्ष ने ईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

किशनगढबास, (निसं)। पूर्व विधायक रामहेत यादव व पालिका अध्यक्ष तारामणि सिंघल ने शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष के निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए ईओ पर लगाए है। प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के सामने पूर्व विधायक यादव ने नगर पालिका ईओ महेश गुर्जर पर मनमानी और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा अतिक्रमण के नाम पर नोटिस का खेल खेला जा रहा है। सरकार की पट्टा देने की योजना सुविधा शुल्क की भेंट चढ चुकी है। एक लाख से नीचे कराए जा रहे विकास के कार्य व खरीद-फरोख्त में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। विकास के टेंडर लगाए तो जाते हैं लेकिन उन्हें खुलने से पहले उन्हें निरस्त कर दिया जाता है।

पालिका अध्यक्ष तारामणि सतीश सिंघल ने कहा उन्होंने क्षेत्रीय विधायक दीपचंद खैरिया और एसडीएम किशनगढबास को अधिकारी के द्वारा की जा रही लूट खसोट व नियम विरुद्ध किए जा रहे कार्यों की शिकायत की जिससे नाराज होकर अधिकारी ने मेरे पर संज्ञान में लाए जाने की जगह सीधे कार्य करने शुरू कर दिए यहां तक की कार्मिकों को भी मेरे द्वारा बताए गए कार्य करने के लिए मना कर दिया और कार्यक्रमों की सूचना भी एक आम पार्षद की तरह मुझे दी जाने लगी। अध्यक्ष ने बताया 3 दिन से लगातार मेरे स्वयं के वार्ड में प्रशासन शहर के संग शिविर चल रहा है लेकिन अधिकारी तीनों दिन वीसी होने की बात कहकर उपस्थित नहीं हुए। पूर्व विधायक यादव और पालिका अध्यक्ष तारामणि सिंघल ने कहा कि अधिकारी ने अपनी कार्यशैली मैं सुधार नहीं किया तो कलेक्टर व सीएम से मिलकर अधिकारी की शिकायत करेंगे।

किशनगढ़बास में पूर्व विधायक रामहेत यादव व पालिका अध्यक्ष तारामणि सिंघल ने ईओ की मनमानी को लेकर प्रेस वार्ता की।

देवली में शराब की आठवी दुकान अवैध संचालित

देवली, (निसं)। शहर में अवैध तौर से संचालित शराब की दुकान के मामले में आबकारी विभाग के अधिकारियों की मिली भगत सामने आई है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की आबकारी नीति के तहत देवली शहर के लिए विभाग ने मदिरा की कुल सात दुकानें आवंटित की है। मगर शहर में इन दिनों मदिरा की 8 दुकाने संचालित हो रही हैं। अगर विभाग के नियमों के अनुसार देखा जाए तो मदिरा की आठवीं उक्त दुकान अवैध रूप से संचालित होने का मामला दिखाई पड रहा है। ऐसे में शहर के बीच में संचालित उक्त मदिरा की दुकान विभाग की नीति पर सवालिया निशान खडा किए हुए हैं। टोंक जिला आबकारी विभाग के रिकॉर्ड दस्तावेज में सत्र 2022/23 की आबकारी नीति के तहत देवली शहर में मदिरा की कुल 7 दुकानें निर्धारित होकर अनुज्ञाधारियों आवंटित किए जाने का रिकॉर्ड इंद्राज किया हुआ है तो फिर शहर के नेक चाल रोड पर बैरवा मोहल्ले के बाहर मदिरा की आठवीं दुकान किस नीति नियमों के तहत संचालित हो रही है। शहर के वार्ड नंबर 4 के क्षेत्रवासियों ने बताया कि शराब की आठवीं दुकान बाहुल्य दलित वार्ड में अवैध तौर पर संचालित हो रही है।

जब मीडिया ने उक्त दुकान के संचालन की जानकारी मांगी तो निरीक्षक ने बताया कि शराब की उक्त दुकान के विरुद्ध मामला (केस) बना दिया गया है और उक्त शराब की आठवीं दुकान को बंद करा दिया है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब निरीक्षक ने मीडिया की सूचना पर उक्त दुकान के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया था तो फिर शराब की उक्त आठवीं दुकान बुधवार तक कैसे संचालित होती रही है।

एसडीएम का स्वागत

चौंम/कालाडेरा, (निसं)। पंचायत समिति जालसू के बरना गांव में छोरो मारवाडी शो पर उपजिला कलेक्टर प्रियव्रत सिंह चारण पहुंचे।

आवश्यकता
फैक्ट्री में कार्य हेतु हेल्परों की आवश्यकता
वेतन 11500/- प्रतिमाह पता-एच-174
मालवीय औद्योगिक क्षेत्र जयपुर फोन-
0141-2751714-15

35 लाख की लागत के एसी रिटायरिंग रूम का उद्घाटन

रींगस, (निसं)। रींगस जंक्शन पर 35 लाख की लागत के बने दो एसी व दो नोन एसी रिटायरिंग रूम का सीकर सांसद सुमेधानन्द सरस्वती व उत्तर पश्चिमी रेलवे के डीआरएम नरेन्द्र कुमार ने उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद सुमेधानन्द सरस्वती व डीआरएम ने बताया की जल्द ही प्रयागराज जयपुर ट्रेन का विस्तार बीकानेर तक किया जायेगा।

इस ट्रेन को इसी माह चलने की उम्मीद है। उन्होने बताया की शेखावाटी रूट पर लम्बी दूरी की अनेक ट्रेने जल्द ही संचालित होने की सम्भावना है। इससे लोगों को लम्बी दूरी की ट्रेनो के लिए दूसरी जगहों पर नहीं जाना पडेगा। डीआरएम ने बताया की रींगस जंक्शन का विकास धार्मिक रेलवे स्टेशन के रूप में किया जा रहा है। यहा पर प्रतिदिन 5 हजार यात्रियों का दवाब है। ऐसे में जंक्शन पर अनेक विकास कार्यो के साथ साथ सुविधाओं में विस्तार होगा। खाटू श्यामजी के यात्रियों को देखते हुए लम्बी दूरी की ट्रेनों को अतिशीघ्र ही चलाया जायेगा। इसके लिए शिड्यूल तैयार किया जा रहा है। क्लिरेंस मिलते ही धडाधड ट्रेने शुरू हो जायेगी।

सीकर सांसद सुमेधानन्द सरस्वती व उत्तर पश्चिमी रेलवे के डीआरएम नरेन्द्र कुमार ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

■ **शेखावाटी को मिलेंगी अनेक ट्रेनों की सौगात**

सांसद सुमेधानन्द सरस्वती व डीआरएम ने बताया की रींगस की जनता की अनेक रेलवे सम्बंधी समस्याओ का समाधान जल्द ही पूरा कर लिया जायेगा। रेलवे जंक्शन पर आरपार फुट ऑवर ब्रिज जल्द ही तैयार हो जायेगा। पालिकाध्यक्ष अशोक कुमार कुमावत ने अनेक मांगे रखी। इस पर डीआरएम ने बताया की गंदे पानी की समस्या को जल्द ही निपटारा कर लिया जायेगा।

इस मौके पर उप जिला प्रमुख ताराचन्द्र धायल, नगर पालिका उपाध्यक्ष अमित शर्मा,घासीराम कुमावत, पार्षद अखिलेश भातरा, अंकित शर्मा स्टेशन अधिक्षक सुखेदव सिंह महला,ओम प्रकाश कुमावत, पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष बोदू राम कुमावत सहित अनेक लोग मौजूद थे।

विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित

बानसूर, (निसं)। स्थानीय पीजी महाविद्यालय में संचालित चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ.सौरभ, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ॰मंजीत सिंह, जेएनयू दिल्ली शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूवात माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों का महाविद्यालय परिवार की तरफ से स्वागत किया गया। संस्था के महासचिव डॉ.अजय कुमार ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। साथ ही जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि डॉ॰सौरभ ने कहा कि इंसान को अपने सपने को साकार करने के लिए अथक मेहनत करते हुए धैर्य के साथ आगे बढते रहना चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी गई तथा परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन महाविद्यालय की छात्रा प्रीति यादव और छात्र विकास शर्मा ने किया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	13877295 एवं 22250777	गृह ऋण तथा सम्पत्ति पर ऋण	1. राजेश कुमार चंदेल 2. शिमला चंदेल	09.05.2022	15,21,528.11/-	प्लाट नं. 106-ए, क्षेत्रफल 75.0 वर्गगज, स्कीम तिरूपति टाउन, करधनी के पास, कलवाड रोड, जयपुर, राजस्थान-302012 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-प्लाट नं. 107, पश्चिम प्लाट नं. 106, उत्तर-अन्य भूमि, दक्षिण-रोड 30' चौडी
2	30995810	सम्पत्ति पर ऋण	1. रौशन कुमार सैन 2. अनिता देवी सैन 3. अशोक कुमार सैन 4. गजानंद सैन 5. कृष्ण कुमार सैन 6. उषा देवी सैन 7. विष्णु कुमार सैन	09.05.2022	22,57,186.03/-	रिहायशी भूमि प्लाट पट्टा नं. 20, क्षेत्रफल 282 वर्गगज, ग्राम-अनी, ग्राम पंचायत लबाना, तहसील-आमेर, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-आम रास्ता 12 फिट चौड़ा, पश्चिम-बंदा की पाल और आबादी भूमि, उत्तर-आबादी भूमि, दक्षिण-हरीनारायण नाई का मकान

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है। ह./-

दिनांक- 14.05.2022
स्थान- जयपुर
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

रणथम्भौर में शुक्रवार को बाघिन टी-61 की मौत हो गई, वन विभाग के कर्मचारियों को जंगल के ज़ोन नम्बर-7 से बाघिन का शव मिला। रणथम्भौर अभयारण्य के अधिकारियों का कहना है कि इसकी मौत संभवतः किसी ऊंची चट्टान से गिर जाने से हुई है। बाघिन टी-61 को जन्म के बाद पहली बार वर्ष 2011 में देखा गया था।

350 कश्मीरी पंडितों ने सरकारी सेवा से सामूहिक इस्तीफा दिया

जैसा कि विदित है कि, आतंकियों ने ऑफिस में घुसकर राजस्व विभाग में क्लर्क राहुल भट की हत्या कर दी थी , कश्मीरी पंडित इस घटना के विरोध में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं

श्रीनगर 13 मई (वार्ता)। कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या की हत्या के विरोध में, बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भट की हत्या के विरोध में 350 कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को अपना इस्तीफा भेज दिया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भेजे गए इस्तीफे में इन कर्मचारियों ने कहा है कि वे राहुल भट की हत्या के बाद खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनके पास सामूहिक इस्तीफा देने के अलावा कोई चारा नहीं है। ये सभी कश्मीरी पंडित प्रधानमंत्री पैकेज के कर्मचारी हैं। राहुल भट की हत्या से गुस्साए कश्मीरी पंडितों का कहना है कि उनको निशाना बनाकर लगातार उन पर हमले हो रहे हैं और सरकार उन्हें सुरक्षा देने में नाकाम रही है।

शुक्रवार को कश्मीरी पंडितों की हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरे कश्मीरी पंडितों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। जैसा कि विदित है कि, बडगाम जिले के चदूरा में राजस्व विभाग के एक अधिकारी एवं कश्मीरी पंडित राहुल भट की गुरुवार को उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी मौत को लेकर विभिन्न स्थानों पर विरोध हुआ और व्यापक निंदा हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि, पुलिस ने बडगाम जिले से श्रीनगर एयरपोर्ट रोड की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे कश्मीरी पंडितों के एक समूह को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के जीवन की रक्षा करने में कथित विफलता के लिए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की।

इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। जम्मू में शुक्रवार को भट का अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर भारी भीड़ मौजूद थी। इस बीच उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सरकारी क्वार्टरों में रहने वाले कश्मीरी पंडितों ने भी हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

महिलाओं सहित प्रदर्शनकारी कुपवाड़ा-श्रीनगर हाईवे पर जमा हो गए और भट के हत्यारों के खिलाफ नारेबाजी की। एक प्रदर्शनकारी ने पूछा, हम जानना चाहते हैं कि हमें क्यों निशाना बनाया जा रहा है और हमारी क्या गलती है।

भट की हत्या पिछले आठ महीनों में कश्मीर में प्रवासी कामगारों और स्थानीय अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की श्रृंखला में सबसे ताजी घटना है। इस साल घाटी में अल्पसंख्यक समुदाय के किसी सदस्य पर यह तीसरा हमला है। इससे पहले गत 13 अप्रैल को कुलगाम में एक राजपूत सतीश कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गत चार अप्रैल को शोपियां जिले में आतंकवादी हमले में एक कश्मीरी पंडित बाल कृष्ण घायल हो गए थे। इस बीच, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट किया, कश्मीर के लोगों के लिए यह कोई नई बात नहीं है।

अगर उप-राज्यपाल की सरकार कश्मीरी पंडितों की रक्षा नहीं कर सकती है, तो लोगों को विरोध करने का अधिकार है।

पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, पर्यटन की सामान्य स्थिति नहीं है, यह आर्थिक गतिविधि का बैरोमीटर है। कश्मीर आज सामान्य स्थिति से बहुत दूर है।

सुब्रतो रॉय की गिरफ्तारी पर स्टे

नई दिल्ली,13 मई (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने ''सहारा इंडिया'' प्रमुख सुब्रत रॉय को पटना उच्च न्यायालय में पेश करने के लिए पुलिस को जारी आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुब्रत रॉय के खिलाफ इस मामले में आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगाने का आदेश पारित किया।

उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली सुब्रत राय की याचिका

- **पटना हाई कोर्ट ने शुक्रवार को ही सहारा प्रमुख सुब्रतो रॉय को गिरफ्तार कर पेशी का आदेश दिया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी।**

पर सुनवाई के बाद पीठ ने कहा, इस स्तर पर हम पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हैं।

सहारा इंडिया द्वारा कथित धोखाधड़ी से संबंधित 2,000 से अधिक मामलों की सुनवाई के बाद पटना उच्च न्यायालय ने आज ही यह आदेश पारित किया था। सहारा इंडिया पर हजारों निवेशकों के पैसे वापस नहीं करने के आरोप हैं। उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद सुब्रत राय अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे।

रणथंभौर में बाघिन टी-61 का शव मिला

- **बाघिन टी-61 की मौत प्रथम दृष्टया किसी ऊंची चट्टान से गिरने की वजह से हुई।**

सवाई माधोपुर, 13 मई (निस)। रणथंभौर में शुक्रवार को बाघिन टी 61 की मौत हो गई।

रणथंभौर के जोन नम्बर 7 के जामोदा वन क्षेत्र में बाघिन का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया।

बाघिन की मौत की सूचना पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में कर राजबाग नाका वन चौकी पहुंचाया, जहां वन एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में रणथंभौर के पशु चिकित्सकों ने उसके शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। वनाधिकारियों के अनुसार बाघिन टी 61 की मौत प्रथम दृष्टया किसी ऊंची चट्टान से गिरने की वजह से हुई है, हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पायेगा ।

जानकारी के अनुसार बाघिन टी-61 को जन्म के बाद पहली बार 2011 में देखा गया था। ये बाघिन टी-8 (लाडली) व बाघ टी-34 (कुम्भा) की बेटी है। इसकी टेरेटरी जोन 7 व 8 में ही रही है। बाघिन लगभग 12 साल की है। हाल ही में वह बाघ-58 के साथ थी।

यू.ए.ई. के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अबू धाबी के शासक के रूप में सेवाएं दे रहे थे। राष्ट्रपति से जुड़े मामलों के मंत्रालय ने शेख खलीफा के निधन पर 40 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी मंत्रालय, विभाग, संघीय व स्थानीय संस्थान शुक्रवार से काम करना बंद कर देंगे। शेख खलीफा ने अपने पिता मरहूम शेख जायद बिन सुल्तान अल नाह्यान की जगह ली थी, जिन्होंने 1971 में अमीरात के अस्तित्व में आने के बाद 2 नवंबर 2004 को अपने निधन तक संयुक्त अरब अमीरात के पहले राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं दी थीं।

तीर्थयात्रियों की बस में आग लगी

जम्मू, 13 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित कटरा से माता वैष्णो देवी के मंदिर में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस में आग लगने से कम से कम चार यात्रियों के मारे जाने की आशंका है जबकि 20 से अधिक घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस कटरा से जम्मू की ओर जा रही थी, तभी नोमेन से कुछ

- **इस दुर्घटना में 4 लोग ज़िंदा जले व 20 अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गये।**

किलोमीटर दूर उसमें आग लग गई।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट कर कहा,कटरा में बस दुर्घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद अभी जम्मू-कश्मीर के रिआसी की डिप्टी कमिश्नर बबीला रकवाल से बात की। हताहतों के बारे में जानकारी ली गई और घायलों को नारायणा अस्पताल में भर्ती कराया।

राहुल दूसरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक रामकेश मीणा सहित काफी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गंगापुर सिटी स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन राहुल गांधी दूसरे रूट से उदयपुर चले गए। राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी मेवाड़ एक्सप्रैस की बजाय दूसरी ट्रेन से अलवर होते हुए उदयपुर पहुंचे, जहां उन्हें चिंतन शिविर में भाग लेना था।

मोहाली में इन्टैलीजैंस ब्यूरो के दफ्तर पर रॉकेट हमले में आई.एस.आई. का हाथ था

पंजाब पुलिस ने कहा कि, इसका मुख्य साजिशकर्ता कैनेडा में बसा लखवीर सिंह लांडा है

चंडीगढ़, 13 मई (वार्ता)। पंजाब के मोहाली स्थित प्रदेश खुफिया पुलिस मुख्यालय पर नौ मई को रॉकेट के जरिये ग्रनैड हमले का मुख्य साजिशकर्ता कैनेडा में बसा गिरोहबाज लखवीर सिंह लांडा है।

यह जानकारी आज पुलिस महानिदेशक वीके भावरा ने संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि, हमले की साजिश लांडा ने पाकिस्तान की आई.एस.आई. के करीबी हरविंदर सिंह रिंदा के साथ मिलकर रची थी। उन्होंने बताया कि, घटना बब्बर खालसा इंटरनैशनल और गिरोहबाजों ने मिलकर की है और उन्हें आई.एस.आई. की मदद हासिल थी।

- **पंजाब पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को देश के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया है।**
- **घटना बब्बर खालसा इंटरनैशनल और गिरोहबाजों ने मिलकर की है और उन्हें आई.एस.आई. की मदद हासिल थी।**

उन्होंने कहा कि हमले की जांच काउंटर इंटेलिजेंस ने की और हमले के पीछे सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

उन्होंने बताया कि हमले में पांच गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और बाकी तीन, जो हमले में सीधे तौर पर शामिल थे, को भी जल्दी गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपियों में जगदीप कांग, कंवर बाथ, बलजीत कौर, आनंद दीप सोनू और बलजिंदर सिंह रैंबो शामिल हैं। इनमें जगदीप कांग को छोड़कर सभी तरण तारण से हैं। कांग मोहाली से बताया जाता है और आरोप है कि हमलावर उसके साथ रुके थे। कांग ने ही चढ़त सिंह के साथ मिलकर रेकी की थी।

एक सवाल कि खुफिया पुलिस मुख्यालय को निशाना बनाने का क्या कारण था, के जवाब में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पुलिस व सैन्य ठिकाने आतंकियों के निशाने पर होते ही हैं।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि लांडा, जो मूल रूप से तरण तारण से है और 2017 में कनाडा में जा बसा, तरण तारण के ही निशान सिंह से संपर्क में था। निशान सिंह को दो दिन पहले किसी और मामले में फरीदकोट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक और आरोपी है चढ़त सिंह, जो तरण तारण से है।

'पार्टी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके उद्घाटन भाषण के अनुसार शिविर के अधिकांश भाग में मोदी को कोसने की उम्मीद है और कुछ चर्चा संगठन पर और इस पर कि पार्टी को आगे बढ़ना है तथा उस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए बदलाव करने हैं।

उम्मीद है कि राहुल, अधिकाधिक युवा लोगों को संगठन में शामिल करने का दबाव बनाना जारी रखेंगे और यही उन सीनियर और युवा नेताओं के बीच की दु:खती रग है जिन्हें राहुल गांधी द्वारा प्रमोट किया जा रहा है।

राहुल सत्र के समापन वाले दिन, 15 मई को बोलेंगे। इस दिन सी.डब्ल्यु.सी. की भी मीटिंग होगी जिसमें सबजैक्ट्स कमेटीज़ की सिफारिशों की पुष्टि की जाएगी। सबजैक्ट्स कमेटीज़ की आज मीटिंग हुई थी और ये अपने विचार-विमर्श कल भी जारी रखेंगी।

शिविर में भविष्य के रोड मैप के रूप में और इसे लेकर कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए पार्टी को स्वयं को किस तरह से तैयार करना है, के बारे में एक घोषणा पत्र लाया जाएगा।

कमेटी की सिफारिशें...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वही यहां यह भी कहा गया है कि जो लोग पद पर रहकर बेहतर काम करेंगे उन्हें पारितोषिक दिया जाना चाहिए, वही जो लोग काम नहीं करते उन्हें अलग कर देना चाहिए। संगठन की इस कमेटी ने पार्टी में अनुशासन को भी कड़ाई से लागू करने की बात कही है।

माकन ने कहा कि इस बात की भी सिफारिश की गई है कि ने पार्टी में लगातार 5 साल तक एक ही पद पर काम करने के बाद किसी को लगातार वह पद नहीं दिया जाए। कम से कम 3 साल का कूलिंग पीरियड रहे। तीन साल के गैप के बाद ही आगे कोई पद दिया जाए। हालांकि यह नियम सिर्फ संगठन स्तर पर ही लागू होगा। सांसद-विधायक या किसी भी रूप में चुनाव जीत कर आने वाले जनप्रतिनिधि पर यह नियम लागू नहीं होगा। इसे लेकर माकन ने कहा- क्योंकि इनका चुनाव सीधे जनता करती है। दरअसल, कांग्रेस नेता के परिवार के किसी दूसरे सदस्य को टिकट तभी दिया जाएगा, जब वह पांच साल से एक्टिव हो, यदि कोई नया सदस्य कांग्रेस में आता है तो उसे पहले 5 साल संगठन में काम करना होगा, उसके बाद ही टिकट मिलेगा। वहीं यह भी तय किया है कि अब पैराशूट उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। हालांकि यह बात खुद राहुल गांधी ने कांग्रेस अधिवेशन में भी कही थी लेकिन उसके बाद बड़ी संख्या में पैराशूटी उम्मीदवार चुनाव में उतारे गए थे। उस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष रहे कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ को, जहां टिकट दिए गए थ, वहीं हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा के दबाव में दीपेंद्र हुड्डा को राज्यसभा भेजना पड़ा था। इन बड़े उदाहरण के अलावा बहुत से उदाहरण है, जहां कुछ दबंग परिवारों के दो या तीन लोग लगातार दबाव की राजनीति करके पद या टिकट हासिल करते रहे हैं। संगठन स्तर पर और बड़े बदलाव की बात करते हुए माकन ने कहा कि पार्टी में अब यह भी विचार किया जा रहा है कि बूथ और ब्लॉक लेवल के बीच 3 से 5 मंडल बनाए जाएं, ताकि बूथ स्तर की कमेटी और ब्लॉक कमेटी के बीच जो फासला है, उसमें कार्यकर्ताओं का समावेश ज्यादा हो सके।

कश्मीर में आतंकियों के मददगार प्रोफैसर सहित तीन कर्मचारी सेवा से बर्खास्त

ये कर्मचारी आतंकियों के लिए ग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे तथा उनको हर प्रकार की मदद दिया करते थे

श्रीनगर, 13 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने आतंकवादियों से साथ कथित तौर पर ताल्लुक रखने के लिए कश्मीर यूनिवर्सिटी (के.यू) के एक प्रोफेसर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान सहित अपने तीन कर्मचारियों को शुक्रवार को बर्खास्त कर दिया। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

बर्खास्त कर्मचारियों में कश्मीर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन पंडित, स्कूल शिक्षा विभाग के एक शिक्षक मोहम्मद मकबूल हजाम और चयन ग्रेड कांस्टेबल गुलाम रसूल शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन कर्मचारियों को कथित तौर पर आतंकवादियों से संबंध रखने और विभिन्न संगठनों के आतंकवादियों के सहयोगियों (ओवर ग्राउंड वर्कर) के रूप में काम करने के लिए बर्खास्त किया गया है।

- **बर्खास्त कर्मचारियों में कश्मीर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन पंडित, स्कूल शिक्षा विभाग के एक शिक्षक मोहम्मद मकबूल हजाम और चयन ग्रेड कांस्टेबल गुलाम रसूल शामिल हैं।**
- **वहीं एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने बडगाम में मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार दिया।**

उन्होंने कहा, देश के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत मामलों की जांच और सिफारिश करने के लिए नामित समिति ने तीन कर्मचारियों को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने की सिफारिश की है।

इन प्रावधानों के तहत सरकारी कर्मचारियों को तभी बर्खास्त किया जा सकता है, जब राष्ट्रपति या उपराज्यपाल इस बात से संतुष्ट हों कि देश की सुरक्षा के हित में इस तरह की जांच करना व्यावहारिक नहीं है। बर्खास्त कर्मचारियों के पास एकमात्र रास्ता बचता है कि वे सरकार के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दें। वहीं दूसरी ओर आतंकियों के खिलाफ एक और कामयाबी हासिल करते हुये। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। बांदीपोरा में पिछले दो दिनों में यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 11 मई को जिले के सालिंदर वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक स्थानीय आतंकवादी मारा गया था।

जिस होटल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए आवेदन किया। जब वर्ष 2017 में यूआईटी सचिव ने भूमि रूपांतरण की स्वीकृति नहीं दी तो संभागीय आयुक्त के एक आदेश की आड़ में सरकार ने स्वीकृति किस आधार पर दी समझ से बाहर है। होटल निर्माण की फाइल प्रकिया के तहत लगनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सारी प्रकियाओं को ताक में रखकर होटल निर्माण की अनुमति प्रदान करा दी, इसमें मुख्यमंत्री के ओएसडी की अहम भूमिका रही है। इससे स्पष्ट है कि इस होटल के गहलोत परिवार के आर्थिक सम्बन्ध है। यह रास्ता जो चौड़ा करके बनाया है, वह होटल के राजस्व रिकार्ड में अब भी दर्ज नहीं है। आज भी यह नदी है। उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी सारे कानूनों को ताक में रखकर सीएमओ के निर्देश के बाद यूआईटी सचिव उज्जवल राठौड़ ने 2019 में गैर कानूनी रूप से नदी मार्ग का होटल निर्माण के लिए भूमि का रूपांतरण कर दिया।

इस होटल से पीछे जुड़ती हुई बिलानाम (सरकारी) भूमि पर होटल मालिक ने अतिक्रमण कर लिया। जबकि यहां गोगमाल गांव का बोजडा नाका नाई पर वन विभाग सालों से वृक्षारोपण कर रहा था।

उन सारे पेड़ों को होटल मालिक ने काट दिया और जमीन को अपने कब्जे में होटल का विस्तार कर दिया और 250 करोड़ की होटल का नक्शा होटल मालिक ने गैर कानूनी रूप से सम्बन्धित ग्राम पंचायत से वर्ष 2012 में पास करवाया। वर्ष 2012 से 2014 तक कोई निर्माण नहीं कराए जाने के कारण ग्राम पंचायत की स्वीकृति का आदेश स्वत: ही निष्प्रभावी हो गया। वैसे अकेली ग्राम पंचायत इतनी बडी होटल के निर्माण की स्वीकृति के लिए अधिकृत नहीं थी। इसके लिए एक कमेटी निर्णय करती है। वर्ष 2014 में यह क्षेत्र उदयपुर के पैरीफेरी में आ गया। होटल का नक्शा वैध नहीं है फिर भी होटल का निर्माण करा दिया गया।

किरोड़ी ने कहा कि मैं उदयपुर में कांफ्रेंन्स करना चाहता था। लेकिन मुझे पत्रकार वार्ता ही करने दी गई। मुझे उदयपुर से गिरफ्तार कर दूसरी जगह छोड़ दिया। इसीलिए मुझे पत्रकार वार्ता जयपुर में करनी पड़ी।

दिल्ली में आग, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूचना शाम 4 बजकर करीब 40 मिनट पर मिली जिसके बाद दमकल की 24 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

पुलिस ने कहा कि, इमारत से निकाले गए 9 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने कहा कि आग मुंडका मेट्रो स्टेशन के पिलर नंबर 544 के पास स्थित इमारत में लगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और इमारत में फंसे लोगों को खिड़की के शीशे तोड़कर निकाला गया तथा घायलों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग से 26 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मौत का आंकड़ा अभी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त समीर शर्मा ने कहा कि, शुरुआती जांच में पता चला है कि 3 मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में कंपनियों के दफ्तर हैं। उनके मुताबिक, आग इमारत की पहली मंजिल से लगनी शुरू हुई जहां सी.सी.टी.वी. कैमरा और राउटर निर्माता कंपनी का कार्यालय है। पुलिस ने कहा कि, कंपनी का मालिक पुलिस की हिरासत में है। उन्होंने कहा कि, स्थिति पर काबू पाने की कोशिश चल रही है और राहत कार्य भी लगातार जारी है। पुलिस ने कहा कि, दमकल कर्मी मौके पर हैं और स्थिति को नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे हैं। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर में मौजूद एक फैक्ट्री से शुरू हुई जिसमें सी.सी.टी.वी. कैमरा और राउटर जैसी चीजों का निर्माण होता है।

निजी आकांक्षाओं को पार्टी हित के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी ने स्वागत भाषण में एक बार फिर वही बातें दोहराई, जो उन्होंने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में की थी। यानी कि उन्होंने लंबे समय से पार्टी में पदों पर जमे नेताओं से एक तरह से अपील की है कि ''वे लंबे समय से पार्टी के नाम से बहुत कुछ हासिल करते रहे हैं, लेकिन अब कर्ज उतारने का समय है। समय आया है कि हमें संगठन हितों के अधीन काम करना होगा। सबसे आग्रह है कि खुलकर अपने विचार रखें, मगर बाहर एक ही संदेश जाना चाहिए संगठन की मजूबती, मजबूत निश्चय और एकता।''

कांग्रेस को चुनावों में लगातार मिल रही लगातार हार को लेकर चिंतन के बीच सोनिया गांधी ने कहा कि ''हमें मिली विफलताओं से हम बेखबर नहीं हैं। संघर्ष और कठिनाइयों से हमें आगे जाना है। लोगों की उम्मीदों से हम अनजान नहीं है। हमें यह प्रण लेने इकट्ठा हुए हैं। हम आत्मनिरीक्षण कर रहे हैं। यह तय करें कि यहां से निकलें तो एक नए आत्मविश्वास और कमिटमेंट से प्रेरित होकर निकलेंगे।

- **सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि, वे असाधारण परिस्थितियों और विफलताओं से अनजान नहीं, सख्त सुधारों की जरूरत है, जो अब टाले नहीं जा सकते।**
- **कांग्रेस समान विचारधारा वाले दलों के साथ समझौते जारी रखेगी, जो संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं।**

पार्टी के अंदर बन रही परिस्थितियों और जनता के बीच वर्तमान में कांग्रेस की अस्वीकार्यता पर उन्होंने यह भी कहा कि ''आज पार्टी के सामने असाधारण परिस्थितियां हैं। असाधारण परिस्थितियों का मुकाबला असाधारण तरीके से ही किया जा सकता है। हर संगठन को जीवित रहने और आगे के लिए भी अपने अंदर पैनापन लाना होता है। हमें सुधारों की सख्त जरूरत है। हमें रणनीतिक बदलाव, ढांचागत सुधार और रोजाना काम करने के तरीके में बदलाव करना है, जो सबसे बुनियादी मुद्दा है। हमारा उत्थान सामूहिक प्रयासों से ही हो पाएगा। ये प्रयास आगे टाले नहीं जा सकते।''

उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार को लेकर कहा कि वह देश में डर और असुरक्षा का माहौल पैदा कर रही है। अल्पसंख्यकों को डराया जा रहा है। धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जा रहा है, जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश की जा रही है, जिसमें पंडित नेहरू के योगदान और देश के लिए किए गए त्याग को योजनाबद्ध तरीके से कम करके दिखाने का प्रयास हो रहा है। ये लोग महात्मा गांधी के हत्यारे का महिमामंडन कर रहे हैं और गांधी के सिद्धांतों को मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा- देश के पुराने मूल्यों को खत्म किया जा रहा है। दलित आदिवासी और महिलाओं में असुरक्षा का माहौल है। देश में डर का माहौल बनाया जा रहा है। भाजपा देश में लोगों को लड़ाने का लगातार प्रयास कर रही है।

इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यूपीए सरकार के समय में इसका ध्यान रखा जाता था कि लोग क्या कहेंगे। आज ये लोग धर्म के नाम पर देश पर काबिज हो गए हैं। धर्म जाति ऐसी चीज है कि आप दंगे भड़का सकते हैं। अब राजस्थान तो टारगेट में नंबर वन है। दंगाई का, सीबीआई, ईडी का छापा शुरू हो जाता है। इनके लोग दूध के धुले हैं, इन पर कोई छापा नहीं पड़ता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मेजबान के नाते सभी का स्वागत किया।

इससे पहले मीडिया से बात करते हुए राजनीतिक सुधारों को लेकर पार्टी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वर्तमान हालातों में कांग्रेस समान विचारधारा वाले उन राजनीतिक दलों के साथ समझौते जारी रखेगी जो संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं।

नीट पी.जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीजी-2022-23 परीक्षा कोविड की विध्वंसकारी वैश्विक महामारी के कारण हुए तीन वर्षों के व्यवधान के बाद 21 मई को आयोजित हो रही है।

जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक बैंच ने यह टिप्पणी करते हुए कि नीट पीजी की परीक्षा में पहले ही चार महीने का विलम्ब हो चुका है और देश के अस्पतालों में की सीनियर रेजिडैन्ट डॉक्टर्स के सिर्फ दो बैच ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, कहा कि इससे और विलम्ब होने के गंभीर परिणाम निकलेंगे और अस्पतालों में रोगियों की देखभाल पर क्रमिक रूप से असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं 21 मई को परीक्षा आयोजित करने का निर्णय एक नीतिगत निर्णय है जिसमें अदालतों द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की बहुत कम संभावना है। हस्तक्षेप तभी किया जा सकता है, जबकि इसमें प्रथम दृष्टया कोई कानूनी त्रुटि या विवाद हो।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

इस मई, पाएँ शानदार ऑफ़र्स.

अपनी पसंदीदा मारुति सुज़ुकी एरीना कार आज ही घर लाएँ.

बड़ी बचत

WAGONR ₹38 100* | **ALTO ₹21 100*** | **S-PRESSO ₹28 100*** | **VITARA BREZZA ₹17 500*** | **DZIRE ₹18 100*** | **SWIFT ₹21 100*** | **CELERIO ₹33 100*** | **EECO ₹28 500***

ऑफर सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

WAGONR ALTO S-PRESSO ERTIGA VITARA BREZZA DZIRE SWIFT CELERIO EECO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: ankit.syal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: JAIPUR CITY: PREM MOTORS PVT LTD: JAIPUR-AJMER ROAD: CALL: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: CALL: 4411111, 9785023000. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: CALL: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: CALL: 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** ADARSH NAGAR: CALL: 4074444, 9549650361. BANIPARK: CALL: 4072222, 2201365, 8698003009. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.:** MALVIYA NAGAR: CALL: 2523400, 8302890000. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2793924/5/6/7, 4110100, 9772210902. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9887851795. LALSOT: CALL: 9460654936. BANDIKUI: CALL: 9887456970. MAHWA: CALL: 9950780018. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9785791929. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794167 / 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058794032. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058794168. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794341. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 0154-2466225, 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 7412092350. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. BHINMAL: CALL: 02969-222438, 9680059999. RANIWARA: CALL: 9116124669, 9929244403. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 0291- 2630478 / 79 / 80, 8094011151. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/Rural offer (wherever applicable) on WagonR (1.0L Petrol & AGS- all variants), Alto (Petrol- all variants except STD), S-Presso (Petrol & AGS- all variants), Vitara Brezza (all variants), Dzire (Petrol & AGS- all variants), Swift (Petrol & AGS- all variants), Celerio (Petrol & AGS- all variants) and Eeco (Petrol- all variants except ambulance). *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 31st May 2022 or till stocks last, whichever is earlier.